रांची एवं पटना से प्रकाशित * * * * रांची ● शनिवार, 11 नवंबर 2023 ● कार्तिक कृष्ण पक्ष 14, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 205 आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

धनतेरस

करोड़ों का कारोबार

धन-धना-धन

धनतेरस पर बाजार गुलजार

शुभम संदेश टीम। रांची

धनतेरस पर शुक्रवार को राजधानी रांची सहित राज्य भर के बाजारों में सुबह से देर रात तक जबरदस्त रौनक रही. जैसे-जैसे दिन ढलता गया बाजारों में ग्राहकों की भीड़ बढ़ती गयी. दिन भर जहां पहले से बुक कराए वाहनों की डिलीवरी के लिए कार-बाइक के शो-रूम में भीड़ उमड़ती रही, जो साम तक जारी रहा. वहीं शाम ढलते ही धनतेरस की खरीदारी के शुभ मुहुर्त के मौके पर जेवर, बर्तन व इलेक्ट्रॉनिक दुकानों में जबरदस्त भीड़ उमड़ी. देर रात तक दुकानों में खरीदारी के लिए भीड़ लगी रही. रांची, जमशेदपुर, धनबाद, हजारीबाग सहित अन्य शहरों में जेवर दुकानों मे अचानक शाम के वक्त भीड़ बढ़ने के कारण कुछ दुकानों के बाहर ही ग्राहकों को रोकना पड़ा. ग्राहकों को भीड़ कम होनेइंतजार भी करना पड़ा. लेकिन लोग खरीदारी के लिए बाजार में डटे रहे. भीड़ की वजह से राजधानी रांची के एमजी रोड, कचहरी रोड, सरकुलर सहति अन्य इलाकों की सड़कें जाम रहीं. वाहन रेंगते रहे.

घर- घर तक पहुंचा झाड़ू

धनतेरस के मौके पर झाड़ू की खरीदारी का भी शगुन है. झाड़ू की भी जमकर बिक्री हुई. घर- घर के लिए झाड़ू की खरीदारी हुई. जिस झाड़ू की कीमत आम दिनों में 70 से 150 रुपये तक रहती है, वहीं झाड़ू धनतेरस के दिन 200 रुपए तक में बिका. झाड़ू की डिमांड काफी अधिक रही.

बाजार में भीड़ बढ़ी, कारोबारियों के चेहरे खिले

चारपहिया व दुपहिया वाहनों के साथ ही साथ जेवर व इलेक्ट्रॉनिक दुकानों में सुबह से देर रात तक ग्राहकों की भीड़ रही. खरीदारों की भीड़ देख कारबोरियों के भी चेहरे खिले रहे. कराबोरियों ने कहा इस बार उम्मीद से ज्यादा कारोबार हुआ है. इस बार भी सर्राफा, ऑटोमोबाइल सेक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स, फर्नीचर, होम अप्लायंस की जम कर बिक्री हुई. , रियल स्टेट का कारोबार भी बूम पर रहा. लोगों ने फ्लैट व जमीन की रजिस्ट्री कराई.

सोना-चांदी से चमका सर्राफा बाजार

सर्राफा कारोबारियों की मानें तो इस धनतेरस सोना-चांदी की चमक से बाजार गुलजार रहा. व्यवसायियों ने ग्राहकों को विशेष ऑफर से लुभाया. ग्राहकों में भी खरीदारी को लेकर उत्साह दिखा. आभूषणों की डिलीवरी धनतेरस के शुभ मुहूर्त में की गई. वहीं कई लोगों ने धनतेरस के दिन ही खरीदारी की.

इलेक्ट्रॉनिक्स सामानों की खूब रही डिमांड

इलेक्ट्रॉनिक बाजार बूम पर रहा. इलेक्ट्रॉनिक्स सामग्री में टीवी, फ्रिज, कूलर, वाशिंग मशीन, आयरन, गीजर सहित अन्य सामानों की खूब बिक्री हुई. पहले से बुक हुए सामान धनतेरस के दिन सुबह से ही डिलीवर होते रहे.

बर्तनों की भी खरीदारी

धनतेरस पर अधिकांश बर्तन बाजार भी गुलजार रहा. बाजार से लेकर मुहल्ले तक बर्तनों की दुकानें सजी थीं. व्यवसायी भी अपनी दुकानों में विभिन्न प्रकार के बर्तन रखे, जो ग्राहकों को पसंद आये. अलग-अलग डिजाइन के ब्रांडेड से लेकर लोकल बर्तन बिके.

शुद्ध लाभ रह गया आधा

एलआईसी को घाटे पर घाटा

एजेंसी। नई दिल्ली

शुद्ध प्रीमियम आय गिरकर 1.07 लाख करोड़

धनतेरस के दिन भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने चालू वित्तीय वर्ष की दूसरी तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं. 30 सितंबर, 2023 को समाप्त तिमाही के लिए एलआईसी का शुद्ध लाभ में 50 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7925 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की. एलआईसी ने एक वर्ष पहले की अवधि में 15 हजार 952 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया था. चालू वित्तीय वर्ष की दूसरी तिमाही के लिए शुद्ध प्रीमियम आय 1.07 लाख करोड़ रही, जो एक वर्ष पहले की अवधि में 1 लाख 32 हजार करोड़ रु से 19 फीसदी कम है. बीमाकर्ता की सकल गैर-निष्पादित संपत्ति (जीएनपीए) पिछले साल के 5.60 फीसदी के मुकाबले 2.43 फीसदी रही. इसका नेट एनपीए एक वर्ष पहले की अवधि से अपरिवर्तित रहा. 30 सितंबर, 2023 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए न्यू बिजनेस का मूल्य (वीएनबी) 3 हजार 304 करोड़ था, जबकि 30 सितंबर, 2022 को समाप्त छह महीने के लिए 3 हजार 677 करोड़ था. इसी अवधि के लिए नेट वीएनबी मार्जिन 14.6%पर स्थिर रहा. इंवेट्स से आय पिछले वर्ष के 84 हजार 103 करोड़ से बढ़कर 93 हजार 942 करोड़ रुपये हो गयी. बीमाकर्ता का प्रथम वर्ष का प्रीमियम पिछले वर्ष की समान तिमाही के 9 हजार 142 करोड़ से बढ़कर चालू फाइनेंशियल ईयर की दूसरी तिमाही में 9 हजार 988 करोड़ हो गया.

- शेष पेज 10 पर देखें

जग बैंस ने 'बिग ब्रदर' जीतकर रचा इतिहास

लॉस एंजिलिस। वाशिंगटन के एक उद्यमी और ट्रक कंपनी के मालिक जग बैंस ने रियलिटी शो 'बिग ब्रदर' जीतने वाला पहला सिख-अमेरिकी बनकर इतिहास रच दिया. बैंस (25) ने पेशेवर तैराक मैट क्लॉट्ज और डीजे बॉवी जेन को हराकर 100 दिवसीय कार्यक्रम में शीर्ष स्थान हासिल किया. बैंस अमेरिका में बिग ब्रदर हाउस में प्रवेश करने वाले पहले सिख-अमेरिकी थे . बिग ब्रदर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने आधिकारिक हैंडल पर कार्यक्रम के परिणामों की घोषणा की. बैंस को 7,50,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी.

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	28.1	18.2
जमशेदपुर	33.0	17.7
डालटनगंज	33.4	16.2

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	57,000
चांदी (किलो)	75,000

ब्रीफ खबरें

संजय सिंह की हिरासत अवधि 24 तक बढ़ी

नयी दिल्ली। दिल्ली की अदालत ने दिल्ली सरकार की कथित आबकारी घोटाले से संबंधित धन शोधन मामले में गिरफ्तार आप नेता संजय सिंह की न्यायिक हिरासत की अवधि शुक्रवार को 24 नवंबर तक बढ़ा दी.

हीरो मोटोकॉर्प के चेयरमैन की संपत्ति कुर्क

नयी दिल्ली। धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हीरो मोटोकॉर्प के सीएमडी और चेयरमैन पवन कांत मुंजाल की 24.95 करोड़ की संपत्ति कुर्क की है. एजेंसी ने मुंजाल की दिल्ली की तीन अचल संपत्तियों को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अस्थायी रूप से कुर्क किया है.

साहिबगंज एसपी नौशाद आलम को ईडी का समन, 22 को बुलावा

- नौशाद आलम सूबे के पहले आईपीएस हैं, जिन्हें प्रवर्तन निदेशालय ने समन किया
- अवैध खनन मामले में बयान से मुकर गया था ईडी का गवाह विजय हांसदा

संवाददाता। रांची

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अवैध खनन मामले में साहिबगंज के एसपी नौशाद आलम को शुक्रवार को समन भेजा है. 22 नवंबर को ईडी के रांची जोनल ऑफिस में उपस्थित होने को कहा है. ईडी की जांच में नौशाद आलम को अवैध खनन मामले में गवाह विजय हांसदा को ईडी का विरोधी बनाने में शामिल पाया गया है. ईडी का महत्वपूर्ण गवाह विजय हांसदा बीते 12 को कोर्ट में अपने पूर्व के बयान से मुकर गया था. विजय हांसदा बिना किसी पूर्व सूचना के अचानक गवाही देने कोर्ट आ धमका था, जबकि ईडी ने उसको गवाही के लिए समन भी नहीं किया था. मामले की सुनवाई ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में चल रही है.

कौन है विजय हांसदा

विजय हांसदा ने ही 2022 में नींबू पहाड़ी पर अवैध खनन की शिकायत की थी. कोर्ट में शिकायतवाद में उसने बरहेट विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा समेत अन्य लोगों के खिलाफ शिकायत की थी. दिसंबर 2022 में केस दर्ज किया था. आर्म्स एक्ट के एक केस में जेल जाने के बाद विजय हांसदा ने अवैध खनन की जांच सीबीआई से कराने की मांग करते हुए हाईकोर्ट में याचिका डाली थी. बाद में याचिका वापस लेने के लिए एक और पिटीशन डाल दिया था. वहीं ईडी के ही दो गवाहों के खिलाफ उसने नामजद प्राथमिकी दायर करा दी थी. इसी केस में 164 के तहत बयान में ईडी के अधिकारी पर भी जातिसूचक शब्दों के प्रयोग का आरोप विजय ने लगाया था.

धनबाद के एसएसपी को शोकॉज

धनबाद। धनबाद के वरीय पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार को अदालत ने डीजीपी के माध्यम से शोकॉज किया है. पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह समेत चार लोगों की हत्या के मामले में कथित शूटर की भूमिका निभाने वाला अमन सिंह को सुरक्षा व्यवस्था के बीच इलाज के लिए अस्पताल ले जाने के मामले में अदालत ने धनबाद के वरीय पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार को डीजीपी के माध्यम से शोकॉज किया है. इससे पूर्व भी अदालत द्वारा वरीय पुलिस अधीक्षक को शोकॉज किया गया था, परंतु एसएसपी ने अदालत को उसका जवाब नहीं दिया गया था. अदालत आदेश का अनुपालन न किए जाने के कारण कोर्ट ने शुक्रवार को फिर से राज्य के डीजीपी के माध्यम से वरीय पुलिस अधीक्षक से शोकॉज किया है.

टॉक सीरीज | आईआईटी में राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने कहा-

तय करें कि आप देश के लिए क्या कर सकते हैं

संवाददाता। धनबाद

अगले 25 वर्षों में हमारा देश विकसित राष्ट्र बनने की राह पर है. वह भविष्य आज के हमारे मेहनत, लगन, कार्य पर निर्भर करेगा. इसके लिए हमें अपना माइंड सेट बदलना होगा और उसे विचार पर चलना होगा, जिसमें एक विद्वान ने कहा था कि आप यह न पूछे कि देश आपके लिए क्या कर सकता है बल्कि यह तय करें कि आप देश के लिए क्या कर सकते हैं. ये बातें राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने कहीं. वे शुक्रवार को आईआईटी-आईएसएम में आयोजित विकसित भारत 2047 टॉक सीरीज के तीसरे व्याख्यान के दौरान कही. संस्थान के पेनमैन हॉल में भारत लोकतंत्र की जननी है... विषय पर टॉक सीरीज आयोजित हुई.

5000 वर्ष पूर्व भी भारत में था लोकतंत्र

हरिवंश ने बताया कि भारत में 5000 वर्ष पूर्व लोकतंत्र की नींव पड़ चुकी थी. 2300 वर्ष पूर्व चाणक्य ने अपनी पुस्तक में लोकतंत्र की परिभाषा दी थी जिसका प्रभाव अब्राहम लिंकन द्वारा 160 वर्ष पूर्व दी गई परिभाषा में भी झलकता है. ऋग्वेद में सभा और समिति की व्याख्या है. इसके पूर्व आईआईटी आईएसएम निदेशक प्रो जेके पटनायक और उपनिदेशक प्रो धीरज कुमार ने उनका स्वागत किया. मौके पर मीडिया एंड ब्रांडिंग की डीन प्रो रजनी सिंह, मुख्य सुरक्षा अधिकारी राम मनोहर के साथ अन्य मौजूद थे.

भारत ने विकास को आत्मसात किया इसलिए यहां सभ्यता आज भी जिंदा

हरिवंश ने कहा कि देश में सभा, समिति और पंचायत सतत अस्तित्व में रहा. उन्होंने कॉपरनिकस, ब्रूनो, गैलीलियो व रूसो जैसे वैज्ञानिकों का उदाहरण देते हुए कहा कि पश्चिम के देशों में जिसने भी वैज्ञानिक विकास की बात की उसे सजा मिली. भारत ने विकास को आत्मसात किया इसलिए आज भी प्राचीन सभ्यता यहां जिंदा है. जॉर्ज बर्नार्ड शॉ के कथन से इसकी व्याख्या की.

1820 तक भारत का विश्व की जीडीपी में 23 प्रतिशत था योगदान

समृद्ध भारत का उदाहरण देते हुए हरिवंश ने बताया कि कॉलोनियल सिस्टम आने के पूर्व 1820 तक दुनिया की जीडीपी में भारत का योगदान 23% था, जो कि 1947 में गिरकर 3% पर चला आया व वर्तमान में यही स्थिति है. वर्तमान में विश्व की बड़ी कंपनियों में 65% भारतीय युवा बड़े ओहदे पर हैं. देश के युवाओं में क्षमता है. 25 वर्षों में विकसित भारत के सपने को साकार कर सकते हैं.

ब्रीफ खबरें

स्कूली बच्चों ने मनाया दिवाली उत्सव

रांची। दिवाली को लेकर स्कूली बच्चों में खासा उत्साह है. शुक्रवार को धनतेरस के साथ दिवाली शुरू हो गई है . स्कूलों में बच्चे पेंटिंग, रंगोली आदि तैयार कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन तो कर ही रहे हैं, अब फुलझड़ी जला कर भी दिवाली की खुशियां मना रहे हैं. अरगोड़ा स्थित कोशिश स्पेशल स्कूल में दिवाली उत्सव मनाया गया. इसमें बच्चों ने शिक्षकों के साथ मिलकर रंगोली, तोरण, स्वास्तिक सहित अन्य कलाकृतियां बनाईं. विभिन्न तरह के दीये से स्कूल की सजावट की गयी. बच्लचों ने दीप जला लक्ष्मी गणेश की पूजा की.

कार्मेल स्कूल में नामांकन प्रक्रिया शुरू

धनबाद । जिले के निजी स्कूलों में नामांकन की कवायद 10 नवंबर से शुरू हो गई है. बालिकाओं की सबसे बड़ी निजी स्कूल कार्मेल स्कूल में केजी वन में नामांकन के लिए रजिस्ट्रेशन फॉर्म ऑनलाइन माध्यम से उपलब्ध कर दी गई है. स्कूल की प्राचार्या सिस्टर मारिया कीर्ति ने बताया कि स्कूल के वेबसाइट पर 20 नवंबर तक नामांकन के लिए रजिस्ट्रेशन होगा. अभिभावक फॉर्म डाउनलोड कर सकते हैं. बता दें कि सेंट जेवियर्स इंटरनेशनल स्कूल में 15 नवंबर से जबकि डीनोबिली सीएमआरआई स्कूल में 20 से 22 नवंबर तक नामांकन के लिए रजिस्ट्रेशन फॉर्म उपलब्ध होगा.

फाइनल सेमेस्टर के छात्रों को दी गयी विदाई

जमशेदपुर । जमशेदपुर के मामगो स्थित जेकेएस कॉलेज में शुक्रवार को स्नातक फाइनल सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं को समारोहपूर्वक विदाई दी गयी. समारोह में अनेक महाविद्यालय छात्र-छात्राएं शामिल हुए. समारोह में कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य डॉ मोहित कुमार ने छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की. साथ ही अन्य शिक्षक-शिक्षिकाओं ने छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए भविष्य को बेहतर बनाते हुए समाज, राज्य व देश के विकास में भागीदारी सुनिश्चित करने की सीख दी. समारोह के आयोजन में कॉलेज के छात्र-छात्राओं की भूमिका रही.

जेकेएस कॉलेज के अध्यक्ष बने डॉ संतन

जमशेदपुर । जमशेदपुर के मानगो स्थित जेकेएस कॉलेज में शुक्रवार को शासी निकाय (गवर्निंग बॉडी) की बैठक हुआ. बैठक डॉ बिनय कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई, जिसमें शासी निकाय के सदस्यों ने झारखंड राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम-2000 तथा विधान (स्टेट्यूट) के अनुसार कॉलेज के अध्यक्ष व सचिव का चुनाव किया गया. बैठक में डॉ सन्तन प्रसाद को कॉलेज का अध्यक्ष और डॉ प्रभात कुमार पाणी को सचिव सर्वसम्मति से चुन लिया गया. तत्पश्चात् सभी सदस्यों ने नवनियुक्त अध्यक्ष एवं सचिव को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया.

टेल्को गोपबंधु विद्यापीठ में दीपोत्सव पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

कक्षा एक से 10वीं तक के बच्चों ने बढ़चढ़ कर लिया हिस्सा

संवाददाता ।जमशेदपुर

टेल्को स्थित गोपबंधु विद्यापीठ हिंदी मीडियम स्कूल में दीपावली के अवसर पर शुक्रवार को विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ. इस अवसर पर कक्षा एक से दसवीं तक के बच्चों के लिए अलग-अलग प्रतियोगिताएं रखी गई थी, जिसमें बच्चों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया. स्कूल के प्राचार्य संजीव कुमार ने बताया कि दीपोत्सव के अवसर पर स्कूल में विभिन्न प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों को कई महत्वपूर्ण जानकारी दी गई है. इसके तहत कक्षा नर्सरी, एक व दो के बच्चों के लिए आध्यात्मिक वेशभूषा प्रतियोगिता, कक्षा तीन, चार व पांचवीं के बच्चों के बीच भारतीय पारंपरिक परिधान, कक्षा छठी और सातवीं के बच्चों के बीच दीप सज्जा एवं कक्षा आठवीं से ऊपर कक्षा तक के बच्चों के लिए रंगोली प्रतियोगिता रखी गई थी.

प्रतियोगिता में दिए गए कई संदेश : प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बच्चों के बीच शिक्षा के साथ संस्कार का भी समावेश करना था. इस दौरान बच्चे आराध्य देवी देवताओं के परिधान में नजर आए. उन्होंने बताया कि भारतीय पारंपरिक परिधान की प्रतियोगिता रखने का उद्देश्य था कि बच्चे हमारे देश के विभिन्न प्रदेशों की वेशभूषा को जाने. दीप सज्जा से यह बताया गया कि जिस प्रकार दीप जलने के बाद प्रकाश होता है और अंधेरा दूर हो जाता है, उसी तरह शिक्षा आने के बाद अज्ञानता भागती है. रंगोली सज्जा के माध्यम से सभी का जीवन खुशाल और रंगीन हो इसकी कामना की गई है.

खास बातें

- प्रतियोगिता में बच्चों को दी गई कई महत्वपूर्ण जानकारी
- आध्यात्मिक वेशभूषा में नजर आये बच्चे

आपकी बात

> घरेलू हिंसा का सामना करते हुए आर्ट की दुनिया में बनायी अलग पहचान

नाम : नवनीत कौर
पेशा : होम डेकोर
विशेषज्ञ : वुड पेंट आर्टिस्ट
निवास : भुरकुंडा रामगढ़

नवनीत कौर की प्राथमिक पढ़ाई भुरकुंडा स्कूल रामगढ़ से हुई है, 12वीं की पढ़ाई उन्होंने जीएम कॉलेज से की और ग्रेजुएशन बी कॉम से किया. उन्हें बचपन से ही आर्ट का शौक था. जब उन्होंने छठी क्लास में एक कंपीटिशन में भाग लिया था, जहां वह सेकंड आयी थीं, तब उन्हें यह एहसास हुआ कि उन्हें आर्ट का शौक है, तब से उन्होंने आर्ट की प्रैक्टिस करनी शुरू कर दी. छठी क्लास से 10वीं क्लास तक वह बोकारो, हजारीबाग में आयोजित आर्ट कंपीटिशन में जाया करती थीं. जिससे उनकी आत्मनिर्भरता आर्ट के क्षेत्र में और बढ़ी. कॉलेज में पढ़ाई के दौरान महज 19 साल की उम्र में ही उनकी शादी हो गई. ससुराल और बच्चे में उलझी नवनीत की आर्ट के प्रति रुचि मानो गुम सी हो गई थी. नवनीत बताती है कि वह जीवन में डोमेस्टिक वायलेंस (घरेलू हिंसा) का शिकार भी हुई हैं. जीवन में डिप्रेशन का सामना करते हुए और सभी परेशानियों के बीच उन्होंने अपने दोनों बच्चों को संभाला. उनके बच्चें भी आर्ट के फील्ड में आगे बढ़ रहे हैं. लॉकडाउन के वक्त उन्हे काफी समय मिला अपने आप फिर से मजबूत करने का. फिर उन्होंने घर पर ही आर्ट करना शुरू किया. बोतल, दीवारों, लड़कियों, साथ ही यू ट्यूब से मंडल जैसे आर्ट सीखकर उसे करना शुरू किया, जिससे उनकी माइग्रेन की समस्या भी दूर हो गई और लोगों को सोशल मीडिया द्वारा उनकी पेंटिंग पसंद आने लगी. फिर उन्होंने होम डेकोर से जुड़ी अलग-अलग आकृतियों पर पेंटिंग करना शुरू किया. एग्जीबिशन में अपने पेंटिंग्स होम डेकोर प्रोडक्ट्स को शोकेस किया. एग्जीबिशन में लोगों का अच्छा रिस्पॉन्स रहा, लोग उनके द्वारा बनाए आर्ट्स की सराहना करने लगे और घर से ऑर्डर करने के लगे. वह रामगढ़ हजारीबाग धनबाद के कई स्कूलों में बच्चों को आर्ट का प्रशिक्षण देती हैं. आज उनके इंस्टाग्राम अकाउंट नव आर्ट गैलरी पर 30 हजार फॉलोअर्स हैं, जहां लोगों से उन्हें बहुत सारा प्यार मिला है.

डीपीएस बोकारो में वार्षिकोत्सव 'नक्षत्र' का हुआ आयोजन

बच्चों ने बिखेरी सतरंगी छटा

संवाददाता ।बोकारो

- 316 मेधावी विद्यार्थी स्कॉलर बैज से हुए सम्मानित
- बोकारो के डीआईजी ने सभी बच्चों को सम्मानित किया

दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो में शुक्रवार को विद्यालय का वार्षिकोत्सव और मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान समारोह ''नक्षत्र'' का आयोजन किया गया, जिसमें स्कूल के प्रतिभावान बच्चों ने गीत-संगीत व नृत्य प्रस्तुतियों की सतरंगी छटा बिखेरी. इस अवसर पर शैक्षणिक सत्र 2022-23 में बेहतर प्रदर्शन करनेवाले कक्षा 6 से 11वीं के कुल 316 मेधावी विद्यार्थी सम्मानित किए गए. पढ़ाई में उत्कृष्ट अंक लाने के साथ-साथ सह-शैक्षणिक गतिविधियों में भी उम्दा प्रदर्शन के लिए विद्यार्थियों को ग्रीन बैज, ब्लू बैज और ब्लू ब्लेजर से नवाजा गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बोकारो के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) पटेल मयूर कन्हैया लाल ने सभी बच्चों को सम्मानित किया. इसके अलावा, विद्यालय द्वारा अभिवंचित वर्ग के बच्चों के शिक्षार्थ संचालित दीपांश शिक्षा केंद्र के नन्हे विद्यार्थियों के बीच स्वेटर का वितरण भी किया गया. विद्यालय के प्राचार्य डॉ एएस गंगवार ने कहा कि होनहार बच्चों को सम्मानित करने का उद्देश्य उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करना है. कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन हेड गर्ल अनमोली सिंह ने किया. कार्यक्रम में दीपांश शिक्षा केंद्र एवं निःशुल्क व्यावसायिक महिला प्रशिक्षण केंद्र की प्रभारी डॉ सरिता गंगवार, विद्यालय के उपप्राचार्य अंजनी भूषण, मनीषा शर्मा व शालिनी शर्मा, प्रधानाध्यापक अशोक कुमार सिंह, प्रधानाध्यापिका अनिंदिता भद्रा सहित सभी शिक्षक तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के अभिभावक उपस्थित थे.

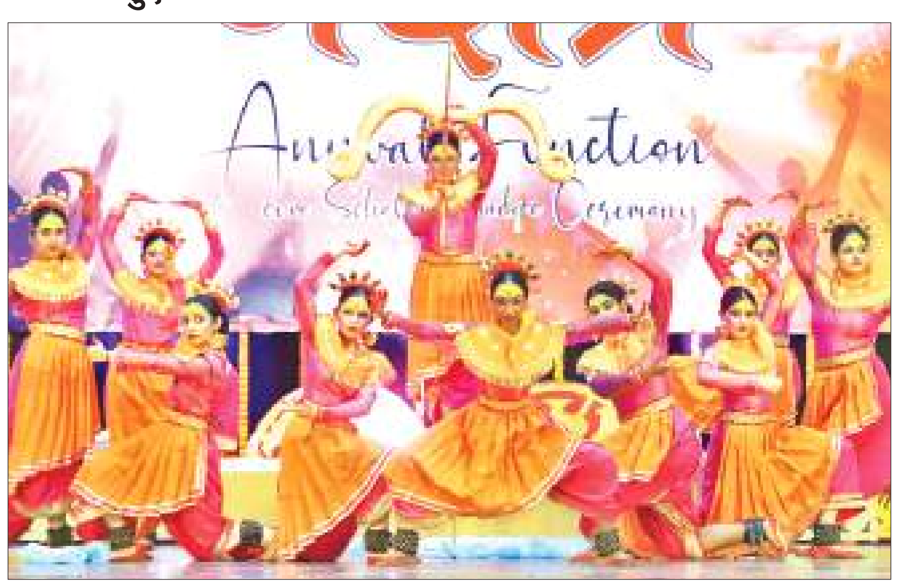

डीपीएस बोकारो में रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे.

खास बातें

- बच्चों ने गीत-संगीत व नृत्य की प्रस्तुतिया दी
- अभिवंचित वर्ग के बच्चों के बीच बांटे गए स्वेटर

डीपीएस बोकारो की शैक्षणिक ख्याति पूरे देश में प्रसिद्धः डीआईजी

मुख्य अतिथि डीआईजी पटेल मयूर कन्हैया लाल ने स्कूली दिनों को जीवन का सबसे बेहतरीन पल बताया. उन्होंने कहा कि डीपीएस बोकारो की शैक्षणिक ख्याति पूरे देश में प्रसिद्ध है. यहां के शिक्षकों की मेहनत और बच्चों को समग्र विकास का हर अवसर प्रदान किया जाना अपने-आप में सराहनीय व प्रेरणाप्रद है.

कस्तूरबा की बच्चियों को दिलाई गई स्वच्छता की शपथ

चाकुलिया। चाकुलिया नगर पंचायत के पदाधिकारियों ने दीपावली के मद्देनजर शुक्रवार को कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की छात्राओं को स्वच्छता की शपथ दिलायी. मौके पर स्वच्छता के ब्रांड एंबेसडर रामस्वरूप प्रसाद यादव ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि दीपावली पर कम से कम पटाखे फोड़ें. उन्होंने कहा कि पटाखे से वायु प्रदूषण होता है, जो हमारे शरीर के लिए भी काफी हानिकारक है. मौके पर नगर प्रबंधक प्रभात मिंज,रेणुका महतो,निशा दास,सांतन दास, असीम नाथ,अरुण महतो विद्यालय की वार्डेन सुमित्रा मांडी, मालती लागुरी, बुलबुल एक्का,देवला हांसदा,रूपा राय, सिमती सोरेन, गोराचांद खुटिया,सुरभि कुईला, निवेदिता पाल समेत अन्य उपस्थित थे.

प्री. रिपब्लिक डे कैंप में सायोनिका का हुआ चयन

घाटशिला। संत नंदलाल स्मृति विद्या मंदिर की कक्षा 9वीं की छात्रा कैडेट्स सायोनिका महतो ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन द्वारा विद्यालय के नाम एक और उपलब्धि जोड़कर सभी को गौरवान्वित किया. सर्वप्रथम कैडेट्स सायोनिक महतो प्री. आईजीजीबीसी कैंप द्वारा निर्धारित विभिन्न चुनौतियों पर विजय प्राप्त कर प्री रिपब्लिक डे के लिए चयनित हुई है. उन्हें उनके लाजवाब एवं शानदार हुनर के लिए कर्नल हरकमल अटवाल, 26 बिहार बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया. कैडेट्स सायोनिका महतो ने पीआरडीसी 1 में आयोजित पांच चरणों की विभिन्न मुश्किल व कठिन चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना कर अपनी कड़ी मेहनत, लगन एवं आत्मविश्वास से कर अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित किया.

सरस्वती विद्या मंदिर में सम्मान समारोह का आयोजन

संवाददाता ।बाघमारा

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में शुक्रवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. इस समारोह में अखिल भारतीय स्तर पर खेलकूद विज्ञान प्रश्न मंच एवं गणित- विज्ञान मेला में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र -छात्राओं को सम्मानित किया गया. इस मौके पर सभी प्रतिभागी विजेता भैया- बहनों को प्रमाण पत्र, मेडल, पदक एवं ट्रैकसूट देकर सम्मानित किया गया. प्रतिभागियों में तरुण वर्ग में बहन लेया दयाल, बहन अंजली शर्मा एवं भैया आशीष कुमार वर्मा हैं जिन्होंने अखिल भारतीय प्रश्न मंच प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया था. किशोर वर्ग में सम्मान पाने वाले भैया ऐशिक चंद्र, भैया नीलेश शर्मा एवं बहन रूबी मुखर्जी ने अखिल भारतीय विज्ञान प्रश्न मंच में तृतीय स्थान प्राप्त किया था.

विद्यालय के प्राचार्य सुनील कुमार सिंह ने कहा कि सतत प्रयास एवं सतत परिश्रम ही सफलता का सूत्र है. जिसे अपनाकर व्यक्ति सफलता के चरमोत्कर्ष पर पहुंच सकता है. उन्होंने कहा कि आज का दिन अपने विद्यालय के लिए अत्यंत गौरवशाली है. जहां पूरा विद्यालय परिवार घोष दल के साथ विजेता भैया -बहनों का सम्मान कर रहा है. उन्होंने सभी भैया -बहनों से अनुरोध किया कि आप यदि लगातार परिश्रम करते रहें तो संसार में ऐसी कोई भी प्रतियोगिता नहीं है, जिसमें आप सफलता प्राप्त न कर सकें.

थाल सज्जा, रंगोली व दीप सज्जा प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

स्कूल के बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

संवाददाता ।कतरास

सरस्वती शिशु मंदिर श्यामडीह विद्यालय में दीप महोत्सव के उपलक्ष्य पर बच्चों के बीच थाल सज्जा, रंगोली और दीप सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सुनिता खेमका व विशिष्ट अतिथि के रूप में विद्यालय के अध्यक्ष प्रदीप खेमका उपस्थित थे. महोत्सव में आये सभी अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ देकर एवं तिलक लगाकर किया गया. मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि प्रदीप खेमका ने दीप प्रज्वलित कर एवं सरस्वती वन्दना के साथ प्रतियोगिता का शुभारंभ किया. दीप महोत्सव में बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा था. बच्चों में प्रतिस्पर्धा दिखाई पड़ रही थी. एक से एक

रंगोली एवं थाल सज्जा से विद्यालय परिसर सजा हुआ था. चतुर्थ से लेकर दशम तक के बच्चे-बच्चियों ने थाल सज्जा, रंगोली एवं दीप सज्जा प्रतियोगिता में भाग लिया. विद्यालय के प्राचार्य अभिमन्यु कुमार ने कहा कि कला के क्षेत्र में बच्चों ने अद्भुत प्रतियोगिता का परिचय दिया. इस महोत्सव में विद्यालय के सचिव विक्रम कुमार राजगढ़िया, कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार चौधरी, प्राचार्य अभिमन्यु कुमार, उप प्राचार्य श्रेया सरकार समेत अन्य लोग शामिल हुए.

बच्चों की उत्सुकता देखने लायक थी : प्राचार्य अभिमन्यु सिंह

प्राचार्य अभिमन्यु सिंह ने कहा कि बच्चों की उत्सुकता देखने लायक थी ,वे अपना सर्वश्रेष्ठ दिखाने की कोशिश कर रहे थे. जिसमें उन्हें सफलता भी मिली. इस तरह का आयोजन प्रति वर्ष हमारे विद्यालय में होता है और प्रतियोगिता में बच्चे बढ़चढ़कर भाग लेते है .

ऑक्सफोर्ड स्कूल में 'प्रतिभा संगम' आयोजित

- लोक संगीत व रंगोली का भी हुआ आयोजन

संवाददाता ।पलामू

शुक्रवार को ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में दीपावली पूर्व 'प्रतिभा संगम' (वार्षिक विज्ञान, वाणिज्य, कला एवं सूचना प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी) का आयोजन किया गया. मौके पर लोक संगीत और रंगोली प्रतियोगिता भी आयोजित किये गये. मौके पर स्कूल के निदेशक सह पॉकी विधायक शशिभूषण मेहता, मुख्य अतिथि रवि आनन्द, उप विकास आयुक्त पलामू समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे. प्रतिभा संगम में छात्र-छात्राओं ने शानदार मॉडल बनाकर लोगों के सामने प्रस्तुत किया. मुख्य अतिथि और अन्य गणमान्य लोगों ने छात्रों की प्रतिभा की सराहना की.

दीपावली यानी दीपों की पंक्ति : डॉ. एके सिंह

स्कूल के प्राचार्य डॉ एके सिंह ने दीपावली एवं छठ पर्व की अग्रिम शुभकामना देते हुए कहा कि दीपावली सनातन संस्कृति का प्रमुख त्योहार है. दीपावली दीपों का त्योहार है जो आध्यात्मिक रुप से अंधकार पर प्रकाश की विजय को दर्शाता है. दीपावली दो शब्दों अर्थात दीप और आवली से मिलकर बना है, जिसका अर्थ है- दीपों की पंक्ति. जिस प्रकार, दीया अंधेरे को समाप्त कर प्रकाश से भर देता है, ठीक उसी प्रकार हमें अपने अंदर के अंधकार को मिटाकर समूचे वातावरण को प्रकाशमय बनाने का त्योहार है. आप सभी के जीवन में भी अंधकार का नाश हो तथा प्रकाश ही प्रकाश हो.

क्लासिफाइड

वीमेंस यूनिवर्सिटी

लघु उद्योगों पर आधारित प्रदर्शनी का किया गया आयोजन

बीबीए की छात्राओं ने हासिल किया लघु उद्योग का ज्ञान

संवाददाता | जमशेदपुर

बिष्टुपुर स्थित जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी में विजय गोविंद राजन बीबीए क्लब की ओर से ''लघु उद्योगों'' पर आधारित प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. यह आयोजन यूनिवर्सिटी की कुलपति प्रो (डॉ) अंजिला गुप्ता के मार्गदर्शन में किया गया. कुलपति ने इस तरह के आयोजन की सराहना करते हुए छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की. इससे पूर्व प्रदर्शनी की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई. यूनिवर्सिटी की डीएसडब्ल्यू डॉ किश्वर आरा ने छात्राओं को इस तरह के आयोजन में हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया. उन्होंने इस तरह के आयोजन के माध्यम से उत्पन्न होने वाले अवसर एवं इंडो डेनिस टूल रूम के प्रयोजन पर भी चर्चा की. निर्णायक मंडली में राजनीतिक विभागाध्यक्ष डॉ सोनाली सिंह, एनएसएस को-ऑर्डिनेटर डॉ ग्लोरिया पूर्ति, एमबीए विभाग की डॉ केया बनर्जी और डॉ श्वेता प्रसाद शामिल थीं. इस कोर कमेटी ने पुरस्कार वितरण किये. इस आयोजन में क्लब की अध्यक्ष छात्रा गुनगुन सोनकर और उपाध्यक्ष भावना शर्मा, विभिन्न संकाय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बीबीए विभाग के अन्य क्लब सदस्यों की सराहनीय भूमिका रही.

डॉ सुधीर ने की लघु उद्योगों के अवसरों पर चर्चा

यूनिवर्सिटी के प्रॉक्टर डॉ सुधीर कुमार साहू ने लघु उद्योगों में मौजूद अवसरों पर चर्चा की. उन्होंने अपने पैतृक गांव के कुछ अनुभवों को भी साझा किया. डीओ डॉ सलोनी कुजूर ने भी छात्राओं को प्रोत्साहित किया. बीबीए के समन्वयक अमित गुंजन ने मॉडल पर चर्चा करते हुए बताया कि उन्हें कामकाजी और गैर कामकाजी मॉडल में कैसे अलग किया जाता है. इस दौरान विभिन्न विभागों ने प्रदर्शनी में मौजूद कामकाजी और गैर कामकाजी मॉडल का पता लगाया.

खास बातें

- कुलपति के मार्गदर्शन में किया गया प्रदर्शनी का आयोजन
- इंडो डेनिस टूल रूम के प्रयोजन पर भी हुई चर्चा

चित्रकला प्रतियोगिता के प्रतिभागी पुरस्कृत

बाघमारा । बीसीसीएल के सतर्कता जागरूकता सप्ताह में स्कूली बच्चों के निबंध तथा चित्रकला प्रतियोगिता के साथ-साथ विभागीय कर्मचारी एवं अधिकारी वर्ग के लिए निबंध प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को शुक्रवार को पुरस्कृत किया गया. सतर्कता जाहरूकता सप्ताह के निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं में अजीत कुमार प्रसाद, अलीशा मिंज, कृष्ण कन्हैया, सृष्टि कुमारी, अनमोल प्रकाश, आराध्या भट्टाचार्य, निक्की कुमारी, रीना कुमारी, अमृता कुमारी शामिल है. इस मौके पर अपर महाप्रबंधक, बरोरा क्षेत्र, क्षेत्रीय प्रबंधक (उत्खनन), क्षेत्रीय प्रबंधक (वित्त), क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक, सुरक्षा पदाधिकारी, प्रभारी ग्रुप वीटीसी बरोरा, क्षेत्रीय प्रबंधक (प्रशासन), क्षेत्रीय प्रबंधक (पद्धति), उप प्रबंधक (कार्मिक) एवं अन्य लोग उपस्थित थे.

कांग्रेस में गठित कमेटियों की जमीनी स्तर पर होगी जांच

संवाददाता। चांडिल

मिशन 2024 को लेकर कांग्रेस पार्टी सक्रिय हो गई है. ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र में संगठन अपने पुराने कार्यकर्ताओं को जगाने के साथ नए लोगों को जोड़ने का प्रयास कर रही है. लोकसभा फतह करने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ता जोर लगा रहे हैं. कांग्रेस आलाकमान अब बूथ, ग्राम, पंचायत व प्रखंड स्तर पर संगठन को लेकर गंभीर हो गया है. चुनाव के मद्देनजर बूथ स्तर तक सांगठनिक मजबूती का काम किया जा रहा है. इसको लेकर संगठनों का पुनर्गठन, गठन कर लोगों को जोड़ते हुए सभी को सक्रिय करने का काम किया जा रहा है. नए सिरे से कमेटियों का गठन कर पार्टी की

नीति-सिद्धांतों पर चर्चा की जा रही है और भाजपानीत केंद्र सरकार के कार्यो को जनविरोधी बताकर महंगाई, बेरोजगारी, किसान विरोधी होने की बात लोगों को बता रही है.

होगी समीक्षात्मक बैठक : लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर सांगठनिक तैयारी जोरों पर चल रही है. विधानसभा क्षेत्र के सभी प्रखंडों में 15 नंवबर तक पंचायत स्तर पर संगठन बनाना है. कुछ को छोड़कर पंचायत स्तर पर कांग्रेस का संगठन भी बन गया है. पंचायत स्तर पर बनी संगठनों की अब समीक्षा के माध्यम से जमीनी स्तर पर कमेटी की क्या स्थिति है, इसकी जांच की जाएगी. जिन पंचायतों में अबतक संगठन नहीं बन तो, क्यों नहीं बना ? क्या कमी रही. उसे कबतक बनाया जाएगा. इसको लेकर कांग्रेस की समीक्षात्मक बैठक शुक्रवार को होने वाली है. लोकसभा प्रभारी सुबोधकांत सहाय और लोकसभा संयोजक केशव महतो कमलेश व अनादि ब्रह्मा के निर्देश पर प्रखंड प्रभारी अपने क्षेत्र की समीक्षात्मक बैठक कर संगठन के वर्तमान स्थिति पर चर्चा की जानी है.

चुनाव के समय याद आता है संगठन

चुनाव बीतने के बाद ईचागढ विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस संगठन को लेकर आलाकमान कभी सक्रिय नहीं रहा. अब चुनाव निकट आते ही सांगठनिक मजबूती को लेकर मिशन मोड में काम किया जा रहा है. कांग्रेस के समर्पित कार्यकर्ताओं का कहना है कि चुनाव के बाद बीते चार साल में न तो कार्यकर्ता सम्मेलन किया गया और न कार्यकर्ताओं को किसी प्रकार का प्रशिक्षण आदि दिया गया. ऐसे में कांग्रेस कार्यकर्ता सुसुप्त अवस्था में चले गए है. अब अचानक उन्हें जगाते हुए जिम्मेदारी सौंपने से कैसे काम होगा. वहीं विरोध दलों का कहना है कि कांग्रेस संगठन का पेड सूख चुका है अब उसे सींचना किसी काम का नहीं.

खास बातें

- कांग्रेस बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने में जुटी
- आम लोगों को जोड़ने के के लिए पार्टी सक्रिय हुई

विधायक ने जलमीनार का किया निरीक्षण

जयनगर (कोडरमा)। विधायक अमित कुमार यादव ने नईटांड गांव में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा करोड़ों की राशि खर्च कर निर्माण किये जा रहे जल मीनार निर्माण कार्य की जांच की. जांच के दौरान उन्होंने कहा कि जनता से मिली शिकायत पर जब वह जांच करने पहुंचे तो पाया कि मिट्टी युक्त बालू लोकल छड़ और लोकल सीमेंट का प्रयोग किया जा रहा है. ढलाई में वाइब्रेटर भी नहीं चलाया गया. वहीं ढाले गए जगह पर पानी भी नहीं पटाया जा रहा है. विधायक यादव ने मौके पर विभाग के कार्यपालक अभियंता को फटकार लगाते हुए कहा कि स्वयं आकर जब तक जांच नहीं कर लेते तब तक निर्माण कार्य बंद रहेगा.

बहुत जल्द कृष्णलीला का भी आयोजन होगा :जयंत

संवाददाता।हजारीबाग

हजारीबाग के गांधी मैदान में अटल सांस्कृतिक मंच ने भव्य रामलीला कार्यक्रम का आयोजन किया. इस कार्यक्रम में सांसद जयंत सिन्हा बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए. जयंत सिन्हा अटल सांस्कृतिक मंच के मुख्य संरक्षक भी हैं. हजारीबाग में पहली बार अटल सांस्कृतिक मंच ने रामलीला का आयोजन किया, जिसमें 75 से अधिक स्थानीय कलाकारों ने हिस्सा लिया. इस दौरान पूरा माहौल भक्ति मय हो गया. जय श्री राम के घोष से गांधी मैदान गूंजयमान हो गया. सांसद जयंत सिन्हा ने कहा कि बहुत जल्द कृष्ण लीला का भी आयोजन किया जायेगा. रावण दहन के समय रामलीला का आयोजन करने का ऐलान किया था, जो सफलता पूर्वक संपन्न हुआ. उन्होंने हजारीबाग में बनने वाले राम मंदिर के लिए सहायता रथ भी रवाना किया. जो क्षेत्र में घूम-घूम कर लोगों से सहायता राशि लेगी. इस दौरान जयंत सिन्हा ने पांच लाख रुपये अपनी ओर से भी दान देने की बात कही.

अधिकांश कुर्सियां रह गयी खाली : रामलीला का लुत्फ उठाने कई लोग आये. इसके बावजूद अधिकांश कुर्सियां खाली रह गयी. आयोजकों ने 3000 से अधिक कुर्सियां लगायी थी. शहर के गणमान्य लोगों के लिए भी खास इंतजाम किये गये थे. लेकिन उम्मीद से काफी कम लोग रामलीला देखने आये.

ब्रीफ खबरें

मोदी नीति देश के लिए विनाशकारी : जनार्दन

जयनगर(कोडरमा)। भाकपा माले का राजनीतिक प्रशिक्षण जिला सचिव राजेंद्र मेहता की अध्यक्षता में हुई. मौके पर पार्टी के केंद्रीय कमेटी के सदस्य जनार्दन प्रसाद उपस्थित थे. प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित करते हुए जनार्दन प्रसाद ने कहा कि फासीवाद और फासीवादी का स्वरूप देशहित के लिए विनाशकारी नीति है. केंद्र की भाजपा सरकार एक विशेष समुदाय को टारगेट कर रही है. साथ ही लोकतंत्र संविधान बचाने को लेकर आंदोलनकारियों, बुद्धिजीवी, लेखक, पत्रकारों, विपक्ष के नेताओं को लक्ष्य बनाकर जेल में डाला जा रहा है.

विधायक ने सड़क का किया शिलान्यास

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के बरहागाड़िया पंचायत अंतर्गत बेनागाड़िया गांव में शुक्रवार दोपहर बाद आरसीसी कनवर्ट सह पीसीसी सड़क निर्माण का शिलान्यास किया गया. जिसमें विधायक समीर महंती ने नारियल फोड़कर शिलान्यास किया. इस मौके पर ग्रामीणों ने कहा कि वर्षों से हमारे गांव तक जाने के लिए कच्ची सड़क से जाना पड़ता है .जिससे ग्रामीण तथा स्कूली विद्यार्थियों को बरसात के मौसम में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है. अब उक्त सड़क के बन जाने पर ग्रामीणों को आवागमन में बहुत अधिक सहूलियत होगी.

दर्जनों लोगों ने ली भाजपा की सदस्यता

बाघमारा। प्रखंड के बड़ा पांडेडीह में शुक्रवार की शाम भारतीय जनता पार्टी की बाघमारा इकाई के द्वारा मिलन समारोह का आयोजन किया गया. इस मौके पर भीमकनाली के कांग्रेस कार्यकर्त्ता गोपाल सिंह एवं उनके समर्थक भाजपा में शामिल हो गए. इस मौके पर विधायक ने उन सभी को माला पहना कर पार्टी में स्वागत किया. इस मौके पर मंडल अध्यक्ष बी राय, धनेश्वर महतो, शेखर सिंह, पप्पू सिंह, जगदीश साव, अजीत पांडे, मनोज महथा, राजू शर्मा एवं अन्य कार्यकर्त्ता उपस्थित थे.

प्रतियोगी परीक्षा शुल्क माफी घोषणा पर भाजपा का सीएम पर पलटवार, कहा

‘कार्यकाल के अंतिम महीनों में सीएम को छात्रों की याद आई’

विशेष संवाददाता । रांची

प्रतियोगिता परीक्षा शुल्क माफी की घोषणा पर भाजपा ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर पलटवार किया है. पार्टी प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को घोषणा वीर मुख्यमंत्री बताया. अब मुख्यमंत्री के कार्यकाल में चंद महीने रह गए हैं, तो मुख्यमंत्री को आदिवासी,मूलवासी, छात्र, पिछड़ा वर्ग याद आ रहा हैं.मुख्यमंत्री को जवाब देना चाहिए कि छात्रों का वे शुल्क माफी करने की घोषणा 4 वर्ष बाद क्यों कर रहे हैं.इन छात्रों को झामुमो के संकल्प पत्र में किए वादे के अनुसार 4 वर्षों तक बेरोजगारी भत्ता क्यों नहीं मिला. झामुमो ने स्पष्ट रूप से अपने मेनिफेस्टो में रोजगार नहीं मिलने तक बेरोजगार ग्रैजुएट्स को 5000 रूपया प्रति माह और पोस्ट ग्रेजुएट को 7000 रूपया प्रति माह बेरोजगारी भत्ता देने की घोषणा की थी.

खास बातें

- चार वर्षों तक बेरोजगारी भत्ता क्यों नहीं दिया गया
- सरकारी संकल्प से 1932 का खतियान क्यों नहीं लागू हुआ
- सीएम को अचानक पिछड़ा वर्ग भी क्यों याद आया

संकल्प पत्र की घोषणा अब तक लागू क्यों नहीं हुई ?

प्रतुल ने कहा कि मुख्यमंत्री को यह भी बताना चाहिए कि आदिवासी मूलवासी के हित में उन्होंने एक सरकारी संकल्प से 1932 के खतियान को क्यों नहीं लागू किया. उसे भूल भुलैया में क्यों फंसाने का प्रयास किया. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार 4 वर्षों में 20 लाख सरकारी नौकरियां हो जानी चाहिए थी .पर अब तो हालत यह है कि सरकार मात्र 70 – 80 नियुक्तियों के भी बड़े–बड़े पोस्टर, बैनर लगाकर सूचना देती है .प्रतुल ने कहा कि मुख्यमंत्री को अचानक पिछड़ा वर्ग भी याद आने लगा है .जबकि उनको आरक्षण देने के लिए ट्रिपल टेस्ट कराने को अधिसूचित पिछड़ा वर्ग आयोग अभी तक अध्यक्ष विहीन है .प्रतुल ने कहा कि मुख्यमंत्री सिर्फ घोषणाएं करते हैं और जब लोग उन्हें अपनी पुरानी घोषणा की याद दिलाते हैं तो वह नई घोषणा कर एजेंडा बदलते हैं. प्रतुल ने कहा कि प्रदेश की आदिवासी, मूलवासी जनता और युवा आगामी चुनाव में बैलट के जरिए इस वादा खिलाफी के लिए हिसाब बराबर करने को तैयार है.

सरायकेला के भाजपाई उलिहातू जाएंगे

संवाददाता । जमशेदपुर

भाजपा जिलाध्यक्ष विजय महतो के नेतृत्व में सरायकेला के भाजपाई बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातू में आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में हिस्सा लेने जाएंगे. जिलाध्यक्ष विजय महतो ने शुक्रवार की सुबह आदित्यपुर नगर निगम के पूर्व मेयर विनोद श्रीवास्तव के आवास पर बैठक कर रणनीति बनाई. जिला अध्यक्ष विजय महतो ने कहा कि झारखंड के स्थापना दिवस पर 15 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भगवान बिरसा मुंडा जी के जन्म स्थल खूंटी के उलीहातू में आगमन हो रहा है, जिसमें हिस्सा लेने जिले से सैंकड़ों की संख्या में भाजपाई उलिहातू जाएंगे.

बाबूलाल ने राज्य के अफसरों को चेताया

राज्य सरकार का टूल बनने से बचें

संवाददाता।रांची

पूर्व सीएम और झारखंड भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य के अफसरों, खासकर भ्रष्ट अफसरों को चेताया है. मरांडी ने ट्वीट कर कहा है कि वे राज्य सरकार के भ्रष्टाचार की टूल न बनें. नहीं तो एक न एक दिन करनी का फल भुगतना होगा. दरअसल, मरांडी का इशारा होटवार जेल में छापेमारी के बाद हुए खुलासे की ओर था. बतातें चलें कि होटवार जेल में पिछले दिनों ईडी ने छापेमारी की थी. इसमें झारखंड के खनन और भूमि घोटालों की जांच कर रहे ईडी अफसरों को फंसाने की साजिश का खुलासा हुआ है. साथ ही इडी को नुकसान पहुंचाने के लिए कुछ सरकारी अफसरों की साठगांठ से नक्सलियों से संपर्क करने की बात सामने आयी है. इस मामले में इडी होटवार जेल के क्लर्क, अधीक्षक और जेलर को पूछताछ के लिए तलब कर चुकी है.

खास बातें

- एक न एक दिन करनी का फल भुगतना पड़ेगा
- इडी को नुकसान पहुंचाने के लिए नक्सलियों से संपर्क

राज्य सरकार से पूछे कई सवाल

मरांडी ने अपने ट्वीट के जरिए कहा है कि मीडिया में हर दिन नए खबरें देख रहा हूं. जेल से लेकर पुलिस प्रशासन के कुछ लोग तक सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं. सभी लोभ–लालच में बारी–बारी से गलत काम कर फंसते जा रहे हैं. जेल सेवा के हामिद, नसीम, दानिश के बाद अब एसपी नौशाद आलम को ईडी का सम्मन आया है. उन्होंने सीएम हेमंत सोरेन से सीधा सवाल किया है. कहा कि साहिबगंज के एसपी नौशाद आलम को ईडी ने विजय हांसदा को होस्टाइल करा गवाही से मुकरने में सक्रिय भूमिका निभाने के आरोप में तलब किया है.

6 सूत्री मांगों को लेकर झाजमयू ने दिया धरना

मैथन। बीसीसीएल सीवी एरिया 12 के लायकडीह स्थित परियोजना पदाधिकारी कार्यालय के समक्ष शुक्रवार को झारखंड जेनरल मजदूर यूनियन ने 6 सूत्री मांगों को लेकर एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन किया. मौके पर वक्ताओं ने कहा कि केंद्र सरकार के मजदूर विरोधी, रोजगार विरोधी नीतिओं के कारण बीसीसीएल में लाखों असंगठित मजदूरों को रोजगार समाप्त हो गई. बीसीसीएल एरिया 12 में हजारों असंगठित ट्रक लोडर मजदूर रोजगार में थे, लेकिन मशीनीकरण के कारण मजदूरों का रोजगार समाप्त हुआ है. बीसीसीएल प्रबंधन अगर इस पर तत्काल संज्ञान नहीं लिया तो आरपार की लड़ाई होगी. वक्ताओं ने कहा कि समझौता के मुताबिक दहीबाडी कोल वाशरी 10 मजदूरों को प्रबंधन नियोजन दें. साथ ही वाशरी में बीओ कॉल में जो नई कंपनी आई है, उसमें 15 लोगों को नियोजन देने, कोल वाशरी में मैनुअल ट्रक लोडिंग चालू करने, विस्थापित ग्रामीणों को नोकरी व मुआवज़ा देने, बसंतीमाता के दूषित पानी से ग्रामीणों के बर्बाद हो गए जमीन को तत्काल मुआवजा देने, डीबी ओसीपी ट्रक लोडर मजदूरों के लिए 10 हजार टन कोयला का डीओ देने की मांग की है. धरना स्थल पर बीसीसीएल अघिकारियों ने आकर आश्वासन दिया कि मांगों पर 21 नवंबर तक सक्षम अधिकारियों से वार्ता कराई जाएगी.

ब्रीफ खबरें

रोजगार मेले में 309 अभ्यर्थी शॉर्टलिस्ट

आदित्यपुर । सरायकेला में शुक्रवार को लगाए गए रोजगार मेला में रूंगटा माइंस लिमिटेड, बीएमडब्ल्यू इंडस्ट्रीज, रामकृष्ण फोर्जिंगस व वरुण बेवरेजेस सहित जिले के अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा 309 अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट किया गया. अभ्यर्थियों को क्वालिटी इंस्पेक्टर, तकनीशियन, फिटर, मैनेजमेंट ट्रेनी, सेफ्टी मैनेजर, ट्रेनर, केमिस्ट, इलेक्ट्रीशियन, वेल्डर, डाटा एंट्री ऑपरेटर, फील्ड एग्जीक्यूटिव, सेल्स मैनेजर, टेलिकॉलर व अकाउंटेंट सहित विभिन्न पदों पर नियुक्त किया जाएगा. झारखंड राज्य के निजी क्षेत्र में स्थानीय उम्मीदवारों का नियोजन अधिनियम 2021 एवं नियमावली 2022 के तहत किया जाएगा.

डीटीओ के नेतृत्व में चला वाहन चेकिंग अभियान

मेदिनीनगर । उपायुक्त शशि रंजन के निर्देशानुसार परिवहन पदाधिकारी अनवर हुसैन ने गुरुवार देर रात विभिन्न थाना क्षेत्रों में सघन वाहन जांच अभियान चलाया. इस अभियान में 7 ओवरलोड वाहनों पर कार्रवाई की गयी, जिसे जब्त कर टीओपी 2 थाना परिसर में रखा गया है. इस संबंध में डीटीओ ने कहा कि यह अभियान आगे भी इसी तरह चलाया जायेगा. उन्होंने सभी वाहन स्वामियों व संचालकों से वाहन के परमिट व फिटनेस से संबंधित सारे कागजात दुरुस्त करने के पश्चात ही वाहन का परिचालन करने की अपील की.

लाइट हाउस प्रोजेक्ट में हुआ आवासों का आवंटन

रांची। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) तृतीय घटक के तहत रांची के धुर्वा में नवनिर्मित लाइट हाउस प्रोजेक्ट में 1008 आवासों का आवंटन लॉटरी के माध्यम से चार चरणों में किया गया था, जिसके बाद सभी लाभुकों को फ्लैट का अलॉटमेंट कर दिया गया था. इसी कड़ी में शुक्रवार को धनतेरस के मौके पर नगर निगम प्रशासक अमित कुमार ने पहली लाभुक रिंकी कुमारी को रजिस्ट्री का पेपर सौंपा. इस अवसर पर प्रशासक ने कहा कि यह एक मिल का पत्थर है, जहां पूरे राज्य में अफोर्डेबल हाउसिंग स्कीम के लाभुक का प्रथम बार रजिस्ट्री पूर्ण कर दिया गया. इसके बाद रांची नगर निगम द्वारा शेष लाभुकों की रजिस्ट्री जल्द से जल्द पूर्ण करने का कार्य करेगी. सभी लाभुकों से अनुरोध है कि निगम के पीएमवाई शाखा से समन्वय स्थापित करते हुए जल्द से जल्द रजिस्ट्री की प्रक्रिया को पूर्ण करें.

मजदूरों ने किया एचसीएल प्रबंधन के खिलाफ प्रदर्शन

मुसाबनी। मुसाबनी के एचसीएल प्लांट गेट पर शुक्रवार को अस्थाई मजदूरों ने विरोध प्रदर्शन किया. मजदूरों ने बताया कि कंपनी स्थापना दिवस का जश्न मना रही है, जबकि प्लांट को चालू करने की कोई ठोस पहल नहीं की है. इसके कारण मजदूर बेरोजगार हो गए हैं. एचसीएल प्रबंधन द्वारा बंद प्लांट में स्थापना दिवस आयोजन से बेरोजगार मजदूरों में असंतोष और असुरक्षा की भावना है. मजदूरों ने को आशंका है कि कंपनी कर्मचारियों से मुह फेर सकती है. इस संबंध में शुक्रवार को सभी कर्मचारियों ने प्लांट गेट में काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया. मौके पर प्लांट के राजेंद्र प्रसाद, तपन पंडा, दामु माहली, संजय गोप, सुनिल कुमार, बाबुलाल हेंब्रम, मो इस्लाम, डी सोरेन, अशोक दत्ता, विनोद मदिना, चांद बास्के आदि उपस्थित थे.

चौकीदार के परिजनों से मिले पूर्व विधायक

चंदवा। पूर्व विधायक प्रकाश राम ने चौकीदार सादिक अंसारी के तिलैयातांड़ स्थित आवास जाकर परिजनों से मुलाकात की और ढांढस बंधाया. प्रकाश राम ने हत्याकांड में शामिल आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी को लेकर लातेहार एसपी से फोन पर बात की. राम ने परिजनों को अनुकंपा पर नौकरी, मुआवजा व अन्य सरकारी सहायता दिलाने का आश्वासन दिया. विधायक ने सदिक अंसारी को मृदुभाषी बताते हुए कहा कि वे हमेशा ग्रामीणों को थाना से संबंधित कार्यों में मदद करते थे. मौके पर राजकुमार पाठक,हाफिज एहसान, दीपक निषाद,कृष्णा कुमार,रिक्की कुमार,डॉ शम्स राजा, शिवकेश्वर यादव,रोहित शाहदेव,अमीन मियां, मो.तौफीक, मो. सनाउल्लाह, मुन्ना मौजूद थे.

जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने सहारा इंडिया निवेश मामले पर की सुनवाई

9% वार्षिक ब्याज के साथ राशि भुगतान का निर्देश

संवाददाता । जामताड़ा

जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने एक मामले की सुनवाई की. इसके बाद आयोग के अध्यक्ष सुरेश चंद्र जयसवाल ने देवघर जिले के पालाजोरी सहारा इंडिया शाखा को आवेदक की ओर से निवेश किये गये कुल 70 हजार 600 रूपये के परिपक्वता (मैच्योरिटी) तिथि 9 दिसंबर 2020 से 9 प्रतिशत वार्षिक अतिरिक्त ब्याज भुगतान करने का आदेश दिया है.

साथ ही मानसिक पीड़ा उत्पीड़न के लिए 10 हजार रूपये, वाद खर्च के लिए 5 हजार रूपये भुगतान करने का आदेश दिया है. आदेश के बाद 45 दिन के अंदर भुगतान नहीं होने पर 3 प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज देने का भी आदेश पारित किया गया है.

खास बातें
- वादी ने योजना के तहत कुल 70600 जमा किया था
- मानसिक उत्पीड़न के लिए वादी को 10000 देने का आदेश

सहारा इंडिया पर तीन वाद

मामले को लेकर बताया गया कि फतेहपुर थाना क्षेत्र के खैरबोनी निवासी वादी सुभाष चंद्र मंडल ने सहारा इंडिया पर तीन वाद किया था, जिसमें शाखा प्रबंधक सहारा इंडिया पालाजोरी, सहारा क्यू शॉप यूनिक प्रोडक्टस रेंज लिमिटेड सहारा इंडिया भवन अलीगंज व सहारा क्रेडिट को-ऑपरेशन सोसाइटी लिमिटेड अलीगंज पर वाद दायर किया था. वाद में बताया गया था कि सहारा इंडिया योजना के क्यू शॉप और सहारा 5 साइन योजना के तहत कुल 70,600 जमा किया गया था, जिसकी परिवक्ता तिथि के बाद 9 दिसंबर 2020 को अपना राशि लेने वादी शाखा गया. लेकिन, सहारा इंडिया की ओर से भुगतान नहीं किया गया. जिस कारण आयोग के समक्ष 29 जनवरी 2021 को वाद दायर किया गया. इसके बाद सुनवाई के पश्चात आयोग की ओर से आदेश पारित किया गया. मौके पर सदस्य संचिता दां, मो रिज़ुवानुल हक थे.

आओ जानें

झारखंड के प्रमंडल व मुख्यालय

- पलामू प्रमंडल – (3 जिले : पलामू, गढ़वा, लातेहार), मुख्यालय : मेदिनीनगर
- उत्तरी छोटानागपुर मंडल – (7 जिले : चतरा, हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, रामगढ़, बोकारो, धनबाद), मुख्यालय : हजारीबाग
- दक्षिण छोटानागपुर मंडल – (5 जिले : लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, रांची, खूंटी), मुख्यालय : रांची
- कोल्हान प्रमंडल – (3 जिले : पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला–खरसावां, पूर्वी सिंहभूम), मुख्यालय : चाईबासा
- संथाल परगना मंडल – (6 जिले : जामताड़ा, देवघर, दुमका, पाकुड़, गोड्डा, साहेबगंज), मुख्यालय : दुमका

केंदू पत्ती सलाहकार समिति के अध्यक्ष मनोज जायसवाल की अध्यक्षता में हुई बैठक

केंदू पत्ती का बेहतर तरीके से कराएं संग्रहण कार्य : आयुक्त

संवाददाता । मेदिनीनगर (पलामू)

पलामू प्रमंडल के कार्य क्षेत्र अंतर्गत वर्ष 2024 संग्रहण मौसम के लिए केन्दू पत्ती के संग्रहण मूल्य (क्रय दर) प्रति मानक बोरा के निर्धारण हेतु सरकार को परामर्श देने के लिए शुक्रवार को आयुक्त सह केन्दू पत्ती सलाहकार समिति के अध्यक्ष मनोज जायसवाल की अध्यक्षता में सभी सदस्यों की बैठक हुई. बैठक में राज्य सरकार को परामर्श देने के लिए विचार-विमर्श किया गया. आयुक्त मनोज जायसवाल ने लघु वनोपज केन्दू पत्ती के संग्रहण कार्य को बेहतर तरीके से कराने एवं पत्ता तोड़ने वाले मजदूरों की सुविधा का ध्यान रखते हुए संग्रहण कार्य कराने का निर्देश दिया. बैठक में समिति द्वारा सर्वसम्मति से वर्ष 2024 संग्रहण मौसम के लिए सरकारी भूमि पर उगने वाले एवं रैयती भूमि पर उगने वाले केन्दू पत्ती 1650 रुपये से बढ़ाने के लिए विचार-विमर्श किया गया. आयुक्त की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में विचार-विमर्श के बाद 1700 रूपये प्रति मानक बोरा संग्रहण मूल्य निर्धारण हेतु सरकार को परामर्श देने का निर्णय लिया गया. इसके पूर्व समिति के सदस्यों द्वारा बताया गया कि बिहार सरकार के द्वारा केन्दू पत्ती की उत्पादन मात्रा अधिसूचित की गई थी, जो काफी पुराना निर्धारण है. सदस्यों द्वारा सुझाव दिया गया कि झारखंड बनने से लेकर वर्तमान तक सभी वर्षों के उत्पादन के औसत को अधिसूचित मात्रा पुनर्निर्धारित करने का आधार बनाकर कम-से-कम दर निर्धारण किया जा सकता है. बैठक में आयुक्त-सह-केंदुपत्ता सलाहकार समिति के अध्यक्ष मनोज जयसवाल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक कर रहे थे.

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सदस्यों की हुई बैठक.

योजनाओं का लाभ प्रदान कराये जाने पर हुआ विचार

विकास मद की राशि का उपयोग की स्थिति को लेकर समिति का परामर्श है कि केंदू पति संग्रह समिति के पास उपलब्ध विकास मद की राशि से विकास योजना एवं केंदू पत्ती पौधों के संवर्धन के कार्य के साथ-साथ नए गोदाम का निर्माण, दोना- पत्तल निर्माण, मधुमक्खी पालन के संग्राहक समितियों के आय में वृद्धि हो सकती है. समिति द्वारा सुझाव दिया गया कि केंदू पत्ती संग्राहकों को असंगठित कर्मकार कल्याण योजना एवं ई-श्रम पोर्टल पर निबंधित कर सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान कराये जाने पर विचार किया गया.

खास बातें
- राज्य सरकार को परामर्श देने के लिए किया विचार-विमर्श
- केन्दू पत्ती 1650 रु से 1700 रु बढ़ाने पर हुई चर्चा

डीसी शशि रंजन ने की स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा

मेदिनीनगर। उपायुक्त शशि रंजन ने समाहरणालय सभागार में शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक की. बैठक में उपायुक्त ने सीएचसी, यूपीएचसी, यूसीएचसी, मेडिकल कॉलेज, सदर अस्पताल, एम्बुलेंस की स्थिति, ओपीडी रिपोर्ट, लैब रिपोर्ट, आधारभूत संरचना, एएनएम, डीएमएफटी से स्वीकृत मेडिकल स्टाफ एवं डॉक्टर, स्वास्थ्य केंद्रों के भवनों, निमार्णाधीन भवनों आदि की विस्तृत जानकारी ली.

पीवीटीजी से संबंधित आंकड़े एकत्रित करने का निर्देश

मेदिनीनगर। डीसी शशि रंजन ने पीवीटीजी से संबंधित आंकड़े एकत्रित करने के लिए जिले के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देशित किया है. उपायुक्त ने सभी बीडीओ को निर्देश दिया कि दिनांक 11 नवंबर 2023 तक मोबाइल एप्लिकेशन इंस्टाल कराते हुए पीवीटीजी से संबंधित आंकड़े अपलोड करना सुनिश्चित किया जाए.

त्योहारों को लेकर डीसी ने की बैठक

संवाददाता । लातेहार

राज्य सरकार ने काली पूजा, दीपावली और छठ महापर्व के दौरान शांति, सामाजिक सौहार्द और विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए लातेहार में प्रभारी पदाधिकारी के रूप में भोर सिंह यादव व अनुरंजन किस्पोट्टा को प्रतिनियुक्त किया है. शुक्रवार को भोर सिंह यादव की अध्यक्षता में जिले के अधिकारियों की एक ऑनलाइन बैठक आयोजित की गयी. बैठक में उन्होंने काली पूजा, दीपावली और छठ महापर्व के दौरान विधि व्यवस्था संधारण के लिए जिले के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किया.

त्योहारों को शांतिपूर्ण संपन्न कराने का दिया निर्देश

भोर सिंह यादव ने राज्य सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन का पालन कराते हुए त्यौहारों को शांतिपूर्ण संपन्न कराने का निर्देश दिया. उन्होंने सुप्रीम कोर्ट द्वारा पटाखों के संबंध में दिये गये दिशा निर्देशों का अनुपालन कराने का निर्देश दिया. बैठक में उपायुक्त हिमांशु मोहन ने बताया कि काली पूजा, दीपावली और छठ के अवसर पर विधि व्यवस्था के लिए पुख्ता इंतजाम के लिए पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया है. छठ घाटों पर विधि व्यवस्था संधारण के लिए दंडाधिकारी व पुलिस बल प्रतिनियुक्ति किये जायेंगे. छठ घाटों पर श्रद्धालुओं को गहरे पानी में जाने से रोकने के लिए समुचित व्यवस्था करने का निर्देश पदाधिकारियों को दिया गया है. वाहनों की सघन जांच करने और ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त रखने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया है. पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने आगामी त्यौहार के दौरान विधि व्यवस्था के लिए सभी थाना स्तर पर सभी आवश्यक तैयारी रखने का निर्देश दिया.

गैंगस्टर सुशील श्रीवास्तव हत्याकांड : सजायाफ्ता को बेल देने से इनकार

रांची। गैंगस्टर सुशील श्रीवास्तव हत्याकांड में सजायफ्ता विशाल सिंह को झारखंड हाईकोर्ट ने जमानत देने से इनकार कर दिया है. विशाल ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से जमानत याचिका दायर की थी. झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय की बेंच ने पिछली सुनवाई के दौरान सभी पक्षों की बहस सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था. विशाल की ओर से वरीय अधिवक्ता अंजना प्रकाश ने बहस की थी. विशाल सिंह की जमानत अर्जी का अधिवक्ता कुमार हर्ष ने जोरदार विरोध किया. बहस के दौरान अदालत को बताया कि हाईकोर्ट में पूर्व में भी विशाल सिंह की ओर से दो बार जमानत दाखिल की गयी थी, जिसे खारिज किया जा चुका है. ऐसे में उसे बेल नहीं दी जानी चाहिए.

धनबाद-गोमो होकर जानेवाली कई ट्रेनें 11 दिनों तक डायवर्ट

संवाददाता । धनबाद

यूपी के सलारपुर स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग के कारण धनबाद व गोमो होकर जानेवाली दून एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनों को रेलवे ने 11 दिनों तक के लिए डायवर्ट कर दिया है. रेलवे सूत्रों के अनुसार, धनबाद होकर जानेवाली ट्रेन नंबर 13009 हावड़ा-योग नगरी ऋषिकेश दून एक्सप्रेस, वाराणसी-मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़, लखनऊ होकर 19 नवंबर से 29 नवंबर, ट्रेन नंबर 13010 योग नगरी ऋषिकेश-हावड़ा दून एक्सप्रेस, लखनऊ, मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़, वाराणसी होकर 19 से 29 नवंबर, धनबाद से खुलनेवाली ट्रेन नंबर 13307 धनबाद-फिरोजपुर गंगा-सतलज एक्सप्रेस, वाराणसी-मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़, लखनऊ होकर 19 से 29 नवंबर, 13308 फिरोजपुर-धनबाद गंगा-सतलज एक्सप्रेस, लखनऊ, मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़, वाराणसी होकर 19 से 29 नवंबर तक और गोमो होकर चलनेवाली ट्रेन नंबर 18103 टाटा-अमृतसर जालियांवाला बाग एक्सप्रेस, जाफराबाद, सुलतानपुर व लखनऊ होकर 20, 22, 27 और 29 नवंबर को मार्ग परिवर्तित होकर चलेगी. दून समेत कई ट्रेनों के डायवर्ट होकर चलने से यात्रियों को काफी परेशानी होगी.

स्वास्थ्य शिविर में बिरहोरों की हुई स्वास्थ्य जांच, दी गई दवा

स्वास्थ्य जांच करते मेडिकल टीम.

संवाददाता । गोमो

आदिम जन जाति की गांव चलकरी में शुक्रवार को स्वास्थ्य शिविर लगाया गया है, जिसमें बीरहोर परिवार के लोगों को स्वास्थ की जांच की गई. जांच टीम ने बिरहोर परिवारों को बीपी, सूगर, दमा आदि रोगों की जांच की गई. पेट दर्द, बुखार, हफनी रोग से पीड़ित लोगो को दवाईयां दी गई. अन्य बीमारी के लिए धनबाद अस्पताल जाने की सलाह दी गई. डॉ एके सिंह ने बताया कि नवयुवक बिरहोर के रहन सहन में सुधार हुवा है. शराब के अत्यधिक सेवन से लोग ग्रसित है, जिससे लोग कई प्रकार के रोगों से घिरते जा रहे हैं. सरकार हर सुविधा उपलब्ध कराती है, जिसका सदुपयोग लोग नहीं कर रहे है. शिविर संचालन मेडिकल टीम में चिकित्सा प्रभारी, डॉक्टर रंजीत कुमार आरबीएसके, डॉ निशांत कुमार आरबीएसके, एएनएम रीता कुमारी, फार्मासिस्ट अजय कुमार सिंह, अंजू कुमारी, प्रवीण कुमार, नागेंद्र सिंह आदि लोग मौजूद थे.

गढ़वा सदर अस्पताल में 24.84 करोड़ से बनेगा 50 बेड का नया भवन

रांची। गढ़वा सदर अस्पताल में 50 बेड के नए भवन का निर्माण कराया जा रहा है. भवन निर्माण के लिए 24 करोड़ 84 लाख 27 हजार 500 रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है. वहीं वित्तीय वर्ष 2023-24 में राज्य योजना से ढाई करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है. पूर्व में नौ करोड़ रुपये आवंटित किए जा चुके हैं. कुल 11.50 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है. आवंटित राशि के निकासी और व्ययन पदाधिकारी सिविल सर्जन रांची होंगे, जबकि राशि के नियंत्री पदाधिकारी अपर मुख्य सचिव अरुण कुमार सिंह होंगे. एसीएस ने निर्देश दिया है कि संबंधित कार्यकारी एजेंसी के मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता योजना की वित्तीय-भौतिक समीक्षा करेंगे. यह सुनिश्चित करेंगे कि व्यय निर्धारित नियमों के अनुरूप हो. वहीं आवंटित राशि से संबंधित व्यय विवरणी हर महीने की 10वीं तारीख तक ऑनलाइन विभाग को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है.

कार्यक्रम में साइबर क्राइम से बचने की दी गई संपूर्ण जानकारी

'साइबर क्राइम बढ़ा रहा मोबाइल'

संवाददाता । बोकारो

बोकारो के सिटी सेंटर सेक्टर 4 में क्विक हील फाउंडेशन के सहयोग से गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट आफ फॉरेंसिक साइंस, नागपुर की छात्रा ग्लोरी भारती द्वारा साईबर क्राइम से संबंधित जानकारी दी गयी. इस दौरान उन्होंने साइबर क्राइम से बचने के उपाय के संदर्भ में विस्तृत रूप से जानकारी देते हुए साइबर क्राइम से बचने हेतु जागरूक किया.

इस दौरान ग्लोरी भारती ने बताया कि आज के इस डिजिटल युग में साइबर क्राइम का सबसे बड़ा माध्यम मोबाइल फोन है. इसके उपयोग में सावधानी बरतने की आवश्यकता है. जैसे अज्ञात नंबर से आए कॉल को नहीं उठाना चाहिए साथ ही अपने मोबाइल के सेटिंग में जाकर इस प्रकार के फ्रॉड कॉल को बंद करने की सुविधा का उपयोग करना चाहिए. किसी भी तरह की मोबाइल पर आई जानकारी जैसे ओटीपी किसी दूसरे से शेयर ना करें. अपनी व्यक्तिगत जानकारी जैसे आधार नंबर, पैन नंबर आदि किसी को भी मोबाइल पर ना बताएं.

यूपीआई के माध्यम से भुगतान करने पर स्कैनर का उपयोग करना चाहिए ना कि मोबाइल नंबर का उपयोग करना चाहिए. अपने फेसबुक, व्हाट्सएप इंस्टाग्राम आदि का उपयोग करते समय भी सावधानी बरतनी चाहिए. जैसे अपने सारे सोशल मीडिया अकाउंट को पब्लिक के बदले प्राइवेट करना चाहिए जिससे आपकी प्रोफाइल का कोई गलत उपयोग न कर सके. जागरूकता एवं सावधानीपूर्वक डिजिटल माध्यमों का उपयोग ही साइबर क्राइम से बचने का तरीका है. साइबर क्राइम हो जाने पर इसकी तत्काल सूचना संबंधित विभाग को देनी चाहिए. कार्यक्रम में मोहन नायर, राजकुमार सिंह, विनय कुमार सिंह, प्रशांत कुमार, अघनु गोराई, संजय कुमार दांगी, सुशील कुमार, परिण्व कुमार, राम बालक भगत, डीडी शर्मा आदि उपस्थित थे.

बोकारो में साइबर क्राइम पर जानकारी देती ग्लोरी भारती.

बोकारो के प्रधान जिला जज बने संतोष कुमार

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने जिला जज रैंक के दो न्यायिक पदाधिकारियों और एक मजिस्ट्रेट रैंक के न्यायिक पदाधिकारी की ट्रांसफर-पोस्टिंग की है. ट्रांसफर-पोस्टिंग की अधिसूचना जारी होने के बाद इन न्यायिक पदाधिकारियों को अविलंब नए पदस्थापन वाली जगह पर योगदान देने का निर्देश दिया गया है. जिला जज रैंक के न्यायिक पदाधिकारी संतोष कुमार (1) को प्रधान जिला जज बोकारो के पद पर नियुक्त किया गया है. फिलहाल वे झालसा में सचिव के पद पर कार्यरत थे. अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रैंक के न्यायिक पदाधिकारी सचिंद्र बिरुआ को रांची सिविल कोर्ट में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश के पद पर नियुक्त किया गया है. फिलहाल लोकपाल के सचिव के पद पर कार्यरत थे. मजिस्ट्रेट रैंक की न्यायिक पदाधिकारी ईला कंडपाल की प्रतिनियुक्ति आर्म फोर्स ट्रिब्यूनल से वापस लेकर रांची सिविल कोर्ट में न्यायिक दंडाधिकारी के रूप में की गयी है.

छापेमारी अवैध कोयला उत्खनन स्थल पर छापेमारी कर कोयला जब्त करने की कार्रवाई जारी

अवैध कोयला चोरी पर अंकुश लगाने का दिया निर्देश

संवाददाता । मैथन

ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी ने शुक्रवार को ईसीएल मुगमा एरिया के कापासारा, मंडमन भीटी पंप व चापापुर कोलियरी क्षेत्र के अवैध खनन स्थल का निरीक्षण किया. एसपी के आने की सूचना पर सभी अवैध खनन स्थल पर सन्नाटा पसरा रहा. एसपी सबसे पहले कापासारा आउटसोर्सिंग पहुंचे. उन्होंने सीआइएसएफ, ईसीएल सुरक्षा अधिकारियों व निरसा थानेदार से कोयला चोरी पर अंकुश लगाने के संबंध में बातचीत की. ईसीएल सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि मैन पावर की कमी के कारण कोयला चोरी पर अंकुश लगाने में परेशानी होती है. अपने स्तर से प्रतिदिन अवैध कोयला उत्खनन स्थल पर छापेमारी कर कोयला जब्त करने की प्रक्रिया जारी है. उन्होंने ईसीएल सुरक्षा अधिकारी व सीआईएसएफ से अवैध खनन स्थल पर समय-समय पर पेट्रोलिंग कर कोयला चोरी पर अंकुश लगाने का निर्देश दिया. साथ ही अवैध खनन स्थल की भराई कराने का निर्देश दिया.

कोयले के अवैध खनन स्थल का निरीक्षण करते ग्रामीण एसपी एवं अन्य.

खास बातें
- सूचना के बाद सभी अवैध खनन स्थल पर सन्नाटा
- बरवा क्षेत्र के भट्ठों में भेजा जा रहा है अवैध कोयला

कुआंनुमा व मुहाना बनाकर किया जा रहा अवैध खनन

ज्ञात हो कि इन दिनों कापासारा, मंडमन, खुदिया नदी के जंगल में धड़ल्ले से दर्जनों कुंआनुमा व मुहाना बनाकर कोयले का अवैध खनन किया जा रहा है. जिसे रात के अंधेरे में ट्रैक्टर व स्कूटर से आसपास व बरवा क्षेत्र के भट्ठों में भेजा जा रहा है. निरीक्षण के क्रम में डीएसपी अमर कुमार, निरसा थानेदार दिलीप यादव व कोलियरी अधिकारी शामिल थे.

दिवाली और छठ को लेकर चाकुलिया पुलिस अलर्ट पर

संवाददाता । चाकुलिया

दीपावली को लेकर चाकुलिया पुलिस अलर्ट मोड में है. सुरक्षा को लेकर पुलिस विभिन्न सड़कों पर एंटी क्राइम जांच अभियान चला रही है. शुक्रवार को पुलिस ने थाना प्रभारी वरुण कुमार यादव के नेतृत्व में चाकुलिया-धालभूमगढ़ मुख्य सड़क पर कमारीगोड़ा के पास सुबह से ही वहां जाकर अभियान चलाया. पुलिस ने बाइक और चार पहिया वाहनों के कागजातों की जांच की. बिना हेलमेट पहने बाइक चलाने वालों को पकड़ा और कड़ी चेतावनी देकर छोड़ दिया. ऐसे बाइक चालकों को पुलिस ने हेलमेट पहन कर बाइक चलाने की नसीहत दी. थाना प्रभारी वरुण कुमार यादव ने बताया कि यह जांच अभियान अभी जारी रहेगा. लोग हेलमेट पहनकर बाइक चलाएं और अपने बाइक के कागजात भी साथ रखें.

35 करोड़ की लागत से बन रही पानी टंकी के निर्माण में राज्य सरकार को लाखों रुपये के राजस्व का लगाया जा रहा है चूना

दिन के उजाले में बालू चोरी कर करोड़ों की पानी टंकी का हो रहा निर्माण

अरुण कुमार यादव। गढ़वा

गढ़वा जिले के रंका अनुमंडल क्षेत्र के गोदरमाना झारखंड-छत्तीसगढ़ सीमा स्थित हाई स्कूल के पास कनहर नदी के तट पर 35 करोड़ की लागत से बन रही पानी टंकी में अवैध बालू का इस्तेमाल हो रहा है. इस निर्माण में लाखों रुपए की बचत संवेदक के द्वारा की जा रही है. एक ओर जहां अवैध बालू के खनन को रोकने के लिए लगातार छापामारी अभियान और एस आई टी का गठन जिला प्रशासन के द्वारा किया जा रहा है. वहीं दूसरी ओर, पानी टंकी के निर्माण में राज्य सरकार को लाखों रुपये राजस्व का चूना लगाया जा रहा है. दैनिक मजदूर के द्वारा दिन दहाड़े बालू की चोरी कर पानी टंकी का निर्माण कार्य कराया जा रहा है.

निर्माणाधीन पानी टंकी.

खास बातें
- लाखों रुपये की बचत कर रहा है संवेदक
- पानी टंकी में अवैध बालू का हो रहा है इस्तेमाल

सुपरवाइजर ने क्या कहा

निर्माण हो रहे पानी टंकी के साइड इंचार्ज आनंद शर्मा एवं सुपरवाइजर प्रमोद सिंह बताते हैं की लीगल टेंडर नहीं है. इस कारण बालू मुहैया नहीं हो पा रही है, जिस कारण नदी से बालू मंगवाकर पानी टंकी का निर्माण कार्य किया जा रहा है. ऐसे में यह कहने में कोई गुरेज नहीं है कि नदी से अवैध बालू उठाकर संवेदक द्वारा पानी टंकी का निर्माण करय जा रहा है. बिडंबना यह है कि इसपर प्रशासन मूकदर्शक बनी हुई है.

जांच में सत्यता पायी गयी तो होगी कार्रवाई

इस संबंध में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि अगर संवेदक द्वारा इस तरह की लापरवाही की जा रही है तो विभागीय रूप से इसकी जांच की जाएगी और संबंधित संवेदक पर कार्रवाई की जाएगी. इस मामले में जिला खनन पदाधिकारी नंद देव बैठा का कहना है कि प्रथम दृष्टि यह मामला जांच का है. जांच करने के बाद सत्यता पाई गई तो खनन विभाग द्वारा न्याय संगत धाराओं के साथ संवेदक पर कार्रवाई की जाएगी.

सरकार की छवि हो रही है धूमिल

राज्य सरकार की छवि धूमिल करने में संवेदक कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं. तस्वीर के माध्यम से देखा जा सकता हैं की किस तरह से दिन दहाड़े नदी से प्रतिबंधित बालू चोरी कर करोड़ों की पानी टंकी का निर्माण किया जा रहा है. कार्यरत मजदूर नदी से बोड़े में बालू उठा रहे हैं और पानी टंकी के निर्माण कार्य में इसका इस्तेमाल किया जा रहा है.

आओ जानें

सौर ऊर्जा में अग्रणी देश के राज्य

1) राजस्थान	: राज्य की कुल सौर ऊर्जा क्षमता 142.31 गीगावाट (जीडब्ल्यूपी) है.
2) जम्मू-कश्मीर	: राज्य की कुल सौर ऊर्जा क्षमता अनुमानित है 111.05 जीडब्ल्यूपी है.
3) महाराष्ट्र	: राज्य की कुल सौर ऊर्जा संभावित क्षमता 64.32 जीडब्ल्यूपी आंकी गई है.
4) मध्य प्रदेश	: राज्य की कुल सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता 61.66 जीडब्ल्यूपी अनुमानित है.
5) आंध्र प्रदेश	: राज्य की कुल सौर ऊर्जा क्षमता 38.44 जीडब्ल्यूपी अनुमानित है.
6) गुजरात	: सूबे की कुल संभावित सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता 35.77 जीडब्ल्यूपी आंकी गई है.
7) हिमाचल प्रदेश	: इस जलविद्युत समृद्ध राज्य में अनुमानित सौर ऊर्जा क्षमता 33.84 जीडब्ल्यूपी है.
8) ओडिशा	: सूबे की अनुमानित सौर ऊर्जा क्षमता 25.78 जीडब्ल्यूपी है.

ब्रीफ खबरें

पूजा को लेकर तीन ट्रेनों में लगे चार एक्स्ट्रा कोच

जमशेदपुर। दीपावली और छठ पूजा में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने विभिन्न ट्रेनों में अतिरिक्त कोच लगाने की घोषणा की है. शुक्रवार से टाटानगर से खुलने व गुजरने वाली तीन ट्रेनों में रेलवे की ओर से चार अतिरिक्त कोच लगाए जायेंगे. इसमें टाटानगर-आरा एक्सप्रेस में एक चेयरकार, एक थर्ड एसी कोच और टाटानगर-जम्मू तवी एक्सप्रेस में एक स्लीपर कोच लगाया जाएगा. दक्षिण पूर्व जोन से जारी आदेश के अनुसार दोनों ट्रेनों में 14 नवंबर तक एक्स्ट्रा कोच लगाया जाएगा. वहीं, भुवनेश्वर-दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस में थर्ड एसी कोच लगेगा. इधर रांची, हटिया, राउरकेला, हावड़ा और पुरी स्टेशन से भी सात ट्रेनों में 14 नवंबर तक अतिरिक्त कोच लगाने का आदेश हुआ है, जिससे यात्रियों को दिक्कत नहीं हो.

सड़क सुरक्षा के लिए बैरिकेड लगायी जाएगी

बाघमारा। लायंस क्लब बाघमारा सेंटेनियल द्वारा सड़क सुरक्षा हेतु 6 बैरिकेड मंगाया गया है. उक्त बैरिकेड पीएमजेएफ लायन अमरजीत सिंह के सौजन्य से मिला. इसमें चार बैरिकेड बाघमारा काली मंदिर मेला परिसर में लगाने एवं दो बैरिकेड सायरबांध के पास लगाने का निर्णय लिया गया. मौके पर क्लब अध्यक्ष सुनील कुमार सिंह, प्रमुख प्रतिनिधि बैजनाथ साव, मदन मोहन, पूर्व अध्यक्ष संतोष कुमार, सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे.

जनता शिविर में होगा हर समस्या का समाधान

गावां। आपकी योजना आपकी सरकार कार्यक्रम का आयोजन 15 नवंबर से लेकर 29 दिसंबर तक संचालित किया जाना है. इस कार्यक्रम की सफलता को लेकर शुक्रवार को बीडीओ महेंद्र रविदास ने प्रखंड के पंचायत सचिव, रोजगार सेवक एवं मुखिया के साथ बैठक की. मौके पर बीडीओ ने कहा कि इस शिविर में आम जनता की हर समस्याओं का समाधान होगा. शिविर में हर लाभुकों को लाभ देने का प्रयास किया जायेगा.

बैठक में की गई कई योजनाओं की समीक्षा

पीरटांड़। पीरटांड़ प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में शुक्रवार को पंचायत समिति सदस्यों की मासिक बैठक प्रमुख सविता टुडू की अध्यक्षता में संपन्न हुई. इस दौरान पिछली बैठक में लिए गए प्रस्तावों के कार्य प्रगति की समीक्षा की गई. इसके बाद बैठक में मुख्य रूप से मनरेगा, स्वास्थ्य, अंचल, समाज कल्याण, शिक्षा,पशुपालन, कृषि सहित कई विभागों की समीक्षा की गई. वहीं, प्रखंड में चल रहे विकासशील योजनाओं में गति लाने को कहा गया एवं अधूरा पड़े सभी योजनाओं को जल्द पूरा करने का निर्देश दिया.

मुखिया ने करायी सड़क की मरम्मत

डुमरिया। डुमरिया प्रखंड अंतर्गत बांकिशोल पंचायत के कुंडालुका में सड़क बीचों बीच टूट गई है. सड़क के नीचे पूरानी नाली मौजूद है. नाली के धंस जाने से सड़क गड्ढे में तब्दील होकर असुरक्षित हो गई थी. पंचायत की मुखिया सरस्वती बास्के अपने स्तर से इस सड़क की मरम्मत करा रही हैं. शुक्रवार को टूटे हुए सड़क के नीचे मौजूद नाली की मरम्मत की गई. मुखिया सरस्वती बास्के ने बताया कि दो दिनों में सड़क के टूटे हुए स्थल को दुरुस्त कर दिया जाएगा, जिससे सड़क पर आवागमन में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होगी. टूटे हुए सड़क के निर्माण शुरू कराने से ग्रामीणों ने मुखिया का आभार जताया है.

पर्यावरणीय एनओसी में रुचि नहीं दिखाने पर पर्षद का रवैया सख्त

रेस्टोरेंट, होटल व मैरेज हॉल संचालकों पर होगी कार्रवाई

संवाददाता। आदित्यपुर

कोल्हान के रेस्टोरेंट, होटल संचालक और मैरेज हॉल के संचालकों पर प्रदूषण नियंत्रण पर्षद वाटर एंड एयर पॉल्यूशन एक्ट के तहत कार्रवाई करेगी. इसके तहत पर्यावरणीय एनओसी लेने वाले संचालकों पर 5 साल तक की कैद और 1 लाख रुपये के जुर्माना लगाया जा सकता है. बता दें कि प्रदूषण नियंत्रण पर्षद के द्वारा 3-3 बार नोटिस देने के बावजूद पर्यावरणीय अनापत्ति प्रमाण पत्र लेने में रुचि नहीं नहीं दिखाने को लेकर अब पर्षद सख्त रवैया अपनाने का निर्णय लिया है.

पर्षद ऐसे लोगों की सूची तैयार कर रहा है जो अब तक तीसरी नोटिस मिलने के बावजूद पर्यावरणीय एनओसी नहीं लिए हैं. जानकारी देते हुए प्रदूषण नियंत्रण पर्षद के क्षेत्रीय पदाधिकारी जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि अब इन्हें चौथी बार नोटिस भेजा जा रहा है इसके बाद इनके विरुद्ध कानून सम्मत कार्रवाई की जाएगी.

पर्षद ने चौथी और अंतिम री-माइंडर नोटिस भेजा: 3 बार नोटिस भेजने के बावजूद निराशा के भाव को देखते हुए प्रदूषण नियंत्रण पर्षद ने अब चौथी और अंतिम री-माइंडर नोटिस भेजते हुए इनके विरुद्ध कानून सम्मत कार्रवाई करने का निर्णय लिया है. प्रदूषण नियंत्रण पर्षद के क्षेत्रीय पदाधिकारी जितेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि अब तक स्थापना समिति से अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं लेने वाले कोल्हान के तीनों जिले के रेस्टोरेंट, होटल संचालक और मैरेज हॉल के संचालकों को 3 नोटिस भेजा जा चुका है. अब उन्हें आखिरी री-माइंडर नोटिस भेजी जा रही है. उन्हें नोटिस भेजकर एक और मौका दिया जा रहा है.

जितेन्द्र कुमार सिंह.

सिंह ने कहा कि जनवरी 2024 से ऐसे रेस्टोरेंट जो 35 सीटर है और एक कमरे का भी रेसिडेंशियल होटल है और उन्होंने प्रदुषण नियंत्रण पर्षद की स्थापना समिति से अनुमति नहीं ली है उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई के साथ उनसे जुर्माना वसूलने की कार्रवाई की जाएगी.

लिया निर्णय
- लोगों की सूची तैयार कर रहा है पर्षद
- जुर्माना वसूलने की तैयारी में है पर्षद

इन्हें लेना है एनओसी
- 35 सीटर होटल
- 1 कमरे का भी रेसिडेंशियल होटल
- 10 गुना 10 वर्गफीट का मैरेज या बैंक्वेट हॉल

2022 से ही भेजा जा रहा है नोटिस

उन्होंने बताया कि कोल्हान के तीनों जिले के होटल, रेस्टोरेंट और मैरिज हॉल संचालकों को मई 2022 से ही इसके प्रति जागरूक करते हुए उन्हें नोटिस भेजा जा रहा है. लेकिन अब तक कोल्हान के मात्र 35 लोगों ने ही अनापत्ति प्रमाण पत्र ली है. जबकि इनकी संख्या 5000 के करीब है. अब सभी रेस्टोरेंट, होटल संचालक के साथ मैरेज हॉल आदि के संचालक को री-माइंडर नोटिस के साथ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी जा रही है. ऐसे लोगों के विरुद्ध प्रदूषण नियंत्रण पर्षद वाटर एंड एयर एक्ट के तहत कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है.

5 साल तक की कैद और 1 लाख जुर्माना

पर्षद के क्षेत्रीय पदाधिकारी जीतेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि वाटर एंड एयर पॉल्युशन एक्ट के तहत दोषी पाए जाने वाले लोगों को 5 साल तक की कैद और 1 लाख रुपए का जुर्माना हो सकता है. जुर्माना नहीं भरने की स्थिति में सजा 5 साल से बढ़कर 7 साल हो सकती है. उन्होंने बताया कि इनके द्वारा पॉल्यूटेड वाटर, चूल्हा जलाने, डीजी सेट के इस्तेमाल करने, वेस्टेज खाद्य पदार्थों का जेनरेशन किया जाता है, जो वाटर और एयर पॉल्युशन के दायरे में आता है. अत: स्टोरेंट, होटल संचालक और मैरेज हॉल को प्रदूषण नियंत्रण पर्षद की स्थापना समिति को आवेदन देकर प्रमाण पत्र लेना अनिवार्य है.

इस बार अंधेरे में बीतेगी दिवाली

दिलीप कुमार। चांडिल

कार्तिक मास की अमावस्या तिथि पर दीपावली मनाई जाती है, जो हिंदुओं के सबसे बड़े त्योहारों में से एक है. हिंदू धर्म में दीपावली का विशेष महत्व है. इस दिन दीप जलाए जाते हैं और लक्ष्मी-गणेश की पूजा की जाती है. चारों ओर रोशनी कर अंधेरा दूर भगाया जाता है. लेकिन, दुर्भाग्य की बात है कि चौका में सड़कों पर लगाए गए स्ट्रीट लाइट शायद दीपावली पर भी नहीं जले. चौका-कांड्रा टोल रोड़ और टाटा-रांची राष्ट्रीय राजपथ 33 टोल रोड पर लगाए गए स्ट्रीट लाइट बीते कई माह से शोभा की वस्तु बनी हुई है. टाटा-रांची राष्ट्रीय राजपथ 33 टोल रोड पर चौका ओवर ब्रीज पर लगाए गए आधे स्ट्रीट लाइट ही जलते हैं.

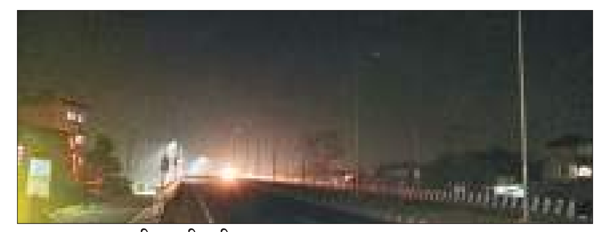
एनएच पर जलती आधी स्ट्रीट लाइट.

हाईमास्क लाइट बना सफेद हाथी

चौका मोड़ पर दो-दो हाईमास्क लाइट लगाया गया है. एक चौका-कांड्रा सड़क पर और दूसरा विधायक निधि से चौका-पातकुम सड़क पर लगाया गया है. दोनों ही हाइमास्क लाइट नहीं जलता है. दुर्गा पूजा के समय भी सड़क पर घोर अंधेरे था. स्थानीय लोगों ने सड़क पर लगी लाइट को जलाने के लिए सांसद से गुहार लगाया था. उस वक्त सांसद संजय सेठ ने इस संबंध में संबंधित लोगों से बात करने की बात कही थी. लेकिन, सांसद ने क्या बात किया, इसकी जानकारी किसी को नहीं है. लोगों कों अंदेशा है कि रौशनी के महापर्व दीपावली के दौरान भी चौका मोड़ अंधेरे में ही रहेगा.

पैक्सों के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

धनबाद। जिला सहकारिता पदाधिकारी रूमा झा की अध्यक्षता में जिला सहकारिता बैंक के सभागार में चयनित पैक्सों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यशाला में बताया गया कि उपरोक्त योजना के तहत प्रथम चरण में धनबाद जिले के 43 तथा पूरे झारखंड के 1500 पैक्सों को का कंप्यूटरीकरण किया जाना है. इस कार्यक्रम में उपस्थित पैक्स के प्रतिनिधियों को कंप्यूटरीकरण योजना के बारे में बताया गया. इस दौरान प्रथम चरण में चयनित 43 पैक्सों में से 14 पैक्सों के कंप्यूटरीकरण की प्रक्रिया पूर्ण की गई. साथ ही इन्हें आईडी और पासवर्ड भी उपलब्ध कराया गया.

कार्यक्रम की सफलता में सभी मुखिया की हो सहभागिता

संवाददाता। डुमरी

डुमरी प्रखंड सह अंचल कार्यालय सभागार में शुक्रवार को सभी विभागीय अधिकारियों और मुखियाओं की बैठक हुई. बैठक में 24 नवंबर से शुरू हो रहे आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम की तैयारी को लेकर चर्चा की गयी. साथ ही कार्यक्रम की सफलता में सभी मुखियाओं से अपनी सहभागिता को सुनिश्चित करने को कहा.

इस दौरान एसडीएम डुमरी शहजाद परवेज ने कार्यक्रम के उद्देश्यों एवं लाभुकों को योजनाओं से आच्छादित करने की प्रक्रियाओं की जानकारी दी. एसडीएम ने बताया कि सरकार की आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार 24 नवंबर से शुरु होने जा रहा है. मौके पर प्रमुख उषा देवी, बीडीओ अन्वेषा ओना, रेफरल अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ राजेश महतो, बीईईओ जयकुमार तिवारी, बीटीएम मुकेश कुमार, मुखिया राज कुमार महतो, जगदीश महतो, नूरउद्दीन अंसारी, शोभा जायसवाल, खेमलाल महतो, रेखा महतो, रूपानी देवी, रीना कुमारी, जागेश्वर महतो, जितेन्द्र दास, उर्मिला देवी, मिनाक्षी देवी, सुबोध यादव, सहोदरी देवी आदि उपस्थित थे.

6 मांगों को लेकर झाजेमयू ने किया धरना-प्रदर्शन

संवाददाता। मैथन

बीसीसीएल सीवी एरिया 12 के लायकडीह स्थित परियोजना पदाधिकारी कार्यालय के समक्ष शुक्रवार को झारखंड जेनरल मजदूर यूनियन ने 6 सूत्री मांगों को लेकर एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन किया.

मौके पर वक्ताओं ने कहा कि केंद्र सरकार के मजदूर विरोधी व रोजगार विरोधी नीति के कारण बीसीसीएल में लाखों असंगठित मजदूरों को रोजगार समाप्त हो गई. बीसीसीएल प्रबंधन अगर इस पर तत्काल संज्ञान नहीं ली तो आर-पार की लड़ाई होगी. वक्ताओं ने कहा कि वाशरी में बीओ कॉल में जो नई कंपनी आई है उसमें 15 लोगों को नियोजन देने, कोल वाशरी में मैनुअल ट्रक लोडिंग चालू करने, विस्थापित ग्रामीणों को नोकरी व मुआवज़ा देने, बसंतीमाता के दूषित पानी से ग्रामीणों के बर्बाद हो गए जमीन को तत्काल मुआवजा देने, डीबी ओसीपी ट्रक लोडर मजदूरों के लिए 10 हजार टन कोयला का डीओ देने की मांग की है. मौके पर माले नेता नागेन्द्र कुमार, कृष्णा सिंह, हरेन्द्र सिंह, लक्ष्मीनारायण दास, जितेन्द्र शर्मा, सत्येन्द्र चौहान, मुन्ना चौहान आदि उपस्थित थे.

उपायुक्त ने छठ घाटों की साफ-सफाई का दिया निर्देश

साहिबगंज। शुक्रवार को समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त राम निवास यादव कि अध्यक्षता में नमामि गंगे परियोजना अंतर्गत जिला गंगा समिति कि बैठक आयोजित की गई. वहीं, उपायुक्त द्वारा आगामी छठ पर्व को देखते हुए जिला अंतर्गत सभी गंगा घाटों की वर्तमान स्थिति, साफ सफाई की व्यवस्था, लाइट की स्थिति आदि कि समीक्षा करते हुए उन्होंने आगामी छठ पर्व से पूर्व घाटों की साफ सफाई तथा वहां बंद पड़े सभी लाइट को चालू कराने का निर्देश दिया. साथ ही छठ पूजा के दौरान नदी में बैरिकेडिंग की व्यवस्था करने का भी निर्देश दिया गया. सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट कि समीक्षा करते हुए संबंधित अभियंता से प्लांट की वर्तमान स्थिति जानी एवं इसके कार्यो को ससमय पूरा करने को कहा. वहीं, योगा कार्यक्रम एवं गंगा आरती को जारी रखने का भी निर्देश दिया गया.

बोकारो के उपायुक्त और एसपी ने लुगु पहाड़ का लिया जायजा

श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्था होगी दुरुस्त

संवाददाता। बेरमो

बोकारो डीसी कुलदीप चौधरी सहित जिले के अमूमन सभी विभाग के पदाधिकारी शुक्रवार को ललपनिया स्थित लुगुबुरु घंटा बाड़ी का दौरा किया. वे आज सुबह उबड़-खाबड़ रास्ते से लगभग सात किलोमीटर की ऊंची चोटी पर अवस्थित सर्वोच्च स्थल पुनाय स्थान पहुंचे. यहां डीसी और एसपी प्रियदर्शी आलोक ने पूजा अर्चना की. इसके बाद लुगुबुरु पुनायथान ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार टुडू सहित समिति के लोगों से मिले और श्रद्धालुओं की बेहतर व्यवस्था हो इसकी जानकारी ली.

वे उनके साथ गुफा सहित आसपास का जायजा लिया. लौटने के क्रम में डीसी श्री चौधरी ने कहा कि लुगुबुरु घंटाबाड़ी में अंतरराष्ट्रीय धर्म महासम्मेलन का आयोजन होता है. यह सम्मेलन कार्तिक पूर्णिमा में राजकीय महोत्सव के रूप में आयोजित की जाती है. इस सम्मेलन में देश और विदेश से लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं. श्रद्धालुओं को कोई भी असुविधा नहीं हो, इसके लिए व्यापक तैयारी की जा रही है.

लुगु पहाड़ पर पुनायथान का जायजा लेते डीसी व एसपी.

प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं के लिए लुगु बाबा के सर्वोच्च स्थल का जायजा लिया. यहां पेयजल एवं अन्य कार्य के लिए चेक डेम, पानी टंकी के अलावा आवागमन की सुविधा दुरुस्त हो इस निमित चीजों को चिन्हित किया गया है. डीसी ने कहा कि समिति के सुझाव को ध्यान में रखते हुए श्रद्धालुओं की मुकम्मल सुविधा की व्यवस्था करेंगे. इस दौरे में चास एसडीओ दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, बेरमो एसडीओ शैलेश कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी मनीषा वत्स, डीटीओ वंदना शेजवलकर, गोमिया बीडीओ महादेव महतो, सीओ प्रदीप कुमार महतो सहित अन्य विभाग के पदाधिकारी शामिल थे.

असंगठित मजदूरों की बैठक समस्याओं पर चर्चा

कतरास। असंगठित मजदूरों की बैठक पुराना श्याम बाजार 6 नंबर में आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता राजेश तूरी व संचालन कृष्णा राम ने किया. बैठक के दौरान असंगठित मजदूरों के विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई.मुख्य रूप से उपस्थित असंगठित मजदूरों के नेता व कतरास नगर युवा कांग्रेस के नगर अध्यक्ष विकास सिंह ने कहा की असंगठित मजदूर एकजुट रहे विचोलियो के झांसे में ना आए. मजदूरों के एकता के कारण ही अब पीकिंग-ब्रिकिंग के बाद हाथो-हाथ डंप में ही मजदूरी मिल रही है, वहीं, मजदूरों ने डंप में मजदूरी मिलने पर खुशी जताया. मौके पर संजीदा खातून, किरण देवी, सूरज गुप्ता, राजेश भुइयां, परमेश्वरी देवी, अनवरवा देवी, शहनाज खातून, सोनी देवी, सोमा देवी, झलकी देवी, मिंटू,सिंह, ललिता देवी, सूर्यदेव भुइया, मोनू मिश्रा, रुक्मणि देवी, सारो देवी, राजकुमारी देवी, रियाज अंसारी सहित अन्य मौजूद थे.

तस्करी बड़ाजामदा रेलवे साइडिंग लायी जा रही स्पंज आयरन पहले माफियाओं के पास जाती है

अयस्क माफिया कर रहे हैं लाखों की अवैध कमाई

संवाददाता। जमशेदपुर

ओडिशा के बड़बिल क्षेत्र स्थित एक स्पंज आयरन प्लांट से बड़ाजामदा रेलवे साइडिंग लाई जा रही स्पंज आयरन की कटिंग रास्ते में कर अयस्क माफिया उसकी तस्करी कर लाखों रूपये की अवैध कमाई कर रहे हैं. सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, उक्त कंपनी अपना स्पंज आयरन को बड़ाजामदा रेलवे साईडिंग से रैक में लोडकर विभिन्न स्टील प्लांटों को भेजती है. उक्त कंपनी का जब रैक बड़ाजामदा रेलवे साईडिंग में प्लेसमेंट होता है, तब कंपनी के प्लांट में प्लास्टिक की बोरियों में भरकर रखा स्पंज को डंफर ट्रकों में लादकर बड़ाजामदा रेलवे साईडिंग सिफ्ट किया जाता है. स्पंज की इसी सिफ्टिंग के दौरान रास्ते में अयस्क माफिया इन वाहनों में लदे स्पंज की कटिंग कर दूसरे वाहनों में लोड कर सुरक्षित क्षेत्र में रखते हैं, जहां से ट्रकों में लोड कर अन्यत्र भेजा जाता है.

खास बातें
- स्पंज आयरन कटिंग कर अन्यत्र भेज रहे माफिया
- शिफ्टिंग के दौरान रास्ते में ही होता है अवैध खेल

कंपनी के लोगों से सांठ-गांठ से होता है काम

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, स्पंज आयरन की कटिंग कंपनी के कुछ लोगों की सांठ-गांठ से बड़ाजामदा, टंकीसाई, भट्ठीसाई एवं नाल्दा क्षेत्र के संगठित अयस्क माफिया करते हैं. स्पंज की कटिंग नाल्दा के ईमली घाट क्षेत्र में, बड़ाजामदा के भट्ठीसाई व रेलवे साईडिंग क्षेत्र में वाहन टू वाहन कर लिया जाता है. फिर, स्पंज लदे डम्फर रेलवे साइडिंग नहीं पहुंच कर माफियाओं के अड्डे पर चली जाती है और रेलवे साईडिंग में उक्त वाहन द्वारा स्पंज गिराने संबंधित फर्जी तरीके से गलत इंट्री करा दी जाती है.

माफिया 100 टन के स्पंज आयरन की कटिंग करते हैं

सूत्रों के अनुसार, कटिंग किया गया स्पंज आयरन को टंकुरा क्षेत्र के एक घर एवं जंगल क्षेत्र में सुरक्षित रखा जाता है. वहीं, से भारी वाहनों में लोड कर फर्जी कागजातों के माध्यम से चाईबासा होते हुए इसे अन्यत्र भेज दिया जाता है. सूत्रों का कहना है कि जिस दिन रैक लगता है उस दिन लगभग 100 टन के करीब स्पंज आयरन की कटिंग माफिया कर लेते हैं. वर्तमान में स्पंज आयरन की कीमत काफी अधिक है.

सीओ ने आम सभा में सुलझाया विवादित जमीन का मामला

जमीन को लेकर चल रहे विवाद बैठक करते अंचल अधिकारी.

संवाददाता। बहरागोड़ा

बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के ईचड़ासोल गांव में बनने वाले उप स्वास्थ्य केंद्र की जमीन को लेकर चल रहे विवाद को अंचलाधिकारी भोला शंकर महतो ने आम सभा द्वारा सुलझाया. ग्रामीणों का कहना है कि जिस जमीन पर स्वास्थ्य उप केंद्र का निर्माण होना है, उस जमीन पर वे लोग वर्षों से दाह संस्कार करते आ रहे हैं.अपने पूर्वजों को याद रखने के लिए इस जमीन पर उप स्वास्थ्य केंद्र निर्माण का विरोध कर रहे थे. अंचलाधिकारी ने दाह संस्कार वाली जमीन छोड़कर बगल में भवन निर्माण के लिए जमीन का सीमांकन किया. उन्होंने ग्रामीणों को उप स्वास्थ्य केंद्र के लाभ के बारे में विस्तार से बताया. मौके पर अंचल निरीक्षक सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे.

महिला कांस्टेबल ने चौथी मंजिल से कूद कर जान दी

संवाददाता । जमशेदपुर

गोलमुरी थाना क्षेत्र के पुलिस लाइन में रहने वाली कांस्टेबल ललिता कुमारी (45) ने चौथे तल्ले से खुद कर आत्महत्या कर ली. घटना के बाद परिजन उसे तत्काल टीएमएच ले गए, जहां इलाज के क्रम में है उसकी मृत्यु हो गई. घटना शुक्रवार सुबह 5.30 बजे की है. घटना के बाद जहां परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है, वहीं पुलिस लाइन में भी शोक का माहौल है.

इधर घटना की सूचना मिलने पर सीसीआर डीएसपी अनिमेष गुप्ता घटनास्थल पर पहुंचे और जांच पड़ताल की. उन्होंने मृतका के पति, बच्चों व आसपड़ोस के लोगों से पूछताछ की. डीएसपी ने बताया कि

ललिता कुमारी पिछले काफी दिनों से बीमार चल रही थी और घर में अकेली कमाने वाली थी. पति नशे का आदी है, जिस कारण अक्सर घर में विवाद होता था. आए दिन परिवार के सदस्य आपस में उलझते रहते थे. ललिता के दो बेटे और एक बेटी है जो पढ़ाई करते हैं. एक पुत्र अपनी मां से आईफोन खरीदने की जिद कर रहा था. आर्थिक परेशानी से जूझ रही ललिता इसे लेकर काफी तनाव में थी. परिवार के बीच आपसी कलह काफी बढ़ गया था जिस कारण मानसिक रूप से परेशान ललिता ने छत से कूद कर आत्महत्या कर ली. बता दें कि इससे पहले 01 नवंबर को पुलिस लाइन में छत से गिरने से एक सिपाही जोहन सिंह (39) की मौत हो गयी थी.

वह किसी से अपने मोबाइल पर बात करते हुए चार तल्ला पुलिस फ्लैट की छत पर टहल रहा था कि इस बीच उसका नियंत्रण बिगड़ा और वह नीचे गिर गया. आनन फानन में उसे पुलिस लाइन से लोग उठाकर टीएमएच ले गए जहां उसकी मौत हो गयी. जोहन पुलिस केंद्र जमशेदपुर में जोहन सिंह 39 तुरकाडीह लेसलीगंज पलामू का निवासी था.

छाया मातम

- सूचना मिलने पर सीसीआर डीएसपी अनिमेष गुप्ता ने घटनास्थल पर पहुंच कर मामले में जांच पड़ताल की
- ललिता पिछले कई दिनों से बीमार चल रही थी, घर में कमानेवाली अकेली थी, पति नशे का आदी था

आओ जानें

झारखंड में 17103 अंडर ट्रायल कैदी, जानें बाकी राज्यों का हाल

आंध्र प्रदेश	: 5001	मणिपुर	: 506
अरुणाचल प्रदेश	: 127	मेघालय	: 821
असम	: 6495	मिजोरम	: 609
बिहार	: 44187	नागालैंड	: 261
छत्तीसगढ़	: 11963	ओडिशा	: 15619
गोवा	: 419	पंजाब	: 15643
गुजरात	: 10195	राजस्थान	: 16930
हरियाणा	: 14951	सिक्किम	: 328
हिमाचल प्रदेश	: 1574	तमिलनाडु	: 8709
झारखंड	: 17103	तेलंगाना	: 3946
कर्नाटक	: 10577	त्रिपुरा	: 472
केरल	: 3569	उत्तर प्रदेश	: 80557
मध्यप्रदेश	: 31712		
महाराष्ट्र	: 26171		

आंध्र प्रदेश से ओडिशा के रास्ते गांजा लाकर करते हैं तस्करी

15 लाख के गांजे के साथ दो तस्कर गिरफ्तार हुए

संवाददाता । घाटशिला

घाटशिला पुलिस ने ओडिशा के रास्ते कार के जरिए की जा रही गांजा तस्करी का खुलासा किया है. गुप्त सूचना पर पुलिस ने उक्त कार्रवाई की. इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तारी हुई है. इनकी कार से भारी मात्रा में गांजा बरामद हुई है. गिरफ्तार आरोपियों में घाटशिला धरमबहाल का रहने वाला आकाश नामाता और घाटशिला कपागोड़ा का सौरभ कुमार दास शामिल है. इनके पास से 20 पैकेट में गांजा बरामद हुआ है. इसका कुल वजन 100 किलो है. इनका अनुमानित मूल्य 15 लाख रुपये है. दो मोबाईल फोन और दो कार को पुलिस ने जब्त कर लिया है. उक्त जानकारी घाटशिला एसडीपीओ के कार्यालय में ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग ने एक प्रेस वार्ता आयोजित कर दी. उन्होंने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में पकड़ाये दोनों व्यक्तियों द्वारा बताया गया कि ये लोग अराकू वैली, आंध्र प्रदेश से मादक पदार्थ (गांजा) खरीद कर ला रहे थे. जिसे इन लोगों के द्वारा आदित्यपुर, घाटशिला, गालूडीह, धालभूमगढ़, जादूगोड़ा एवं आसपास के क्षेत्रों में बिक्री करने करना था.

दो आरोपी भागने में हुए सफल: उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर घाटशिला एसडीपीओ कुलदीप टोप्पो के नेतृत्व में छापामारी टीम गठित की गई. इसके बाद पुलिस ने एनएच 49 पर बहरागोड़ा के जामशोला पुल के पास वाहनों की जांच शुरू की. जांच के दौरान उक्त दोनों कार (टाटा इंडिगो और मारुती सुजुकी सियाज) के चालक पुलिस की चेकिंग को देखकर भागने का प्रयास करने लगे, जिनमें से एक कार (सियाज कार) के चालक व उसके साथी को पुलिस ने पकड़ लिया. जबकि टाटा इंडिगो का चालक व उसका साथी सड़क किनारे अपनी गाड़ी को खड़ी कर झाड़ियों का फायदा उठाकर फरार हो गए. सियाज कार की डिक्की से 10 पैकेट गांजा बरामद किया गया, जिसका कुल वजन लगभग 49 किलो है, जबकि टाटा इंडिगो की डिक्की से 51 किलो गांजा पाया गया.

धराए तस्कर

- एक तस्कर घाटशिला के धरमबहाल का आकाश है
- दूसरा तस्कर कपागोड़ा का सौरभ कुमार दास है

रेलवे स्टेशन से अवैध शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता । बोकारो

आरपीएफ बोकारो व सीपीडीएस ने बोकारो रेलवे स्टेशन से 88 बोतल अवैध शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार तस्कर की पहचान रोशन कुमार (19 वर्षीय) के रूप में हुई है. दो ट्रॉली में भरे 88 बोतलों में 40 एमसी डॉवेल्स (375 एमएल) नीले बैग में और 48 एमसी डॉवेल्स शराब की बोतलें लाल बैग से बरामद की गयी. आरपीएफ पोस्ट बोकारो की एसआई मीना कुमारी ने सभी शराब की बोलते जब्त कर ली है.

इसकी कीमत करीब 30 हजार बतायी जा रही है. आरपीएफ बोकारो के पोस्ट कमांडर राजकुमार साव ने इस बात की जानकारी दी. गिरफ्तार तस्कर व जब्त बोतलों को राज्य उत्पाद शुल्क विभाग बोकारो को सौंप दिया गया है. राजकुमार साव ने बताया कि सीआईबी आद्रा और सीपीडीएस टीम के साथ पीसी आरपीएफ बोकारो की देखरेख में हेड कांस्टेबल निरंजन महतो व आरपीएफ की एस्कॉर्ट पार्टी रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर एस्कॉर्ट कर रही थी. इसी बीच ट्रेन नंबर 18640 रांची-आरा एक्सप्रेस के सामने मुख्य गेट के पास एक युवक संदिग्ध हालत में दो भारी ट्रॉली बैग के साथ घूम रहा था.

अपराधियों पर पुलिस का शिकंजा

रोहित कुमार । जमशेदपुर

जमशेदपुर एसएसपी कौशल किशोर अपराध पर लगाम लगाने के लिए अभ्यस्त अपराधियों के खिलाफ शिकंजा कसने की तैयारी में जुट गए हैं. एसएसपी ने जिले के अलग-अलग थानों से 83 ऐसे अपराधियों का चयन किया है जो अपराध करने में अभ्यस्त हैं. इन अपराधियों के खिलाफ जिले के थानों में कई मामले दर्ज हैं. इसको लेकर एसएसपी ने उपायुक्त के पास एक निगरानी प्रस्ताव भेजा है.

इसके अलावा कई अपराधियों के खिलाफ सीसीए भी लगाने की तैयारी चल रही है. एसएसपी ने बताया कि उनके कार्यकाल के पूर्व जिले में मात्र 37 अभ्यस्त अपराधियों के खिलाफ निगरानी पंजी खोली गई थी. क्राइम मीटिंग के दौरान उन्होंने पाया कि ऐसे कई अपराधी है जो संगठित अपराध करते हैं और जेल से जमानत पर आने के बाद फिर से अपराध की दुनिया में कदम रखते है.

इसके बाद उन्होंने सभी थानों से ऐसे अपराधियों की लिस्ट मांगी जिन पर अपराध के एक से ज्यादा मामले दर्ज हैं. एसएसपी ने बताया कि इन निगरानी पंजी की मदद से जिला पुलिस अपराधियों पर नजर रखेगी. जैसे जेल से आने के बाद वह क्या काम कर रहा है, कहां जा रहा है, घर पर कौन-कौन मौजूद है, रिश्तेदार क्या करते हैं. इसके अलावा अपराधी की हर एक गतिविधि पर नजर रखी जाएगी ताकि अगर वह दोबारा से अपराध करता है तो उस पर नकेल कसी जा सके. इनमें ऐसे अपराधी शामिल है जो हत्या, लूट, छिनतई, चोरी, फायरिंग जैसे मामलों में जेल जा चुके हैं.

इन थानों ने भेजे हैं प्रस्ताव

परसुडीह-7, आजादनगर- 4, बिष्टुपुर-5, गोविंदपुर- 13, मानगो-4, ओलिडीह- 11, सिदगोड़ा- 1, जुगसलाई - 3, सोनारी- 12, सुंदरनगर- 2, जादुगोड़ा- 5,टेल्को- 1, साकची-2, बहरागोड़ा-1, बिरसानगर- 4, घाटशिला- 8.

इन खिलाफ सबसे ज्यादा मामले दर्ज हैं

- जुगसलाई थाना क्षेत्र निवासी सन्नी सिंह पिता अमरीक सिंह -7 मामले,
- बिष्टुपुर थाना क्षेत्र निवासी शहनवाज अहमद उर्फ सन्नी, पिता शरफराज अहमद- 7 मामले,
- सोनारी थाना क्षेत्र निवासी संतोष गोप उर्फ बबला, पिता बुद्धदेव गोप- 7 मामले
- सोनारी थाना क्षेत्र निवासी बाबू लोधी, पिता तरुण लोधी- 6 मामले
- साकची थाना क्षेत्र निवासी नेहाल सिंह, पिता शँकर सिंह- 6 मामले
- ओलीडीह थाना क्षेत्र निवासी मो शहनवाज उर्फ शाहरुख खान, पिता मो निजाम-5 मामले.

बारी मे लगे लोहे का गेट तोड़कर भागे चोर

कसमार (बोकारो)। कसमार थाना क्षेत्र अंतर्गत दांतू निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक प्रेमचंद नायक के पेटरवार थाना क्षेत्र के दारिद गांव स्थित बाड़ी में लगे लोहे के गेट समेत अन्य सामग्रियों की चोरी हो गई. इस बाबत इनके केयर टेकर धरमनाथ रजक ने पेटरवार थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है. उसमें बताया है कि वह एनएच 23 के किनारे दारिद स्थित नायक की बाड़ी में केयरटेकर का काम करते हैं. बाड़ी जोत कर उसमें आलू लगाने की तैयारी की जा रही थी. इसी बीच गुरुवार की रात को चोर बाड़ी की चहारदीवारी के मेन गेट में लगे लोहे के गेट को काटकर ले गए.

महिला से पता पूछने के बहाने लाखों के जेवर ले भागे ठग

संवाददाता । गोड्डा

डॉक्टर का पता पूछने के बहाने महिला के जेवरात ठग ले उड़े. घटना बाबू पाड़ा मोहल्ला स्थित बड़ी दुर्गा मंदिर के सामने की है. महिला मंदिर पूजा करने पहुंची थी. इसी बीच एक युवक डॉक्टर शीतला देवी के नाम का पता पूछने लगा. इसी बीच युवक ने महिला का हाथ स्पर्श किया. जिसके बाद युवक ने उससे गले का चेन देने को कहा. फिर कान की बाली भी मांग लिया और वो एक-एक कर देती गई. महिला अपना आपा खो बैठी थी. जब तक महिला अपने को संभाल पाती तब तक युवक वहां से निकल चुका था.

यह देख महिला रोने लगी. महिला मुख्य बाजार के समीप बगीचा की रहनेवाली है. इनके पति प्रभु साह सरकारी स्कूल में शिक्षक हैं. जो मूलतः ग्राम पूर्वेडीह के रहने वाले हैं और गोड्डा में घर बना कर रहते हैं. घटना की सूचना पर नगर थाना से मुकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में पहुंची पुलिस टीम ने जांच की.

रागीब हत्याकांड के आरोपी जिशान ने कोर्ट में किया सरेंडर

संवाददाता । सरायकेला-खरसावां

जिले के कपाली ओपी क्षेत्र निवासी रागीब हत्याकांड के मुख्य आरोपी जिशान ने शुक्रवार को जमशेदपुर कोर्ट में सरेंडर कर दिया. जिशान ने जमशेदपुर कोर्ट के एडीजे 1 राजेंद्र कुमार सिन्हा की आदालत में सरेंडर किया. जिशान के खिलाफ बिष्टुपुर थाना में भी साल 2022 से एक मामला चल रहा था जिसमें वह फरार था. इधर, रागीब की हत्या के मामले में भी वह फरार चल रहा था. पुलिस लगातार जिशान की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही थी.

पुलिस के बढ़ते दबाव में आकर अंत में उसने कोर्ट में सरेंडर कर दिया. जिशान के सरेंडर करने के बाद पुलिस ने जिशान को रिमांड पर लेने की तैयारी शुरु कर दी है. पुलिस

जिशान को रिमांड में लेकर पूछताछ शुरु कर हथियार बरामद करेगी. गुरुवार को ही पुलिस ने हत्या में शामिल ओल्ड पुरुलिया रोड नंबर 5 निवासी मो वसीम उर्फ चन्ना वसीम और गोलमुरी मुस्लिम बस्ती निवासी अरमान को गिरफ्तार कर जेल भेजा था. बता दें कि करीम सिटी कॉलेज में पटाखा फोड़ने के दौरान कपाली के युवकों से विवाद हो गया था. घटना की शाम उस युवक के साथ मारपीट करने गए थे. इसी बीच रागीब बीच-बचाव करने पहुंच गया. विवाद बढ़ता देख जिशान ने हथियार निकाला और गोली चला दी. गोली रागीब को लगी जिससे वह घायल हो गया. घटना के बाद सभी मौके से फरार हो गए.

इधर, घटना के बाद घायल अवस्था में रागीब को परिजनों ने इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल पहुंचाया, जहां से उसे टीएमच रेफर कर दिया गया. जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया. वहीं घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने कपाली थाने में जमकर बवाल काटा था. साथ ही पुलिस की कार्यशैली पर सवाल भी उठाए थे. इतना ही नहीं मामले की जांच करने पहुंचे एसपी डॉक्टर विमल कुमार को स्थानीय लोगों के भारी विरोध का सामना भी करना पड़ा था.

घर में फंदे से लटक कर युवक ने दी जान

जसीडीह। जसीडीह थाना क्षेत्र के पागल बाबा आश्रम के समीप एक युवक ने सुसाइड की. युवक ने चादर का फंदा बनाकर पंखे के सहारे फांसी लगाई. आनन फानन में परिजन फंदे से उतारकर उसे जसीडीह सीएचसी ले गये, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया. जानकारी के अनुसार मृतक का नाम नितेश कुमार राउत (उम्र 20) है. मृतक के परिजन ने बताया कि वह रांची में रहकर पढ़ाई करता था. तीन दिन पहले दीपावली में घर आया था. सब कुछ ठीक था. शुक्रवार को लगभग बारह बजे नितेश का एक साथी किसी काम से बुलाने आया तब दरवाजा खटखटाया तो कोई जवाब नहीं दिया. कई बार आवाज लगाया लेकिन अंदर से कोई जबाव नहीं दिया. तब दरवाजा को धक्का लगाया और खोला तो देखा कि वह चादर का फंदा लगाकर पंखे के सहारे झूल रहा है. जल्द ही नितेश को इलाज के लिए सीएचसी ले गए.

हथियार के साथ धराए युवक को जेल

संवाददाता । जमशेदपुर

बिष्टुपुर थाना क्षेत्र के खाऊ गली से हथियार के साथ गिरफ्तार जुगसलाई ईदगाह मैदान निवासी मोहम्मद आदिल उर्फ निप्पो को पुलिस ने शुक्रवार को जेल भेज दिया. गुरुवार देर शाम गुप्त सूचना पर पुलिस ने आदिल को गिरफ्तार किया था. तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके पास से एक देसी पिस्टल और दो जिंदा गोली बरामद किया है. आदिल 2017 में नेपाली हत्याकांड का आरोपी है.

वह इस मामले में जमानत पर था. इसके अलावा आर्म्स एक्ट के मामले में भी वह जेल जा चुका है. डीएसपी सीसीआर अनिमेष गुप्ता ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि आदिल बिष्टुपुर में हथियार लेकर घूम रहा है. इसी सूचना पर उसे पकड़ा गया. पूछताछ में उसने बताया कि सद्दाम ने उसे 35 हजार रुपये में हथियार बेचने को दिया था. चार माह पहले उसने हथियार लिया था.

गिरफ्तारी के बाद घटना की जानकारी देते पुलिस अधिकारी

तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके पास से एक देसी पिस्टल और दो जिंदा गोली किया बरामद

भेजा जेल

- गिरफ्तार युवक बिष्टुपूर के खाऊगली का निवासी है
- आदिल 2017 में नेपाली हत्याकांड का आरोपी है

अपराध हर जगह पुलिस मुस्तैद है, इसके बाद भी अपराधी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं

पलामू में बढ़े अपराध, हर तीसरे दिन हो रही एक हत्या

संजीत यादव । पलामू

पलामू में अपराध के आंकड़ों में लगातार इजाफा हो रहा है. बढ़ते अपराध के कारण लोग खुद को असुरक्षित महसूस करने लगे हैं. बैखोफ अपराधी किसी की भी हत्या कर दे रहे हैं. चार महीनों के आंकड़ें इस बात की पुष्टि कर रहे हैं. पलामू में जगह-जगह पर पुलिस मुस्तैद है. इसके बाद भी अपराधी दिनदहाड़े गोलीबारी, छिनतई, लूट, चोरी, दुष्कर्म जैसी घटनाओं को अंजाम देकर निकल जा रहे हैं और पुलिस हाथ पर हाथ धरी रह जा रही है. जिले में हर तीसरे दिन हत्या की वारदात हो रही है, जिससे अब पुलिस पर सवाल खड़े होने लगे हैं.

चार माह में अपराध के आंकड़े बढ़े

पलामू जिले के पिछले चार महीने के आंकड़ों पर नजर डालें तो यहां एक हजार से अधिक अपराध हुए हैं. चार महीने में 41 से अधिक लोगों की हत्याएं हुई हैं. करीब 12 लोग लूट के शिकार हुए हैं, वहीं 8 से अधिक लड़कियों के साथ दुषकर्म हुआ है. 9 लोगों का अपहरण भी किया गया है. झारखंड के सभी जिलों में बढ़ते अपराध को देखते हुए पुलिस मुख्यालय गंभीर है. इसके बाद भी अपराध कम होने का नाम नहीं ले रहा है. पलामू पुलिस लगातार अपराधियों को गिरफ्तार भी कर रही है, लेकिन आपराधिक वारदातें रुकने का नाम नही ले रही हैं. रोजाना नए-नएमामले में पलामू पुलिस के लिए चुनौती साबित हो रहे हैं. पुलिस एक कांड का खुलासा करती नहीं है, तब तक दूसरी आपराधिक घटनाएं हो जा रही है. नीचे दिये गये आंकड़े इस बात की पुष्टि करते हैं कि पलामू में पिछले चार माह में अपराध का ग्राफ बढ़ा है.

- **8 नवंबर 2023 :** पलामू जिले के पांकी में युवक की गोली मारकर हत्या, जिसकी हत्या हुई उस पर भी आपराधिक मामले थे दर्ज, पुलिस कर रही है पड़ताल
- **24 अक्टूबर 2023 :** पलामू जिले के पाटन थाना क्षेत्र में अपराधियों ने एक युवक की हत्या कर दी
- **26 अक्टूबर 2023 :** पलामू जिले के रहेला थाना क्षेत्र में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गयी.
- **21 अक्टूबर 2023 :** पलामू जिले के पाटन थाना क्षेत्र में अपराधियों ने युवक को गोलियों से छलनी कर दिया.
- **17 अक्टूबर 2023 :** पलामू जिले के हरिहरगंज में 8 साल के बच्चे की निर्मम हत्या कर दी गयी.
- **9 सितंबर 2023 :** पलामू जिले के मेदिनीनगर में बढ़ा गैंगवार, गैंगस्टर हत्याकांड के आरोपी को घर के बाहर मारी गोली, पुलिस ने देर रात दो अपराधियों को किया गिरफ्तार
- **4 अगस्त 2023 :** पलामू जिले के पिपराटाड़ में बंदूक की नोंक पर फाइनेंस कर्मी से 90 हजार की लूट
- **21 जुलाई 2023 :** पलामू जिले के छतरपुर थाना क्षेत्र में पीडीएस दुकानदार की गोली मारकर हत्या कर दी गयी.
- **26 जुलाई 2023 :** जमीनी विवाद में पूर्व मुखिया समेत चार पर तलवार से हमला, एक की मौत

तेज रफ्तार कार सड़क किनारे पेड़ से टकराई

संवाददाता । जमशेदपुर

साकची थाना हाथी-घोड़ा मंदिर के पास गुरुवार देर रात एक एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई. कार पर कांग्रेस के जिला महामंत्री का बोर्ड लगा हुआ है. कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि उसके आगे का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया.

कार मालिक बागबेड़ा निवासी दीपक करवा ने बताया कि वह देर रात अपने परिवार के साथ एक पार्टी में शामिल होकर घर वापस जा रहा था था. कार में दो बच्चे भी मौजूद थे. सामने से उल्टी दिशा से आ रहे एक ट्रक को बचाने के क्रम में कार अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराई. इस घटना में एक बच्चे को हल्की चोट आई है. रात में आसपास पुलिस की टीम (पीसीआर) नहीं होने के कारण सभी लोग मौके पर ही कार छोड़ कर वहां से चले गए. इधर, शुक्रवार सुबह कुछ लोगों ने पुलिस को इसकी सूचना दी, जिसके बाद घटनास्थल पर पहुंची पुलिस खानापूर्ति कर वापस लौट गई. कुछ देर बाद कार मालिक क्रेन लेकर मौके पर पहुंचा और कार को अपने साथ ले गया. हालांकि इस मामले में किसी तरह की कोई शिकायत दर्ज नहीं की गई है.

ब्रीफ खबरें

नाबालिग ने फंदे पर झूल कर आत्महत्या की

जोड़ापोखर। भौरा ओपी क्षेत्र के पुरनाडीह बस्ती के रहने वाले टाटा कर्मी लखी राम महतो का 16 वर्षीय पुत्र डीएवी स्कूल जामाडोबा के कक्षा 10वीं का छात्र रोहन महतो पिता की डांट पर गुरुवार की रात फांसी लगा कर आत्महत्या कर लिया. शुक्रवार को परिवार के लोगों ने भौरा पुलिस को सूचना दी. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. मृतक के दादा बलराम महतो, मां कुसुम देवी, छोटा भाई राजीव महतो सहित बस्ती के लोग इस घटना से आहत हैं.

गेहूं लदा ट्रक गिरा चालक-उपचालक बचे

तोपचांची। तोपचांची थाना क्षेत्र के कोटालड्डा एनएच पर गेहूं लदा ट्रक अनियंत्रित होकर ओवरब्रिज से करीब 10 फीट नीचे सर्विस रोड पर जा पलटा. हादसे में ट्रक चालक व उपचालक बाल-बाल बच गये. दोनों को हल्की चोटें आयी हैं. ट्रक पलटने से उस पर लदी गेहूं की बोरियां सड़क पर बिखर गयीं. इससे सर्विस रोड पर आवागमन बाधित हो गया. घटना के बाद ग्रामीणों की भीड़ जुट गयी. सूचना पाकर तोपचांची पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और पलटे ट्रक को हटवा कर किनारे किया.

2.13 लाख चुराने का आरोपी गिरफ्तार हुआ

जमशेदपुर। जमशेदपुर के मानगो थाना अंतर्गत बैजनाथ अग्रवाल की स्कूटी में रखे झोला समेत 2.13 लाख रुपये चोरी करने के मामले में पुलिस ने उलीडीह शंकोसाई रोड नंबर एक निवासी अवध कुमार सिंह को गिरफ्तार किया. अवध के पास से पुलिस ने चोरी किए गए 1.40 लाख रुपये बरामद किए. घटना 5 नवंबर की है. घटना की रात बैजनाथ मानगो बाजार में अपनी दुकान बंद कर वापस घर लौट रहे थे. रास्ते में दुकान के बाहर स्कूटी खड़ी की और स्कूटी में एक झोला टांग दिया.

नावागढ़ में चोरों ने पीएचसी में की चोरी

लातेहार। सदर प्रखंड के नावागढ़ स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में गुरुवार की रात्रि अज्ञात चोरों ने चोरी कर ली. इसकी पुष्टि करते हुए सिविल सर्जन डॉ अशोक कुमार ने बताया कि उन्होंने इसकी सूचना सदर थाना को दी है. सीएस डॉ कुमार ने बताया कि चोर केंद्र का पिछला दरवाजा तोड़ कर अंदर घुस गये. चोरों ने वहां लगे टीवी व इन्वर्टर के अलावा ऑपरेशन में काम आने वाले सर्जिकल टूल व स्टेरलाइजेशन करने के उपकरण आदि की चोरी कर ली.

घर बैठे कमाई का झांसा देकर 2.17 लाख की ठगी

जमशेदपुर। जमशेदपुर के बिरसानगर जोन नंबर 4 निवासी विवेकानंद मिश्रा को ठगों ने पैसा डबल करने का झांसा देकर 2.17 लाख की ठगी कर ली. ठगी का एहसास होने पर विवेकानंद बिष्टुपुर स्थित साईबर थाना पहुंचे और मामले की लिखित शिकायत की. इधर, पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है. दरअसल विवेकानंद को 4 नवंबर को टेलीग्राम ऐप पर दीपा सिंह नामक एक युवती ने मैसेज किया कि वह फ्लाईट नेटवर्क कंपनी से बोल रही है.

मवेशी लदे पिकअप वैन को पुलिस ने किया जब्त

गोड्डा। बिहार से बंगाल जा रहे मवेशी लदे पिकअप वैन को ग्रामीणों ने पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया. घटना मुफस्सिल थाना अंतर्गत दोमुहि मोड़ हरिपुर की है. इस रास्ते आए दिन मवेशियों की तस्करी की जाती है. बताया जाता है कि ग्रामीणों को सूचना मिली थी कि बिहार से झारखंड के रास्ते बंगाल मवेशी को ले जाया जा रहा है. इसी क्रम में ग्रामीणों ने उक्त वाहन को रोका. इसके बाद गाड़ी पर सवार लोग फरार हो गए. वैन पर सात गाय लदी हुई थी.

रिम्स में इलाजरत महिला कैदी की मौत

रांची। हत्या के प्रयास समेत तीन अन्य मामलों में जेल में बंद महिला कैदी सावित्री कर्मकार की तीन महीने तक इलाज के दौरान रिम्स में मौत हो गई. मृतका साहिबगंज जिले के रांगा थाना क्षेत्र के कल्याणपुर की रहने वाली थी. उधर खूंटी उपकारा में बंद कैदी लक्ष्मी को प्रसव पीड़ा होने पर खूंटी सदर अस्पताल लाया गया, जहां उसने बच्चे को जन्म दिया. अस्पताल के डॉक्टर ने पाया कि नवजात की हालत गंभीर है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष सप्तम चंद्र से आय के द्वार खुलेंगे. कार्य के लिए समय अनुकूलता देगा. व्यापार के लिए स्थिति सुखद रहेगी. बहन का सहयोग मिलेगा. रिश्तों में मधुरता आएगी. जीवनसाथी का सहयोग और सांनिध्य मिलेगा.

वृषभ समय अच्छा है, पर मौसमी रोग से बचें. आमोद-प्रमोद का अवसर प्राप्त होगा. भागदौड़ रहेगी. स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें. यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद रहेगी. ऋण लेने से बचना चाहिए. हनुमानजी का पूजन ध्यान करें.

मिथुन सर्दी-बुखार से स्वास्थ्य पर असर होगा. संतान के कार्य से लाभ होगा. शिक्षा में लाभ होगा. रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे. पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी. रिश्तों में मधुरता आएगी. भागदौड़ रहेगी. संतान के दायित्व की पूर्ति होगी.

कर्क किसी से विवाद हो सकता है. पर धन की स्थिति सुखद रहेगी. गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी. संतान के दायित्व की पूर्ति होगी. भागदौड़ की स्थिति सुखद रहेगी. कोई नुकसान हो ऐसा कार्य नहीं करे. साथ ही सूर्य को अर्ध्य दें.

सिंह आय का अटका मामला ठीक होगा. किसी प्रकार का आर्थिक मामलों में जोखिम न उठाएं. कोई ऐसा कार्य न करें, जिससे स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा प्रभावित हो. किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा. शिवलिंग पर गंगाजल चढ़ाए.

कन्या शाम में कोई पार्टी हो सकती है, पर खर्च पर नियंत्रण करें. पारिवारिक जीवन सुखमय होगा. आय होने से आर्थिक पक्ष मजबूत होगा. उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी. शासन सत्ता का सहयोग रहेगा. गणेश जी का ध्यान पूजन करें.

तुला कार्य होने से मानसिक संतुष्टि होगी. समय अनुकूल है. जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी. संबंधों में निकटता आएगी. गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी, लेकिन जीवनसाथी से तनाव मिल सकता है. लक्ष्मी माता को लाल फूल अर्पण करें.

वृश्चिक पैतृक सम्पत्ति से लाभ होगा. आपके व्यवहार से आय और धनमें वृद्धि होगा. पारिवारिक जीवन सुखमय होगा. आर्थिक पक्ष मजबूत होगा. शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी. यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद रहेगी.

धनु समय बहुत ही अनुकूल है. पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी. किसी अपने से कोई लाभ होगा. साथ ही उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी. सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी. अपनों के सहयोग से आर्थिक पक्ष मजबूत होगा.

मकर कोई शुभ कार्य होने से मन खुश होगा. उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी. रिश्तों में मजबूती आएगी. आलस का त्याग करें. कार्य पर ज्यादा ध्यान दें. दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा. पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी.

कुंभ शासन सत्ता से सहयोग लेने में सफल होंगे.आपके किसी अपने के विवाह से सम्बंधित शुभ और सुखद समाचार मिलेगा. व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी. आर्थिक पक्ष मजबूत होगा. शनि चालीसा का पाठ और छाया दान करना चाहिए.

मीन किसी परिचित मित्र से सहयोग होगा. आपके अथक प्रयास से रिश्तों में मधुरता आएगी. राजनीतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी. स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें. आपके मेहनत से धन आएगा. घी का दीपक विष्णु भगवान को दिखावें.

धनतेरस पर रंगोली प्रतियोगिता

नोवामुंडी। स्थानीय बड़ाजामदा फुटबॉल मैदान स्थित वेल्डन फ्यूचर एकेडमी स्कूल परिसर में शुक्रवार को धनतेरस के अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता वर्ग 3 से 8 तक के सीनियर वर्ग के बच्चों के लिए आयोजित की गई. इस रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान निक्की ग्रुप, द्वितीय स्थान सरस्वती ग्रुप एवं तृतीय स्थान खुशबू ग्रुप को मिला. इसके अलावा गोपाल ग्रुप को चतुर्थ स्थान के रूप में सांत्वना पुरस्कार दिया गया. विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य मुकेश कुमार सिन्हा ने विजयी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र, मेडल और गिफ्ट्स देकर पुरस्कृत किया. इस मौके पर विद्यालय के शिक्षकगणों में मनीष पुरती, नामलेन पुरती, रीतू गुप्ता, पूनम रवानी,परवेज चांपिया, अजित प्रकाश गुप्ता, अभिषेक भुइंया, मीना दास, खुशबू कुमारी, दीपा सिंह, कुमकुम कुमारी आदि ने आयोजन में योगदान दिया.

काली पूजा को लेकर निकली घट यात्रा

चाकुलिया। चाकुलिया नगर पंचायत के पक्का घाट तालाब से शुक्रवार को शिल्पी महल सार्वजनीन काली पूजा कमेटी द्वारा घट यात्रा निकाली गई. घट यात्रा में अनेक महिलाएं शामिल थीं. यह घट यात्रा मुख्य मार्ग से गुजरते हुए मंदिर पहुंचीं. इसके बाद पूजा-अर्चना शुरू हुई. पुजारी स्वरूप घोषाल, प्रदीप ओझा और पंचानन पांडा द्वारा पूजा की गई. इसके बाद महिलाओं ने मां काली की पूजा की. पूजा कमेटी के अध्यक्ष रविंद्र नाथ विश्वास ने बताया कि आज मंदिर का स्थापना दिवस है. इसलिए घट यात्रा निकाली गयी है। यहां पर 1980 से काली पूजा होते आ रही है. पूजा को सफल बनाने में मंदिर कमेटी के सचिव अमित कुमार राय, कमेटी के मनिंद्र नाथ पालित, रवींद्र नाथ दास, दीप चक्रवर्ती, पुलक महापात्र, दिनेश शुक्ला, दीपु दत्ता, अनूप मोहंती, बापी मोहंती, संजय घोष समेत अन्य सदस्य जुटे हुए हैं.

पहल : सार्वजनिक काली पूजा समिति ने किया कतरास को ग्राम पंचायत में रखने का आग्रह

ग्रामीण परिवेश की थीम पर कतरास में काली पूजा पंडाल

संवाददाता। कतरास

खास बातें

- पंडाल के निर्माण में हुआ सूप बांस, लालटेन का उपयोग
- 11 लाख रुपये से बना पंडाल 23 वर्षों से हो रही पूजा

काली पूजा महोत्सव के उपलक्ष्य में इस वर्ष ग्रामीण परिवेश के थीम पर आधारित पूजा पंडाल का निर्माण किया जा रहा है. इसके माध्यम से धनबाद जिला प्रशासन को यह संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है कि कतरास का अधिकांश क्षेत्र ग्रामीण इलाका है, इसलिए कतरास को नगर निगम क्षेत्र में न रखकर ग्राम पंचायत में रखा जाए. उक्त जानकारी कतरासगढ़ पोस्ट ऑफिस गली में आयोजित सार्वजनिक काली पूजा समिति द्वारा आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान शुक्रवार को समिति के ईश्वरी नारायण पांडेय व सौरभ सिंह ने दी. आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि इस वर्ष पूजा पंडाल का बजट लगभग 11 लाख रुपये का है, जिसे एसके लाइट एंड साउंड मलकेरा द्वारा बनाया जा रहा है एवं थीम का काम धनबाद जिले के अखिलेश चौहान द्वारा किया जा रहा है. पूरे पंडाल में गांव देहात में उपयोग होने वाले वस्तुओं का इस्तेमाल किया जा रहा है. पंडाल में सूप, मिट्टी के बर्तन, बांस लालटेन सहित घरेलू उपयोग में आने वाली सामाग्री को लगाया गया है. अभी से ही इसका नजारा देखते ही बन रहा है. उल्लेखनीय कि पोस्ट ऑफिस गली काली पूजा समिति द्वारा पिछले 23 वर्षों से पूजा का भव्य आयोजन किया जाता रहा है. प्रेस वार्ता में मुख्य रूप से ईश्वरी नारायण पांडे, सौरभ सिंह, राहुल रजक, उत्तम चौरसिया, मनीष चौरसिया, अमर राजगढ़िया, बिनोद रजक, अरविंद राजगढिया, अमिताभ ठाकुर, ऋषभ रजक, दिवाकर झा, जीत कुमार सहित अन्य शामिल थे.

पर्व : कोलकाता के कलाकारों का होगा सांस्कृतिक कार्यक्रम

बिहार दुर्गा मंडप में भव्य चित्रगुप्त पूजा की तैयारी

संवाददाता। हजारीबाग

श्री चित्रगुप्त पूजा महासमिति बिहार दुर्गा मंडप में पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी चित्रगुप्त पूजा का भव्य आयोजन किया जाएगा. इस वर्ष 15 नवंबर को चित्रगुप्त पूजा होनी है. पूजा महासमिति की ओर से चित्रगुप्त पूजा को लेकर तैयारी पूरी कर ली गई है.15 नवंबर को ही सुबह के 9:00 बजे से पूजा प्रारंभ होगी और 11:00 बजे से प्रसाद वितरण शुरू किया जाएगा, जो दिन भर चलेगा. पूजा के अवसर पर बुधवार को संध्या 7:00 बजे से तपस्या म्यूजिकल ग्रुप और आर्केस्ट्रा द्वारा बिहार दुर्गा मंडप प्रांगण में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होगा, जिसमें कोलकाता से लगभग 12 कलाकार हजारीबाग आ रहे हैं.

उनमें प्रसिद्ध गायिका सुनीता सिंह और पौलवी विश्वास शामिल हैं. समिति के अध्यक्ष भैया अभिमन्यु प्रसाद ने शुक्रवार को बिहार दुर्गा मंडप प्रांगण में प्रेस वार्ता कर जानकारी दी. बताया कि स्थानीय कलाकारों को भी कार्यक्रम में शामिल किया गया है, ताकि वे भी अपने हुनर की प्रस्तुति दे सकें. महासमिति के मुख्य संरक्षक पूर्व सांसद सह वित्त एवं विदेश मंत्री यशवंत सिन्हा हैं. वे भी कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे. प्रेस वार्ता के दौरान मनोज कुमार, सुबोध आकाश, कृष्ण किशोर प्रसाद, रमेश चंद्र प्रसाद उर्फ पिंटू जी, भैया मनोरंजन, प्रोफेसर अरविंद सहाय, प्रोफेसर सुरेंद्र सिन्हा, दिलीप कुमार, हरीश श्रीवास्तव, असित सिन्हा,शशि सिन्हा ने भी पूजा के सफल आयोजन कैसे हो इस पर जानकारी दी.

प्रेस वार्ता में कार्यक्रम की जानकारी देते श्री चित्रगुप्त पूजा महासमिति के पदाधिकारी.

गणमान्यों को दिया जाएगा ई निमंत्रण पत्र

पूजा उत्सव में समाज के अन्य लोगों को भी ई निमंत्रण के जरिए निमंत्रण दिया जा रहा है. भैया अभिमन्यु प्रसाद ने जानकारी दी कि शहर के कई गणमान्य लोग भी कार्यक्रम में उपस्थित होंगे, जिसमें डीसी, एसपी, राजनेता, समाजसेवियों को भी निमंत्रण दिया जा रहा है. हजारीबाग के सांसद जयंत सिन्हा भी कार्यक्रम के दौरान उपस्थित रहेंगे. उन्होंने यह भी बताया कि लगभग 50 हजार लोगों को इस बार जोड़ा गया है. जिसमें 35 हजार परिवार शामिल है.

अनेक प्रतियोगिताओं का होगा आयोजन

15 नवंबर बुधवार को 1 :00 बजे से पेंटिंग प्रतियोगिता 3 :00 बजे से म्यूजिकल चेयर 4 :00 बजे से वाद विवाद प्रतियोगिता और संध्या 5 :00 बजे संगीत प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जा रहा है. जिसमें चित्रांश परिवार के अलावा दूसरे समाज के बच्चे भी हिस्सा भी ले सकते हैं. महासमिति के सचिव विवेक बरियार ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बार पूजा बेहद भव्य तरीके से किया जाएगा. समिति ने यह भी फैसला लिया है कि आने वाले दिसंबर माह में ही चुनाव कराया जाएगा ताकि एक साल तक इस पूजा की तैयारी की जा सके.

संत पॉल्स कैथेड्रल चर्च का जुबिली महोत्सव 19 को

रांची। बहूबाजार स्थित संत पौल्स कैथेड्रल चर्च में 19 नवम्बर को चर्च का 150 वर्षीय जुबली महोत्सव व आनंद मेला का आयोजन किया जाएगा. इस अवसर पर संत पॉल्स कैथेड्रल चर्च रांची में प्रात 6.30 बजे से सामूहिक रविवारीय प्रभु भोज विनती मसीही लोगो द्वारा किया जाएगा. पूर्वाहन 11.30 बजे 150 वर्षीय जुबली महोत्सव का समापन होगा.12.30 बजे आनन्द मेला की शुरुआत होगी. मेले में 4 चर्च के लोग शामिल होंगे, जिनमें चर्च आफ नार्थ इंडिया, सामलौंग मंडली, चुटु युनिट समेत अन्य चर्च के लोग शामिल होंगे. मेले में प्रत्येक टोलों के सरपंचों को 2 स्टॉल आवंटित किये जाएंगे. प्रत्येक टोले से एक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की जाएगी. मेले के दिन चार पहिया एवं दो पहिया वाहन का पड़ाव संत पौल्स हाई स्कूल मैदान में रखने की व्यवस्था की गयी है. कैथेड्रल के मुख्य द्वार एवं दक्षिणी प्रवेश द्वार पर शुल्क निर्धारित किया गया है.

खेल प्रतियोगिता को लेकर ग्रामीणों की बैठक

चाकुलिया। चाकुलिया प्रखंड के कालियाम पंचायत भवन में शुक्रवार को मुखिया दासो हेंब्रम की अध्यक्षता में सिदो कान्हो युवा खेल क्लब के अध्यक्ष व सचिवों के साथ पंचायत स्तरीय खेल प्रतियोगिता को लेकर बैठक हुई. इसमें सभी क्लब अध्यक्ष व सचिव उपस्थित थे. बैठक में खेल प्रतियोगिता को को कैसे सफल बनाना है, इसकी रणनीति तैयार की गयी. बैठक में खिलाड़ियों का जोड़ा बनाने के लिए लॉटरी निकाली गयी. ठाकुर दास मांडी, जादू नाथ मांडी, नारायण नायक, यादव टुडू, चैतन्य माझी, कल्पना पाल ने बैठक में हिस्सा लिया.

आओ जानें

शाहपुर का चांदनी किला

परिचय– झारखंड का एक धरोहर है शाहपुर का चांदनी किला.

स्थान– यह किला पलामू के जिला मुख्यालय डालटनगंज से लगभग दो मील की दूरी पर उत्तरी कोयल नदी के तट पर अवस्थित है.

स्थिति– यह ऐतिहासिक धरोहर इन दिनों अत्यंत दयनीय अवस्था में पहुंच गया है. किले का अधिकतम हिस्सा ध्वस्त हो चुका है. एक दो कमरों की दीवारें खड़ी हैं, जो इस किले का अहसास कराने के प्रयास में लगी हैं. इस किले के कुछ भागों पर अतिक्रमण भी हो चुका है. कोयल नदी पर पुल बनने से पूर्व जहां शाहपुर का किला डालटनगंज में कोयल नदी के तट पर खड़ा होते ही साफ–साफ दिखायी पड़ता था, वहीं आसपास के सटे भवननिर्माण और अतिक्रमण के चलते लोगों से पूछना पड़ता है कि शाहपुर का चांदनी किला किधर है. यदि इस किले के प्रति सरकार और प्रशासन की लापरवाही का यही आलम रहा तो यह ऐतिहासिक धरोहर इतिहास के पन्नों मे समा जाएगा.

इतिहास – शाहपुर किले के निर्माण 1770 के दशक में तत्कालीन चेरोवंशीय राजा गोपाल राय ने कराया था. चेरो सत्ता के अवसान काल में पलामू का राज–काज यहीं से संचालित होता था. 21 मार्च 1771 को पलामू किला अंग्रेजों के नियंत्रणाधीन हो जाने के बाद वर्षों तक शाहपुर किला में ही राजा का निवास रहा था. बताया जाता है कि शाहपुर किला से पलामू किला तक सुरंग बनी हुई थी.

श्रद्धालुओं का मन लुभाएगा मंदिर की आकृति का पंडाल

संवाददाता। आदित्यपुर

आदित्यपुर का एमआईजी काली पूजा कमेटी का मंदिर आकृति का पंडाल इस बार आकर्षक बना है जो बरबस ही श्रद्धालुओं को लुभा रहा है. पंडाल का उद्घाटन 11 नवंबर को शाम साढ़े छह बजे केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा करेंगे, उनके साथ जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय भी मौजूद रहेंगे. जबकि 14 नवंबर को आयोजित कमेटी के वृहत सांस्कृतिक कार्यक्रमों के मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी होंगे. उनके साथ केंद्रीय राज्य शिक्षा मंत्री अन्नपूर्णा देवी, बिहार के मंत्री अमरेंद्र प्रताप सिंह, धनबाद के सांसद पीएन सिंह मौजूद रहेंगे. कमेटी के पदाधिकारियों ने बताया कि उद्घाटन के दिन भजन संध्या में शहर के भजन कलाकार कृष्णा मूर्ति एण्ड टीम भजन प्रस्तुत करेंगे. 14 नवंबर के सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बिहार की सुप्रसिद्ध गायिका भोजपुरी गायिका अनुपमा यादव और प्रियंका सिंह भास्कर कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगी. उनके साथ कोलकाता की युवतियों की नृत्य मंडली चार चांद बिखेरेंगे. बता दें कि एमआईजी-एलआईजी जनता रो हाउस सार्वजनिक काली पूजा समिति वर्ष 1998 से काली पूजा का आयोजन कर रही है, इस वर्ष इस पूजा कमेटी का रजत वर्ष है. कमेटी के पदाधिकारियों ने बताया कि उद्घाटन के पश्चात ही 1000 गरीबों में कंबल भी वितरित किया जाएगा.

दिव्यांग बच्चों ने भी मनाई दीपावली

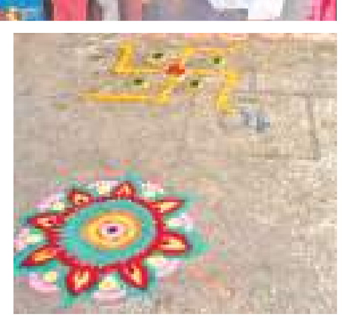

संवाददाता। रांची

बौद्धिक दिव्यांग बच्चों के अरगोड़ा हाउसिंग कॉलोनी स्थित स्कूल कोशिश में शुक्रवार को सभी बच्चों ने दीया जलाया एवं दीपावली त्योहार मनाया. कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल की अध्यापिका दिपा चौधरी ने की. दीपावली के इस त्योहार में सभी बच्चों एवं शिक्षकों ने साथ मिलकर रंगोली, तोरण और स्वस्तिक बनाया. साथ ही विभिन्न तरह के डेकोरेशन और क्राफ्ट दीया से बनाया. सभी बच्चों द्वारा दीया जलाकर सेलिब्रेशन शुरू किया. सभी सदस्यों ने मां लक्ष्मी तथा गणेश की पूजा अर्चना की. दीपावली में बच्चों ने फटाखे, फुलझड़ी आदि फोड़े और खुशियां मनाईं. इस कार्यक्रम में स्कूल के सभी बौद्धिक दिव्यांग बच्चों के साथ स्कूल के शिक्षक शिक्षिकाएं शामिल थे.

दीपावली पर रही उज्ज्वला महोत्सव की धूम

संवाददाता। जमशेदपुर

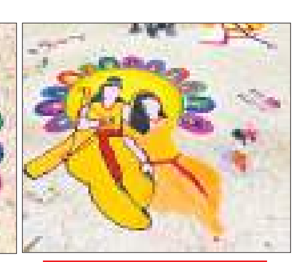

धनतेरस से शुरू पंच दिवसीय दीपोत्सव को लेकर पोखारी स्थित नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी में छात्र-छात्राओं ने उज्ज्वला महोत्सव मनाया. इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ गंगाधर पांडा, कुलसचिव नागेंद्र सिंह, प्रतिकुलपति डॉ ऋषि रंजन आचार्य समेत वरिष्ठ शिक्षक-शिक्षिकाओं ने छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन किया. इस क्रम में उन्होंने छात्र-छात्राओं को शिक्षा व ज्ञान की ज्योत से अपनी अंतरात्मा में उजियारा लानने के साथ ही समाज, राज्य व देश को विकास के पथ पर अग्रसर करने में सहभागिता निभाने की सीख दी. इस महोत्सव में यूनिवर्सिटी कैंपस विभिन्न कार्यक्रमों के जश्न में सराबोर रहा. महोत्सव में रंगोली से लेकर दीया बनाने, गीत व नृत्य प्रतियोगिता आदि कार्यक्रमों की छात्र-छात्राओं ने मनमोहक प्रस्तुति दी. समापन पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया. इस अवसर पर यूनिवर्सिटी के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं एवं शिक्षकेतर कर्मचारी उपस्थित थे. उन्होंने प्रतिभागी छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन किया.

पुरस्कृत प्रतिभागी

एकल नृत्य : समीर नंदन कुमार, बीबीए, रिया सैनी बीबीए, गुनगुन सिंह बीसीए.
समूह नृत्य : कशिश एंड टीम बीबीए, ए कुणाल राव एंड टीम बीएचएम, कनक एंड टीम बीए.
रंगोली : सभी प्रतिभागी.
पोस्टर : मेहर नाज बी एससी जूलॉजी, मुस्कान कुमारी बीबीए, दीपांशी कुमारी बीबीए.
दीया पेंटिंग : प्रिया कुमारी व सिमरन बीएससी नर्सिंग, सुचोरिटा सरकार एमबीए, रिया कुमारी व पिंकी बीकॉम.
फेस पेंटिंग : रेणु कुमारी व कुमकुम कुमारी बीबीए एलएलबी, अंकिता रानी दास बीबीए, महागौरी सिंह व शीतल बीए इको.
मेहंदी : निदा अशरफ बीकॉम, शामिया बीकॉम, रिशु रंजन एमबीए.
एकल गायन : कृति बीए इको, दीपक महतो बीबीए, अंकिता पांडे बीबीए.

काली पूजा महोत्सव चार दिवसीय मेले की तैयारी पूरी, उद्घाटन आज, पूजा कल, श्रद्धालुओं में अमित उत्साह

आस्था का प्रतीक है तेलोटांड़ का 200 वर्ष पूर्व स्थापित काली मंदिर

प्रेम कुमार। बाघमारा

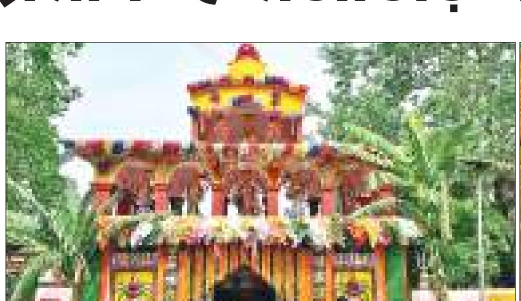

बाघमारा प्रखंड के डुमरा मुख्य मार्ग पर तेलोटांड़ बस्ती के समीप अवस्थित मां काली का मंदिर श्रद्धालुओं के लिए आस्था व श्रद्धा का प्रतीक बन गया है. इस प्रसिद्ध काली मंदिर की स्थापना 200 वर्ष पूर्व की गई थी. पूर्व के जानकारों के अनुसार करीब 200 वर्ष पूर्व एक ढेले के वृक्ष पर एक शिला रखकर इसे स्थापित किया गया. वही मंदिर आज विराट और भव्य रूप ले चुका है. बाघमारा के पूरे 10 किलोमीटर के एरिया में मां काली का इतना मनोरम एवं भव्य मंदिर कोई दूसरा नहीं है. इन कारणों से इस मंदिर की आस्था एवं भव्यता यहां आज व्यापक हो गई है. दीपावली के मौके पर यहां मनाया जाने वाला मां काली का महोत्सव की छटा देखते ही बनती है. करीब चार दिनों तक चलने वाले इस विराट महोत्सव में यहां काफी चहल-पहल रहती है. मां की पूजा-अर्चना एवं दर्शन को लेकर यहां आसपास के क्षेत्रों से हजारों की भीड़ जुटती है. लोग सपरिवार यहां आते हैं. मां काली की पूजा के उपरांत यहां लगने वाले भव्य मेला का भी आनंद उठाते हैं.

पूजा का कार्यभार संभालते हैं सहोदर भाई: यहां पूजा का कार्यभार बड़ा पांडेडीह निवासी स्व. अर्जुन पांडेय के पुत्र मुरलीधर पांडेय एवं सरयू पांडेय संभालते आ रहे हैं. यहां काली पूजा के अवसर पर आयोजित महोत्सव का कार्यभार स्थानीय बस्ती तथा आसपास के उत्साही लोग उठाते हैं. प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी काली पूजा महोत्सव के आयोजन को लेकर एक कमेटी भी बनाई गई है. आयोजकों के अनुसार मेला का उद्घाटन 11 नवम्बर को किया जायेगा. जबकि 12 नवंबर को रात्रि में मां काली का पूजन एवं हवन होगा.

काली पूजा समिति का आयोजक मंडल

मां काली महोत्सव के आयोजक मंडल में मंदिर समिति के गोपाल अग्रवाल, मनोज चौहान , दीपक प्रसाद , रंजीत ठाकुर, प्रमुख प्रतिनिधि बैजनाथ प्रसाद, ठाकुर महतो, महादेव , राजेंद्र, शिवा चौहान, देवानंद चौहान, सुभाष, जेश, बिनोद , प्रदीप, गुड्डू, सुरेंद्र, सोनू पांडेय, राजू, योगेश , बीरेन्द्र , विष्णु , शंभु , बजरंग,श्याम, कुणाल, कुन्दन, दीपक, पवन , कैलाश, यश एवं अन्य गणमान्य लोग की महत्वपूर्ण भूमिका है.

मंदिर निर्माण में इनकी भूमिका महत्वपूर्ण

कभी लघु रूप रहा यह काली मंदिर आज भव्य रूप ले चुका है. इसके नवनिर्माण भवन निर्माण व मूर्ति स्थापना में स्थानीय विधायक ढुल्लु महतो, उनके अग्रज शत्रुघ्न महतो, बाघमारा के पूर्व बीडीओ प्रभाकर सिंह एवं स्थानीय ग्रामीणों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है.

बच्चों के बीच प्रतियोगिताओं का किया गया आयोजन

संवाददाता। कोडरमा

श्री दिगम्बर जैन विद्यालय में बच्चों के बीच घरौंदा प्रतियोगिता, दीपक सजाओ एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पार्षद पिंकी जैन शामिल हुईं. विद्यालय के संयोजक सुनील छाबड़ा, कार्यकारिणी सदस्य संदीप सेठी, नवीन सेठी एवं शिक्षिकाओं ने पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया. कार्यक्रम में जज के रूप में सफल प्रतियोगियों का चयन विद्यालय की सहसंयोजीका रीता सेठी, रोटरी क्लब के सचिव नवीन जैन, कार्यकारिणी सदस्य संदीप सेठी,नवीन डब्बू सेठी ने किया. विद्यालय के संयोजक सुनील छाबड़ा ने दीपावली की शुभकामनायें सभी शिक्षक एवं छात्रों को दी. भगवान महावीर के निर्वाण पर जैनों ने दीपक जला कर इस पर्व को प्रकाश मय बनाया.

धनतेरस पर लोगों ने खूब खरीदारी की. राज्य के हर शहर के चौक-चौराहे और गलियां इस पर्व पर गुलजार रहीं. बाजारों में लोग सुबह से ही खरीदारी के लिए पहुंचने लगे थे. मंदिरों में भी पूजा-अर्चना की भीड़ देखी गई. स्टील, तांबा, पीतल, कांसा और अन्य धातुओं के बर्तन की दुकानें दुल्हन की तरह सजी थी. दीपावली के दीये और छठ के सामान भी खूब बिक रहे थे. जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया खरीदारों की भीड़ बढ़ती गई. सोना-चांदी, बर्तन, इलेक्ट्रानिक सामान से लेकर दुपहिया-चार पहिया वाहनों के शो रुम में खरीदारों की भीड़ जमी थी. खिली धूप और साफ मौसम ने धनतेरस के उत्साह को और बढ़ा दिया था. राजधानी रांची, धनबाद, जमशेदपुर, हजारीबाग, गिरिडीह सहित अन्य शहरों में धनतेरस पर खूब सामान बिके. एक अनुमान के अनुसार झारखंड में करोड़ों रुपए की खरीदारी लोगों ने की. जिसमें सोने-चांदी के आभूषण, वर्तन, वाहन और इलेक्ट्रॉनिक सामान प्रमुख रुप से शामिल हैं. मान्यता को लेकर सबसे अधिक बिक्री झाड़ की हुई. शुभम संदेश की टीम ने राज्य के विभिन्न जिलों में धनतेरस पर हुई खरीदारी की जानकारी हासिल की है. पेश है रिपोर्ट.

क्या है मान्यता

यह पर्व हर वर्ष कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को मनाया जाता है. इस दिन भगवान धन्वंतरि की पूजा की जाती है. कहते हैं कि भगवान धन्वंतरि सोने के कलश के साथ प्रकट हुए थे. साथ ही त्रयोदशी के दिन ही आयुर्वेद के देवता धन्वंतरि की जयंती भी मनाई जाती है. ऐसा माना जाता है कि कोई भी धनतेरस के दिन खरीदारी करता है, तो उससे मां लक्ष्मी प्रसन्न रहती हैं और घर में सुख-शांति बनी रहती है.

- शहरों के चौक-चौराहे और गलियां गुलजार रहीं, दुल्हन की तरह सजी थी दुकानें
- लोग सुबह से ही खरीदारी के लिए बाजारों में पहुंचने लगे थे, मंदिरों में पूजा के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ थी
- खूब बिके स्टील, पीतल और कांसे के बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक सामानों की दुकानों में भी उमड़ती रही भीड़

धनतेरस
बाजार बूम पर

आदित्यपुर

धनतेरस पर सुबह से उमड़ी ग्राहकों की भीड़ ज्वेलर्स, बर्तन, कार के शो-रूम में लगी भीड़

आदित्यपुर के बाजारों में धनतेरस के सुअवसर पर सुबह से ग्राहकों की भीड़ उमड़ पड़ी. ज्वेलर्स, बर्तन, कार आदि के शोरूमों में लंबी भीड़ लगी रही.

मुकेश ज्वेलर्स एंड संस

प्रोपराइटर मुकेश कुमार ने बताया कि ज्यादा डिमांड सोने चांदी के सिक्के, चांदी के बर्तनों की रही. 10 ग्राम सोने का सिक्का 24 कैरेट 65200 और 22 कैरेट का सिक्का 60100 रुपये, 10 ग्राम चांदी के सिक्के 800 रुपये में बिका. यहां 5 ग्राम से 200 ग्राम के सिक्कों की मांग रही. लक्ष्मी गणेश की मूर्ति 10 ग्राम से लेकर 3 किलोग्राम तक की उपलब्ध रही जिसे ग्राहकों ने पसंद किया.

प्रकाश चंद्रा, मैनेजर सेल्स पेबको मोटर्स

पेबको मोटर्स के मैनेजर सेल्स प्रकाश चंद्रा ने कहा कि पिछले साल की अपेक्षा धनतेरस में कार का मार्केट बेहतर रहा. धनतेरस पर पेबको एरिना से कुल 78 कारों की डिलीवरी की गई. मार्केट बेहतर रहने की वजह से ही ग्राहकों को 15 से 25 हजार रुपये तक की छूट दी गई.

केके प्रसाद, बर्तन विक्रेता

धनतेरस में बर्तन की दुकान लगाने वाले केके प्रसाद ने बताया कि बाजार अच्छा है, स्टील के साथ लोग कांसा, पीतल के बर्तन, पूजा के लिए लक्ष्मी गणेश की मूर्ति और घंटी खरीद रहे हैं. उम्मीद है धनतेरस का मुहूर्त कल तक का है तो बाजार अच्छा रहेगा और लोग जरूरत की चीजें खरीदकर धनतेरस मनाएंगे.

चक्रधरपुर

धनतेरस पर सुबह से लेकरदेर रात तक दुकानों पर रही भीड़

धनतेरस पर चक्रधरपुर के बाजार में खूब रौनक रही. लोगों ने धनतेरस पर जमकर खरीदारी की.धनतेरस को लेकर दुकानें सजायी गई थी. इस अवसर लोगों ने सोने-चांदी के आभूषण, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक सामान, फर्नीचर, दो पहिया गाड़ियां, झाड़ू सजावटी के सामान इत्यादि की खरीदारी की. सबसे ज्यादा भीड़ बर्तन व आभूषणों के दुकान पर दिखी. बर्तन दुकानों में लोगों ने रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाले बर्तनों के अलावे पूजा के बर्तनों की खरीदारी की. इसमें पीतल के दीये,पूजा डाला, प्लेट इत्यादि जमकर बिके. वहीं कई लोगों ने जरूरत के हिसाब से स्टील व कांसा के बर्तनों की भी खरीदारी की. इसी तरह इलेक्ट्रॉनिक दुकानों में फ्रीज, टीवी, साउंड सिस्टम, वॉशिंग मशीन, लैपटॉप, मोबाईल, पंखा समेत अन्य सामानों की खरीदारी की. देर शाम तक बाजार में खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ लगी रहीं. चक्रधरपुर शहरी क्षेत्र के अलावे ग्रामीण क्षेत्र से भी बड़ी संख्या में धनतेरस की खरीदारी करने के लिए लोग पहुंचे थे.

लगभग तीन करोड़ से अधिक का हुआ कारोबार, स्कूटी की खूब बिक्री हुई

✓ धनतेरस के अवसर पर चक्रधरपुर में लगभग तीन करोड़ रूपये से अधिक का कारोबार हुआ. इस वर्ष मोटरसाइकिल की तुलना में स्कूटी की बिक्री अधिक रही. इसके लिए लोगों ने धनतेरस की बुकिंग पहले ही एडवांस बुकिंग करा लिया था, जिसकी डिलिवरी धनतेरस पर लिया.वहीं सोने-चांदी के आभूषणों में ज्यादातर लोगों ने चांदी के सिक्के की खरीदारी की.

सोने-चांदी के आभूषणों की बिक्री

✓ धनतेरस पर शुक्रवार को सोना, चांदी के आभूषणों के दुकान पर भीड़ रहीं. चक्रधरपुर में आभूषण दुकानदारों ने बताया कि चांदी की तुलना सोने के जेवरों की ज्यादा डिमांड रहीं. सोने के जेवरों में अंगूठी, कान के बाली, झुमके, हाथ के कंगन, सोने के चेन इत्यादि की बिक्री हुई. वहीं चांदी के सामानों में चांदी के सिक्के, गणेश-लक्ष्मी की मूर्ति, छोटे बर्तन इत्यादि की लोगों ने खरीदारी की.

धनवंतरि की हुई पूजा

✓ धनतेरस पर लोगों ने घरों व दुकानों में धनवंतरि की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की. खासकर लोगों ने भगवान धनवंतरी, कुबेर, यम व भगवान लक्ष्मी-गणेश की पूजा अर्चना की. इस अवसर पर लोगों ने अपने घरों को आकर्षक बिजली लाईटों से सजाया था.

धनबाद

बाजार बूम पर, कारोबारियों के चेहरे खिले

धनतेरस को लेकर धनबाद के बाजारों में शुक्रवार को सुबह से ही बाजारों में रौनक रही. जैसे-जैसे दिन बीता बाजार ग्राहकों से पट गया. हर सेक्टर में खरीदारी होती रही. हर सेक्टर के कारोबारियों ने अच्छा कारोबार किया. कारोबारियों की मानें तो इस धनतेरस में धनबाद में 400 करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार रहा. इस बार भी सर्राफा, ऑटोमोबाइल सेक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स, फर्नीचर व रियल स्टेट जैसे बड़े सेक्टरों में ग्राहकों ने एडवांस बुकिंग कर रखी थी. धनतेरस के दिन सामानों की डिलीवरी की गई. इस बार ऑटोमोबाइल क्षेत्र में 100 करोड़, सर्राफा 100 करोड़, इलेक्ट्रॉनिक्स 20 करोड़, फर्नीचर 20 करोड़, रियल स्टेट 60 करोड़, मॉडर्न गैजेट्स (मोबाइल, लैपटॉप, टैबलेट) 20 करोड़, किचन व होम अप्लायंस 15 करोड़, झाड़ू 6 करोड़, पूजा सामग्री 2 करोड़ और बर्तन बाजार में 15 करोड़ कारोबार होने का अनुमान कारोबारियों ने लगाया.

सोना चांदी से चमका सर्राफा बाजार

सर्राफा कारोबारियों की मानें तो इस धनतेरस 100 करोड़ का कारोबार रहा. सोना-चांदी की चमक से बाजार गुलजार रहा. व्यवसायियों ने ग्राहकों को विशेष ऑफर से लुभाया. ग्राहकों ने भी खरीदारी में उत्साह दिखाया. आभूषणों की डिलीवरी धनतेरस के शुभ मुहूर्त में की गई. कई लोगों ने धनतेरस के दिन ही खरीदारी की.

पूरे दिन होती रही वाहनों की डिलीवरी

विभिन्न शोरूम प्रबंधकों के अनुसार पूरे दिन वाहनों की डिलीवरी होती रही. बुकिंग इतनी अधिक आने लगी कि वाहन कम पड़ गए. दो चक्का में होंडा, टीवीएस, बजाज, रॉयल इनफील्ड, हीरो, होंडा सहित अन्य कंपनियों की बाइक डिलीवर की गईं. चार चक्का में हुंडई, टाटा, टोयोटा, महिंद्रा सहित अन्य कंपनियों के वाहन डिलीवर हुए.

इलेक्ट्रॉनिक्स सामानों की खूब रही डिमांड

इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार बूम पर रहा. इलेक्ट्रॉनिक्स सामानों में टीवी, फ्रिज, कूलर, वाशिंग मशीन, आयरन, गीजर सहित अन्य सामानों की खूब बिक्री हुई. पहले से बुक हुए सामान धनतेरस के दिन खुब से ही डिलीवर होते रहे. इस सेक्टर के व्यवसायी जिले में 20 करोड़ के कारोबार का अनुमान लगाया. [illegible]

बर्तनों की खूब हुई खरीदारी

धनतेरस पर अधिकांश लोगों ने बर्तनों की भी खरीदारी की. कारोबारियों के अनुसार धनतेरस में करीब 15 करोड़ के बर्तन का कारोबार हुआ. [illegible]

रियल एस्टेट में भी दिखा रुझान

रियल एस्टेट का कारोबार इस बार उछाल पर है. [illegible]

फर्नीचर की होती रही खरीदारी

इस बार लगभग 20 करोड़ रुपए का कारोबार फर्नीचर सेक्टर में हुआ. [illegible]

होम अप्लायंस का बाजार रहा गुलजार

किचन, होम अप्लायंस के कारोबार ग्राहकों से गुलजार रहे. व्यवसायियों के अनुसार इस बार लगभग 15 करोड़ रुपए का कारोबार रहा. [illegible]

पूजन सामग्री की भी खूब बिक्री हुई

[illegible]

झाड़ू खरीदने का शगुन, घर-घर पहुंचा

[illegible]

साहिबगंज

लोगों ने जमकर की खरीदारी मिले ऑफर का उठाया लाभ

धनतेरस पर यहां बाजार में खूब रौनक रही. सोने, चांदी, हीरे, मोती के आभूषण, फ्रिज, अलमारी, भगवान की मूर्ति, पीतल, तांबा, कांसा, स्टील के बर्तन, घड़ी, घंटा, लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति, झाड़ू ,मिट्टी के दिये, चाइनीज बिजली बल्ब, डेकोरेशन के समान और इलेक्ट्रॉनिक आइटम की खूब बिक्री हुई. विभिन्न कंपनियों ने लोक लुभावन वादे के साथ अपने सामान बाजार में पेश की. कहीं कहीं तो शून्य प्रतिशत ब्याज पर भी सामान बेचे गए. यहां तक कि पुराने सामान के बदले नए सामान जैसे स्मार्टफोन आदि की बिक्री की गई. एक से बढ़कर एक ऑफर बाजार में दिया गए. कई जगह तो एक की खरीदारी पर एक सामान मुफ्त का भी ऑफर था. कई जगह 5 हजार की खरीदारी 500 रू की मुफ्त खरीदारी का भी ऑफर था. ग्राहक इस योजना का पूरा लाभ उठाते देखे गए. लोग 0% ब्याज पर फ्रिज कूलर, एसी, अलमारी की खरीदारी करते देखे गए. सोने चांदी की दुकान में भी खूब भीड़ थी. सोने और चांदी के सिक्के की काफी डिमांड देखी गई .बाजार में चाइनीस विद्युत सज्जा की भरमार थी. 35 रुपए से लेकर हजारों रुपए के बिजली के बल्ब बिक रहे थे.

तिसरी (गिरिडीह)

धनतेरस पर तिसरी में भी हुई खूब खरीदारी

धनतेरस को लेकर शुक्रवार को तिसरी प्रखंड में भी भारी चहल पहल रही. बाजार में खरीदारों की भीड़ देर रात तक रही. खासकर शाम के समय चौक और बाजारों में लोगों की भीड़ अधिक देखी गई. प्रखंड के तिसरी चौक, चंदौरी, गुमगी आदि मुख्य बाजारों में शाम से देर रात तक लोगों की चहल - पहल रही. मान्यताओं के अनुसार धनतेरस के दिन बर्तन, झाड़ू आदि की खरीदारी करना शुभ माना जाता है. इसलिए बर्तन दुकानों में सबसे अधिक खरीदारी करते लोगों की भीड़ दिखी. इसमें ज्यादातर महिलाएं खरीदारी करतीं नज़र आयीं. वहीं आतिशबाजी के लिए पटाखों की भी खूब खरीदारी हुई.

बेंगाबाद (गिरिडीह)

खरीदारी के लिए बाजार में उमड़ी भीड़

धनतेरस के शुभ अवसर पर शुक्रवार को गिरिडीह सहित बेंगाबाद बाजार में खरीदारी करने वालों की भीड़ उमड़ पड़ी. बेंगाबाद मुख्य बाजार स्थित जेवर दुकान, बर्तन दुकान समेत अन्य प्रतिष्ठानों में ग्राहकों की भारी भीड़ लगी रही. लोग अपनी पसंद की चीज़ों की खरीदारी ने व्यस्त दिखे. विशेष कर जेवर एवं बर्तन के दुकान में ग्राहकों की ज्यादा भीड़ पाई गई. धनतेरस के शुभ अवसर पर सोना चांदी के आभूषण के अलावे स्टील, तांबा एवं पीतल की बर्तनों की जमकर खरीदारी हुई. बताया जाता है कि धनतेरस के अवसर पर बेंगाबाद में लाखों का कारोबार हुआ .उधर बाजार में उमड़ी भीड़ के कारण बेंगाबाद मुख्य बाजार में जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई. दुकानों के सामने दो पहिया वाहनों एवं ग्राहकों की भीड़ के कारण बाजार में जाम लगा रहा.

रांची

राजधानी में जमकर बरसा धन

धनतेरस पर चारों ओर खूब धन बरसा. लोगों ने जमकर खरीदारी की. दोपहिया से लेकर चार पहिया वाहन के शो रूम में तो रौनक रही ही, शहर के चौक-चौराहों पर सजे बर्तन, साज-सजा और घरेलु उपयोग की वस्तुओं के स्टालों पर भी भारी भीड़ रही. सुबह से देर शाम तक ग्राहकों का तांता लगा रहा. माना जाता है कि धनतेरस पर जो भी वस्तु घर लाया जाता है, उसमें तेरह गुना वृद्धि हो जाती है. इसी भाव से लोग ज्यादातर सोना-चांदी और मूल्यवान वस्तुओं की जमकर खरीदारी की. शहर के छोटे-बड़े व्यापारी प्रतिष्ठानों में साज-सज्जा कर ग्राहकों तो लुभाया ही, कई तरह की विशेष छूट और सुविधाएं भी प्रदान की. इससे बाजार पूरी तरह गर्म रहा. वाहन, सोना-चांदी और इलेक्ट्किल् आइटम के शोरूम में कई दिनों पहले से ही लोगों ने अपने जरुरत के समानों की बुकिंग करा रखी थी, तांकि धनतेरस पर नवीन वस्तु शुभ मुर्हूत में घर लाया जा सके. पंडितों और विद्वानों के अनुसार शुक्रवार को दोपरह साढ़े 12 बजे के बाद खरीदारी का शुभ मुहुर्त बताया गया था. इस कारण पूर्वाह्न बाद बाजार में भारी भीड़ रही. क्या सड़क और व्यापारिक प्रतिष्ठान लोगों से खचा-खच भरा रहा. शोरूप में खरीदे गये दोपहिया और चारपहिया वाहन के साथ चाबी लेते हुए फोटो लेने की होड़ लगी रही. लाल फीते और गुबारे से सजे लक्जरी वाहन खरीदकर लोग शान से पहले मंदिर पहुंच पूजन कराया, फिर घर लौटे तो इंतजार कर रहे परिवारजनों ने भी नूतन वाहन की आरती उतार कर धनतेरस में मंगल कामनाएं की. आर्थिक रूप से कमजोर लोगों ने भी अपने बजट के अनुसार धनतेरस की खरीदारी की. झाड़ू और साबूत धनिया भी खास तौर से खरीदा गई. देर रात तक रंग-गिरंगी लाइटों से जगमगहट में खरीदारी होती रही.

हजारीबाग

खूब बिके दो पहिया-चार पहिया वाहन जेवर दुकानों में भी ग्राहकों की भीड़

गौरव प्रकाश

शुक्रवार को धनतेरस के साथ दीपावली पर्व का आगाज हुआ. धानतेरस पर खरीदारों की भीड़ बाजारों में उमड़ी. लोगों ने जमकर खरीदारी की. बाजार में धन की वर्षा हुई. एक अनुमान के अनुसार जिले में 60 करोड़ का कारोबार हुआ. हजारीबाग शहर की सड़के लोगों से खचाखच भरी रही.

पसंद की सामग्री : जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ उमड़ने लगी. उपभोक्त अपनी पसंद की सामग्री जैसे इलेक्ट्रानिक गुड्स फर्नीचर, होम एप्लाएंसेस पहले ही पसंद कर चुके थे. सिर्फ प्रतीक्षा थी शुभ धनतेरस की. शुक्रवार को दोपहर बारह बजे के बाद से ही ग्राहकों का हुजूम सड़कों पर उमड़ पड़ा.देर रात तक बाजार में भीड़ रही. अग्रिम बुकिंग कराने के बावजूद कार से लेकर चारपहिया वाहनों की खरीदारी को लेकर लोग को घंटों इंतजार करना पड़ा.

दुकानें गुलजार थी : धनतेरस पर ज्वेलरी शोरूम, इलेक्ट्रॉनिक शोरूम, बर्तन दुकान, ऑटो मोबाइल शोरूम सहित अन्य सभी दुकानें गुलजार थी और ग्राहक अपनी-अपनी पसंद की सामग्री खरीदने में मशगूल थे. ग्राहकों को लुभाने के लिए कुछ न कुछ ऑफर भी दिए गए थे, जिसके चलते ग्राहक आकर्षित होकर खरीदारी कर रहे थे. ज्वेलरी दुकानों में कहीं मेकिंग चार्ज फ्री तो कोई मुफ्त सिक्के दिए.

उपहार व विशेष छूट : इलेक्ट्रॉनिक दुकानों ने किसी भी खरीदारी पर एक निश्चित उपहार व विशेष छूट दिए गए.ऑटोमोबाइल क्षेत्र में शोरूम के लोगों ने ग्राहकों के लिए ट्रॉली बैग, एयर बैग, डिनर सेट, इंश्योरेंस फ्री सहित कई अन्य छूट भी दिए है. धनतेरस को लेकर जेवर दुकानों ने इसकी खूब तैयारी कर रखी थी. धनतेरस में करीब 50 से 60 करोड़ रुपए का कारोबार हुआ, जो पिछले साल की तुलना में अधिक है.

इलेक्ट्रॉनिक सामान : लेक्ट्रॉनिक में अजीम इलेक्ट्रॉनिक्स, रेडियो विजन, न्यू मुन्ना इलेक्ट्रॉनिक, कुंदन इलेक्ट्रॉनिक्स, कृष्णा सेल्स, एनआर ट्रेडर्स, केसरी इलेक्ट्रॉनिक सहित अन्य कई इलेक्ट्रॉनिक शोरूम में एलईडी टीवी, फ्रिज,वाशिंग मशीन, होम थिएटर, कूलर, गीजर, मिक्सर पंखा सहित अन्य सामान प्रचुर मात्रा में उपलब्ध कराया गया है.

जेवर दुकानों में भीड़ : अलंकार ज्वेलर्स, श्री अलंकर ,तनिष्क, जेवर, न्यू जेवर समेत एक दर्जन से अधिक जेवर दुकानों में भीड़ देखने को मिली. दुकानदारों ने ग्राहकों को सहूलियत हो इसके लिए गार्ड का भी व्यवस्था कर रखी थी.

यही नहीं सुरक्षा के भी व्यापक इंतजाम किए गए थे. खास कर चांदी - सोने के सिक्के, गणेश लक्ष्मी की मूर्तियां, सोने के आभूषण लोगों ने दिल खोलकर खरीदे. आलम यह था कि खरीदारी करने के लिए ग्राहकों को घंटों इंतजार भी करना पड़ा. लेकिन ग्राहकों के चेहरे पर धनतेरस की खुशी भी दिख रही थी.

वाहन बाजार : दो पहिया गाड़ी की बात की जाए तो हीरो के 225, होंडा के 300 और यामाहा के 200 से अधिक गाड़ी बिकी.बुलेट के शुरू में भी काफी भीड़ देखने को मिली. कुछ इसी तरह के हाल चार पहिया गाड़ी के शोरूम में भी देखने को मिली.

जमीन की खरीदारी : धनतेरस के अवसर पर लोगों ने जमीन की खरीदारी भी जमकर की है. हजारीबाग रजिस्ट्री ऑफिस में करीब 40 से अधिक केवाला किया गया. ऐसे में अनुमान लगाया जाता है कि करोड़ों रुपया का जमीन की खरीदारी भी धनतेरस के दिन हुई है. देर शाम तक रजिस्ट्री ऑफिस में जमीन रजिस्ट्री करने वालों की भीड़ देखने को मिली.

बेरमो

बाजारों में रौनक, लोगों ने जमकर खरीदारी की

दीपावली व धनतेरस की खरीदारी को लेकर बेरमो कोयलांचल के बाजार में रौनक है. बेरमो के फुसरो बाजार, कथारा और गोमिया सहित आसपास के बाजारों में शाम को लोग घर से निकले और सामर्थ के अनुसार खरीदारी की. सजावट , रंग बिरंगी इलेक्ट्रॉनिक लाइट , मिट्टी की गणेश लक्ष्मी की प्रतिमा ,वर्तन , ज्वेलरी , इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की टीवी, फ्रिज, एलईडी, म्यूजिक सिस्टम सहित फर्नीचर की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ देखी गई, दुकानदारों का कहना है कि पिछले वर्ष कोरोना काल था. आर्थिक नुकसान हुआ था. उसकी भरपाई इस वर्ष पूरा होने की उम्मीद है. दुकानदारों ने बताया कि धनतेरस के दिन घरेलू समाग्री खरीदारी करना शुभ माना जाता है. इसलिए लोग कुछ न कुछ खरीदने के लिए आते हैं. क्षेत्र के दुकानदार, ग्राहकों को लुभाने के लिए अपनी अपनी दुकानों को सुसज्जित कर रखते हैं, ताकि ग्राहक उसी की दुकान में आए. आर्थिक मंदी के बावजूद भी बेरमो के फुसरो, कथारा, गोमिया, बोकारो थर्मल सहित आसपास के क्षेत्र में लगभग पांच करोड़ से ज्यादा का करोबार होने का अनुमान है. दुकानदारों का कहना है कि यदि ऑनलाइन खरीददारी नहीं होती तो व्यापार और अधिक होता.

2,40,000 की एक टीवी बिकी

फुसरो के सैमसंग स्मार्ट प्लाजा दुकान के मालिक रवि सिंह ने बताया कि सैमसंग फ्रेम की एक टीवी सबसे महंगी कीमत दो लाख चालीस हजार रुपये में बिकी. इसके अलावा डबल डोर का फ्रिज एक लाख सत्तर हजार रुपये में बिकी है.

चंदवा

महंगाई का नहीं दिखा ज्यादा असर खरीदारी के लिए उमड़ती रही भीड़

धनतेरस पर महंगाई का असर ज्यादा देखने को नहीं मिला. शुक्रवार को धनतेरस के अवसर पर शहर के मुख्य सड़क के किनारे मिठाई से लेकर हर प्रकार की दुकानों में भीड़ देखने को मिली. स्टील, कांसा, पीतल के बर्तन, साजो-सामान समेत दीपावली में उपयोग में आने वाली चीजों की दुकानों में लोग उमड़ पड़े. बाजार में दिन भर चहल पहल रही. दोपहर ढलते ही दुकानों में खरीददारों का जमावड़ा लगने लगा. लोग बढ़ती महंगाई में भी अपनी क्षमता के अनुसार खरीदारी करते रहे. धातु के बर्तन, मूर्ति, झाड़ू समेत अन्य चीजों की खूब खरीदारी हुई.

दुकानदार बोले- लोगों ने क्षमता के अनुसार की खरीदारी

धनतेरस को शुभ लक्ष्मी का दिन माना जाता है. धनवंतरी का दिन माना जाता है. ऐसी मान्यता है कि इस दिन धातुओं की खरीदारी करने से घर पर लक्ष्मी का आगमन होता है और पूरे वर्ष घर में सुख-शांति बनी रहती है. घर धन संपदा से भरा रहता है. इस अवसर पर दुकानदार भी दुकान सजा कर ग्राहक को लुभाने के लिए कई जतन करते हैं. दुकानदारों का कहना है कि पिछले कुछ वर्ष तो महामारी में गुजर गया. दुकानदारों का कहना है कि बाजार में बहुत ज्यादा रौनक नहीं थी, पर ग्राहकों ने अपनी क्षमता के अनुसार खरीदारी की.

लातेहार

बाजार में उमड़ी भीड़, खूब हुई खरीदारी

धनतेरस पर लातेहार के बाजार में खूब भीड़ उमड़ी. लोगों ने इस मौके पर जरुरत के सामान की खरीदारी की. केंद्रीय विद्यालय का छात्र आदित्य राज ने कहा कि उसे साइकिल की जरूरत थी. इसलिए उसने धनतेरस पर एक साइकिल खरीदी है. इससे उसे स्कूल जाने में आसानी होगी. आदित्य ने कहा कि वह पहले से ही साइकिल लेने की सोच रहा था, लेकिन घर वालों ने कहा कि धनतेरस एक शुभ दिन होता है, इसलिए वह धनतेरस पर ही साइकिल खरीदी और आज ही इसकी पूजा भी की है.

रस्म अदायगी की जा रही : पूनम देवी

गृहणी किरण देवी ने कहा कि महंगाई का असर बाजार में है. हर चीज महंगी हो गयी है. खास कर स्टील व पीतल के बर्तनों की कीमतों में आग लगी हुई है. लोग अब बस धनतेरस में रस्म अदायगी ही कर रहे हैं. उन्होंने भी स्टील व पीतल के छोट मोटे बर्तन खरीदे हैं. इसके अलावा पूजा के अलावा भगवान गणेश व माता लक्ष्मी की प्रतिमा व कैलेंडर की खरीददारी की है.

कीमतें अधिक थी : किरण देवी

गृहणी किरण देवी ने कहा कि धनतेरस के मौके पर खरीदना तो बहुत कुछ था, लेकिन कीमत अधिक होने के कारण अधिक कुछ नहीं खरीद सकी. वैसे भी धनतेरस में सभी ज्वैलरी, बर्तन व अन्य सामानों के कीमतों में हमेशा वृद्धि देखी जाती है. कुछ घरेलु सामान खरीदा है. छोटे मोटे बर्तन व चांदी के सिक्के खरीदे हैं. इसके अलावा बच्चों की जरूरत की सामान की खरीदारी की है.

गोड्डा

बाजार में दिखा जबरदस्त उत्साह, उमड़ी भीड़

धनतेरस को लेकर बाजार में दोपहर बाद से ही खरीदारी शुरू हो गई थी. खासकर बर्तन की दुकान में लोगों की ज्याद भीड़ देखी गई. दोपहर के बाद से ही बाजार में भीड़ होने शुरू हो गई थी. लोग जगह-जगह खरीदारी करते दिखे. बर्तन का बाजार दुकान से लेकर सड़कों के किनारे तक पसरा हुआ था. कई दुकानदार जिले के बाहर से अपने माल बेचने आए हुए थे. दुकानदार विनोद शर्मा ने बताया कि वह देवघर से हर वर्ष धनतेरस के अवसर पर गोड्डा बाजार आते हैं और माल बेचकर जाते हैं. उन्होंने बताया कि देवघर से आकर गोड्डा के बाजार से सस्ते पर हमारा सामान उपलब्ध रहता है. इस वजह हमें माल बेचने में ज्यादा परेशानी नहीं होती है. मिठाई की दुकान में भी भीड़ देखी गई. बर्तन व्यापारी जानू टेकरीवाल के अनुसार गोड्डा में धनतेरस की तीन से चार करोड़ की खरीदारी हुई.

जमशेदपुर

खूब हुआ कारोबार, सभी सेक्टर रहे गदगद

धनतेरस पर लौहनगरी के बाजारों में खूब रौनक दिखाई दी. बाजार खरीदारों से गुलजार रहे और लोगों ने भी जमकर खरीदारी की. जिले में धनतेरस पर बाजारा 400 करोड़ रुपए से अधिक का करोबार होने की उम्मीद है. साकची, बिष्टुपुर, गोलमुरी, कदमा, टेल्को, बर्मामाइंस समेत तमाम बाजारों में सुबह से ही भीड़ दिखी. सोने-चांदी और डायमंड के आभूषणों के अलावे इलेक्ट्रानिक सामान और कार-बाइक की बिक्री खूब हुई. इस धनतेरस में हुए इस कारोबार से दुकानदार भी खुश नजर आए. एक आंकड़े के अनुसार पिछले वर्ष की तुलना में इस बार सोने-चांदी के आभूषणों की बिक्री में 30 से 40 प्रतिशत तक उछाल रहा. अधिकतर परिवारों ने अपने लिए सोने व चांदी के सिक्कों की खरीदारी की. इलेक्ट्रिक वाहनों की भी अच्छी डिमांड रही. वहीं, दो पहिया वाहनों की जमकर खरीदारी की गई. जिन लोगों ने पहले से अपने लिए वाहनों की बुकिंग करा ली थी, उन्हें धनतेरस के दिन डिलीवरी दी गई. इसके अलावा रियल एस्टेट, कपड़े, बर्तन, फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक्स सामान की खरीदारी के लिए शोरूम में ग्राहकों की भीड़ रही.

• सोना-चांदी : 120 करोड़

सर्राफा बाजारों में धनतेरस की धूम रही. सभी शोरूम में सोने-चांदी के अलावा हीरे की ज्वेलरी की लेटेस्ट फैशन व डिजाइन में एक से बढ़कर एक ज्वेलरी की लंबी रेंज में जमकर खरीदारी हुई. जानकारों की माने तो सर्राफ मार्केट में काफी सुधार हुआ है. इसलिए धनतेरस के अवसर शहर में 120 करोड़ का कारोबार हुआ. इनमें सोने व चांदी के सिक्कों की सबसे ज्यादा बिक्री हुई. वहीं, डायमंड की भी ज्यादा मांग रही. दोपहर से ही दुकानों में भीड़ उमड़ने लगी थी. कई आभूषण दुकान सोने व डायमंड की मेकिंग पर 25 से 30 प्रतिशत की छूट दे रहे थे, इसके कारण भी कई खरीदारों ने बचत को देखते हुए आभूषणों की जमकर खरीदारी की.

• ऑटोमोबाइल सेक्टर : 200 करोड़

ऑटोमोबाइल में दो या चार पहिया के अलावा कॉमर्शियल छोटे और भारी वाहनों की काफी डिमांड रही. इस साल 40 प्रतिशत मार्केट ग्रोथ किया और लगभग 200 करोड़ का कारोबार हुआ. इसमें कुछ हिस्सेदारी इलेक्ट्रिक वाहनों की भी रही. सभी शोरूम में अच्छी भीड़ रही. यहां दो पहिया वाहनों में रॉयल इनफील्ड, स्प्लेंडर प्लस, होंडा के बाइक, यामाहा आर वन और केटीएम के कई मॉडलों की जिन्होंने प्री बुकिंग कराई थी, उन्होंने धनतेरस के दिन उसकी डिलिवरी ली. वहीं, चार पहिया वाहनों में मारुति, हुंडई, महिंद्रा, मर्सिडीज सहित कंपनियों के वाहनों की अच्छी बिक्री हुई.

• इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार : 50 करोड़

शहर के इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार में धनतेरस के दिन लोगों ने एलईडी टीवी, सिंगल व डबल डोर फ्रिज, वॉशिंग मशीन, माइक्रोवेब, सहित नए मॉडल वाले मोबाइल फोन व लैपटॉप खरीदे. कई इलेक्ट्रॉनिक्स दुकानों में धनतेरस को ध्यान में रखकर कई आकर्षक उपहार ग्राहकों को दे रहे थे. इसके अलावा लकी ड्रा और स्क्रैच कार्ड, शून्य डाउन पेमेंट, जीरो प्रोसेसिंग चार्ज की सुविधा भी थी. शहर में सबसे महंगा सैमसंग 98 इंच का एलइडी टीवी बिकी, जिसकी कीमत 12 लाख रुपये है.

• बर्तन बाजार : 20 करोड़

बर्तन बाजार में अच्छी भीड़ देखी गई. लोगों ने अपनी जरुरत के बर्तनों की खरीदारी की. स्टील, पीतल और अन्य धातुओं के बर्तनों की खरीदारी लोगों ने की. सबसे अधिक स्टील के बर्तन बिके, जबकि बर्तन स्टैंड, स्टेनलेस स्टील के सामान सहित पीतल व कांसे के बर्तनों की खरीदारी की गई. माइक्रोवेब और इंडक्शन चूल्हा की अच्छी डिमांड रही. श्री इन वन प्रेशर कुकर, अप्पम मेकर, इडली के बर्तन की भी खूब खरीदारी हुई.

• एक करोड़ के बिके झाड़ू

मान्यता है कि धनतेरस के दिन झाड़ू खरीदना शुभ होता है. इसके कारण भी शनिवार को झाड़ू लोकल मेड वाले 40 रुपये से लेकर ब्रांडेड झाड़ू 170 रुपये तक में बिके. मान्यता के अनुसार अधिकतर लोग यहां दो झाड़ू खरीदते हैं. यही कारण है कि बिक्री का आंकड़ा बढ़ गया.

देवघर

बाबा नगरी में भी खूब हुई खरीदारी

धनतेरस के मौके पर बाबा नगरी देवघर में दुकानें गुलजार रहीं. आभूषण, बर्तन, धातु के अन्य सामान, पूजा के सामान से लेकर वाहनों के शो रूम में लोगों की भीड़ रही. लोगों ने अपने जरुरत के हिसाब से खूब खरीदारी की. कारोबारियों ने ग्राहकों को लुभाने के लिए अपने स्तर पर भी तैयारी की थी. कनिष्क इंटर प्राइजेज के मालिक कनिष्क ने बताया कि 33 रुपये प्रतिदिन से लेकर 3 हजार की ईएमआई पर सामान उनके शो रुम में उपलब्ध थे. कनज्यूमर ड्यूरेबल फ्रीज, वाशिंग मशीन, टीवी , अलमीरा जैसे बड़े सामान ठेला और टोटो पर लादकर घर ले जाते देखे गए. शाम को बाजारों में खरीदारों की ज्यादा भीड़ रही. सोने-चांदी के आभूषण, स्टील के बर्तन के साथ साथ झाड़ू की खूब डिमांड रही. करोबारियों को उम्मीद है कि शनिवार को भी खरीदारों की भीड़ उमड़ेगी.

जामताड़ा

शहर से लेकर गांव तक के बाजार रहे गुलजार

धनतेरस को लेकर शुक्रवार को जामताड़ा बाजार सहित ग्रामीण इलाकों के फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, सर्राफा, गैजेट्स, पूजन सामग्री व अन्य दुकानों पर लोगों ने जमकर खरीदारी की .जहां सुबह से ही टू व्हीलर शो रूम में बाइक की डिलेवरी आरंभ थी .वही चारपहिया वाहनों के शो रूम में ग्राहकों की भीड़ देखी गई .इस संबंध में चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने कहा कि उम्मीद है कि लगभग 20-22 करोड़ रूपए की खरीदारी का अनुमान है .खासकर ऑटोमोबाइल सेक्टर में 10-12 करोड़ रूपए के दोपहिया,चारपहिया व बैट्री वाहनों की बिक्री हो सकती है.

ब्रीफ खबरें

संजीवनी अकादमी में हुई रंगोली प्रतियोगिता

चंदवारा(कोडरमा)। चंदवारा प्रखंड के बांझेडीह रोड नंदनगर व पिपराही बेहराय स्थित संजीवनी अकादमी में रंगोली एवं दीप कलश सजाओ प्रतियोगिता आयोजन किया गया. जिसमें छात्र -छात्राओं ने कई रंगोली बनाएं. रंगोली के साथ साथ दीपावली की शुभकामनाएं व एक दीया शहीदों के नाम से शहीदों को श्रद्धांजलि भी दी. वहीं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का संदेश भी दिया. पिपराही बेहराय में दीप-कलश सजाओ प्रतियोगिता में नंदनी कुमारी,राधा शिवम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया. वही रंगोली में विनीता व ग्रुप ने प्रथम स्थान प्राप्त किया.

निर्माणाधीन जलमीनार का किया निरीक्षण

जयनगर (कोडरमा)। विधायक अमित कुमार यादव ने नईटांड गांव में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा करोड़ों की राशि खर्च कर निर्माण किये जा रहे जल मीनार निर्माण कार्य की जांच की. जांच के दौरान उन्होंने कहा कि जनता से मिली शिकायत पर जब वह जांच करने पहुंचे तो पाया कि मिट्टी युक्त बालू ,लोकल छड़ और लोकल सीमेंट का प्रयोग किया जा रहा है. ढलाई में वाइब्रेटर भी नहीं चलाया जा रहा. वहीं ढाले गए जगह पर पानी भी नहीं पटाया जा रहा है. विधायक श्री यादव ने मौके पर विभाग के कार्यपालक अभियंता को फटकार लगाते हुए कहा कि स्वयं आकर जब तक जांच नहीं कर लेते तब तक निर्माण कार्य बंद रहेगा.

छोटी जगहों के तालाब की नहीं हो रही सफाई

धनबाद। छठ पूजा को लेकर नगर निगम क्षेत्र के प्रमुख तालाबों की सफाई निगम द्वारा शुरु करा दी गई है. वहीं, छोटे क्षेत्रों के तालाबों की सुध लेने की फुर्सत नहीं है. वार्ड नं 30 पतराकुल्हि के मांझी तालाब में गंदगी और जलकुंभी की भरमार है. इसके बावजूद इसकी सफाई पर निगम का कोई ध्यान नहीं है. यही हाल भेलाटांड़ के तालाब का भी है. पतराकुल्हि के इस तालाब में सैकड़ों श्रद्धालु छठ व्रत करते है. स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले साल भी इस तालाब की सफाई निगम द्वारा नहीं कराई गई थी. इस वर्ष भी तालाब की सफाई को लेकर निगम निरंकुश बना हुआ है. नगर प्रबंधक रणधीर वर्मा ने कहा कि पूरे निगम क्षेत्र में 150 तालाबों की सूची है.

स्वदेशी अपना कर ही होगा राष्ट्र का विकास : शालिनी

कोडरमा। मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत झुमरीतिलैया के शिव शक्ति नगर में दीया एवं मिट्टी के घरोंदे व अन्य सामग्री बनाने वाले शिल्पकारों का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व जिप अध्यक्ष शालिनी गुप्ता, विशिष्ट अतिथि नगर प्रशासक हर्ष वर्धन, अतिथि सिटी मैनेजर डॉ. अरविंद मोदी, निवर्तमान पार्षद बालगोविन्द मोदी, अहिवरण वंशज के अध्यक्ष सूर्यदेव मोदी, सचिव पंकज कुमार वर्णवाल, परियोजना निर्देशक अजय वर्णवाल आदि मौजूद थे. पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष शालिनी गुप्ता ने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं को अपनाकर ही हम राष्ट्र का विकास कर सकते हैं. वहीं नगर प्रशासक हर्षवर्धन ने कहा कि जो संस्कृति 5000 वर्षों से चली आ रही है, उसको वर्तमान के शिल्पकार (कुम्हार) बरकरार रखें हुए हैं, यह अतुलनीय है.

बालिका शिक्षा पर हुए विविध कार्यक्रम

कोडरमा। कैलाश राय सरस्वती विद्या मंदिर झुमरी तिलैया में शुक्रवार को बालिका शिक्षा के तत्वावधान में कई प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए गए. जिसमें क्ले से दीप बनाना, दीप-कलश सज्जा, चित्रकला, रंगोली एवं आरती थाल सज्जा जैसे कई कार्यक्रम आयोजित किए गए. सभी कक्षाओं के भैया वंदना स्थल पर दीपावली एवं छठ पूजा से संबंधित कथाओं पर प्रकाश डालें. कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन व पुष्पार्चन के साथ प्रारंभ हुआ. कक्षा प्रथम में पृशा, साम्भवी और आराध्या क्रमशः प्रथम द्वितीय और तीसरे स्थान पर रहे. कक्षा तृतीय से अमोली को दीप-कलश सज्जा में प्रथम स्थान मिला. वही रिशु और जानवी चंद्रा को द्वितीय और तृतीय स्थान मिला. चित्रकला प्रतियोगिता में बहन पंखुड़ी प्रथम स्थान पर रही वही शांभवी श्रीवास्तव और गुनगुन द्वितीय और तृतीय स्थान पर रही.

तीन नक्सलियों को सुरक्षा बलों ने किया गिरफ्तार

संवाददाता। चाईबासा

पश्चिमी सिंहभूम जिला पुलिस और सीआरपीएफ की टीम को भाकपा माओवादियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष ऑपरेशन में बड़ी सफलता हाथ लगी है. सुरक्षा बलों ने तीन नक्सलियों को गिरफ्तार किया है और उनकी निशानदेही पर विस्फोटक बनाने का सामान सहित भारी मात्रा में अन्य सामान बरामद हुआ है.

गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तारी : पिछले 10 अक्टूबर से पश्चिमी सिंहभूम जिले के टोंटो और गोइलकेरा थाना क्षेत्र में जंगल और पहाड़ के बीच सुरक्षा बलों की ओर से नक्सलियों के खिलाफ विशेष ऑपरेशन चलाया जा रहा है. इसी क्रम में गुप्त सूचना के आधार पर टोंटो थाना क्षेत्र के हुसीपी गांव से

नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया. इसकी पुष्टि एसपी आशुतोष शेखर ने शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी. पकड़े गए नक्सलियों में टोंटो थाना क्षेत्र के हुसीपी का डेबाय पुरती एवं जुरिया बहांदा उर्फ माटा और गोईलकेरा थाना क्षेत्र के बोयपाईससांग गांव का लेबिया बोईपाई शामिल हैं.

गिरफ्तारी के बारे में जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने बताया कि माओवादियों द्वारा अंजाम दिए गए कई घटनाओं में यह तीनों आरोपी शामिल रहे हैं. पूछताछ के दौरान उन्होंने अपना अपराध स्वीकार किया है. इनकी निशानदेही पर आईईडी विस्फोटक बनाने का सामान बरामद किया गया है. एसपी ने बताया कि गोइलकेरा के हाथीबुरू पुलिस कैंप पर हमला, टोंटो और गोइलकेरा थाना क्षेत्र में सुरक्षा बलों कौन निशाना बनाने के लिए आईईडी, डायरेक्शनल बम और प्रेशर बम लगाने के मामले, गुवा थाना क्षेत्र में मैगजीन लूट कांड, पुलिस पिकेट हाथीबुरू में राशन लेकर जा रहे ट्रैक्टर को उड़ाने सहित अन्य मामलों में आरोपी हैं.

खास बातें

- पुलिस पिकेट में राशन ले जा रहे ट्रैक्टर को उड़ाने समेत कई आरोप
- निशानदेही पर विस्फोटक बनाने का सामान हुआ बरामद

आओ जानें

राज्यवार कितने घरों में हैं टूव्हीलर

गोवा	86.7%	उत्तराखंड	46.1%
पंजाब	75.6%	अरुणाचल प्रदेश	43.6%
राजस्थान	66.4%	ओडिशा	43.5%
तमिलनाडु	63.9%	मिजोरम	41.5%
हरियाणा	63.3%	झारखंड	41.1%
गुजरात	61.1%	मणिपुर	40.8%
कर्नाटक	61.1%	हिमाचल प्रदेश	32.3%
केरल	58.2%	जम्मू-कश्मीर	30.3%
तेलंगाना	55.3%	असम	29.0%
छत्तीसगढ़	54.8%	प. बंगाल	28.5%
महाराष्ट्र	53.9%	त्रिपुरा	27.4%
दिल्ली	53.1%	बिहार	27.2%
मध्यप्रदेश	51.5%	मेघालय	20.2%
उत्तर प्रदेश	51.1%	सिक्किम	11.4%
आंध्रप्रदेश	47.0%	नगालैंड	16.7%

(स्रोत : नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5, 2019-21)

भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय की संयुक्त सचिव ने किया जिले का दौरा

17 योजनाओं की जानकारी देगा जागरूकता वाहन

संवाददाता। रामगढ़

भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय की संयुक्त सचिव आराधना पटनायक ने शुक्रवार को रामगढ़ जिले का दौरा किया. इस दौरान उन्होंने समाहरणालय सभाकक्ष में उपायुक्त, रामगढ़ चंदन कुमार सहित अन्य या वरीय अधिकारियों के साथ बैठक की. बैठक के दौरान पटनायक के द्वारा केंद्र सरकार की पहल ''विकसित भारत संकल्प यात्रा'' को लेकर जानकारी देने के क्रम में बताया कि समाज के आखिरी व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ एवं कई महत्वपूर्ण जानकारियां पहुंचाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा अनुसूचित जनजाति बहुल जिलों में 15 नवंबर एवं अन्य जिलों में 22 नवंबर से जागरूकता वाहन को रवाना किया जाएगा. जागरूकता वाहन के माध्यम से सरकार की प्रमुख 17 योजनाओं प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, किसान सम्मान निधि योजना, केसीसी, पोषण अभियान, जनधन योजना, सुरक्षा बीमा योजना, जल जीवन मिशन आदि योजनाओं की जानकारी दी जाएगी. जागरूकता वाहन का प्रमुख उद्देश्य समाज के आखिरी व्यक्ति तक पहुंचाना, उनके बीच सरकार की योजनाओं को लेकर जागरूकता फैलाना, लोगों से सरकार की योजनाओं को लेकर उन्हें मिल रहे लाभ से संबंधित फीडबैक लेना तथा उनके क्षेत्र में ही लोगों को सरकार की योजनाओं से लाभान्वित करना है.

आयुष्मान भवः अभियान की जानकारी ली

समाहरणालय सभा कक्ष में बैठक के दौरान संयुक्त सचिव पटनायक के द्वारा रामगढ़ जिले में आयुष्मान भव : अभियान के तहत किए गए कार्यों की जानकारी सिविल सर्जन डॉ. महालक्ष्मी प्रसाद से ली गई. साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत लोगों को मिल रहे लाभ की भी जानकारी ली. मौके पर पटनायक के द्वारा देश के कई हिस्सों में स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए गए बेहतरीन प्रयासों को अधिकारियों के साथ साझा किया गया. एनएचएम डीएमएफटी तथा सीएसआर के माध्यम से रामगढ़ जिले में भी इस तरह के प्रयास किए जाने की बात उन्होंने कही.

केंद्रीय पदाधिकारी चंद्राकर भारती ने लिया आकांक्षी प्रखंड पतरातू का जायजा

रामगढ़। आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु अपर सचिव भारत सरकार सह सेंट्रल प्रभारी पदाधिकारी, चंद्राकर भारती के द्वारा पतरातू प्रखंड में जिला प्रशासन रामगढ़ के प्रखंड पदाधिकारी मनोज कुमार गुप्ता के नेतृत्व में आकांक्षी कार्यक्रम के अंतर्गत चोरधरा पंचायत के रंका टोला में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट (जल आपूर्ति योजना), बच्चों में पोषकता एवं पढ़ाई की शुरूआती जागरूकता सुनिश्चित करने हेतु आगनबाड़ी, लापंगा पंचायत मे हेल्थ एन वेलनेस सेंटर एवं प्रज्ञा केंद्र, देवरिया बस्ती पंचायत में मनरेगा अंतर्गत अमृत सरोवर एवं आम्र बगीचा और शिक्षा सह रोजगार संबंधित चल रहे पाठयक्रम का निरीक्षण पतरातू ब्लॉक अंतर्गत किया गया.

छात्र समूह स्कूल में हुआ सम्मानित

संवाददाता। डोमचांच (कोडरमा)

बीआर इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित माईम प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर मंजुला शर्मा मेमोरियल एकेडमी दूसरे स्थान प्राप्त किया . दूसरे स्थान प्राप्त करने वाले छात्र समूह को स्कूल में सम्मानित किया गया.

मौके पर प्राचार्य रामप्रवेश पांडे ने बच्चों को डिक्शनरी और पेन देकर सम्मानित करते हुए कहा कि विद्यालय के छात्र-छात्राओं के समूह द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सहोदय के दर्जनभर विद्यालय समूह में दूसरे स्थान प्राप्त करना गौरवपूर्ण है. वही छात्र- छात्राओं के लिए अनुकरणीय बताया. इस दौरान छात्रों से ऐसे प्रतियोगिता के लिए विभिन्न विषयों पर अपने आप को तैयार रखने की बात कही.

सहोदया ग्रुप के विभिन्न विद्यालय के बच्चों के बीच सामाजिक कुरीतियों के विभिन्न विषयों पर प्रतियोगिता रखी गई थी, जिसमें विद्यालय के छात्रों ने बच्चों द्वारा मोबाइल के अत्यधिक प्रयोग से होने वाले नुकसान के संबंध में मार्मिक प्रस्तुति दिया था. जिसे लेकर मंजुला शर्मा मेमोरियल अकैडमी प्लस टू विद्यालय के स्वीटी कुमारी, प्राची सिंह, रीमा कुमारी, मयंक कुमार को सामूहिक रूप से सम्मानित किया गया था. मौके पर शिव कुमार, राकेश रोशन,अलख सिंह, आकांक्षी प्रिया, रीता कुमारी, समेत दर्जनों शिक्षक, शिक्षिका मौजूद थे.

'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' को लेकर हुई बैठक

संवाददाता। केरेडारी

राज्य सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम की तैयारी को लेकर शुक्रवार को बैठक हुई. बैठक में बताया गया कि आयोजन 24 नवम्बर से 26 दिसंबर तक किया जाएगा.

इस अभियान के तहत प्रत्येक पंचायत में शिविर आयोजित किया जायेगा. शिविर में अबुआ आवास योजना, बिरसा सिंचाई कूप योजना, जाति आय जन्म मृत्यु दिव्यांगता प्रमाण पत्र, जमीन से संबंधित म्यूटेशन, लगान रसीद निर्गत करना, वनाधिकार पट्टा, 15वें वित्त से संबंधित योजनाओं सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ केरेडारी प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में आयोजित शिविर में लाभुकों को लाभान्वित किया जाएगा. इस अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु प्रखंड सभागार में प्रमुख सुनीता देवी, अंचलाधिकारी राम रतन कुमार वर्णवाल एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी अमीत कुमार की उपस्थिति में प्रखंड स्तरीय सभी विभाग के पर्यवेक्षक एवं अन्य कर्मी उपस्थित थे. प्रमुख ने उपस्थित पदाधिकारियों से सरकार की इस महात्वाकांक्षी जनकल्याणकारी अभियान को जनहित में सभी जरूरतमंद लोगों तक शिविर के माध्यम से सफलतापूर्वक पहुंचाने का निर्देश दिया.

गरीबों को को मिलेगा पक्का घर :बीडीओ

पत्थलगड़ा। आपकी सरकार आपकी योजना कार्यक्रम के तहत अबूआ आवास योजना के क्रियान्वयन को लेकर शुक्रवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी मोनी कुमारी ने बैठक की. बैठक में योजना के सफल क्रियान्वयन को लेकर कई बिंदुओं पर चर्चा की गई. प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बताया कि 15 नवंबर से 25 नवंबर तक आपकी योजना आपकी सरकार कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. कार्यक्रम में स्टॉल लगाया जाएगा और इस बाबत लाभुकों से आवेदन प्राप्त किए जाएंगे. बीडीओ ने बताया कि 15 नवंबर को नावाडीह, 17 को बरवाडीह, 21 को सिंघानी, 22 को मेराल और 23 को नोनगांव पंचायत मुख्यालय में शिविर का आयोजन होगा.

सरकार की फासीवादी नीति विनाशकारी : जनार्दन प्रसाद

संवाददाता। जयनगर(कोडरमा)

भाकपा माले का राजनीतिक प्रशिक्षण जिला सचिव राजेंद्र मेहता की अध्यक्षता में हुई. मौके पर पार्टी के केंद्रीय कमेटी के सदस्य जनार्दन प्रसाद उपस्थित थे. प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित करते हुए जनार्दन प्रसाद ने कहा कि फासीवाद और फासीवादी का स्वरूप देशहित के लिए विनाशकारी नीति है. केंद्र की भाजपा सरकार एक विशेष समुदाय को टारगेट कर रहा है. साथ ही लोकतंत्र संविधान बचाने को लेकर आंदोलनकारियों, बुद्धिजीवी, लेखक, पत्रकारों, विपक्ष के नेताओं को लक्ष्य बनाकर जेल में डाला जा रहा है. आज मोदी सरकार की विनाशकारी नीतियों से देश और जनता को बचाने के लिए संघर्ष में शामिल होने की जरूरत है. उन्होंने कहा कि आगामी 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर प्रधानमंत्री मोदी का खूंटी आगमन हो रहा है. उन्होंने कहा कि मौके पर राजव्यापी आंदोलन के तहत प्रखंड स्तरीय भाजपा हटाओ, देश बचाओ मार्च को सफल बनाने की जरूरत है.

विधायक ने कंडाबेर में उप स्वास्थ्य केंद्र निर्माण कार्य का किया शिलान्यास

सुदृढ़ स्वास्थ्य व्यवस्था प्राथमिकता : अंबा

संवाददाता। केरेडारी

विधायक अंबा प्रसाद ने केरेडारी प्रखंड के कंडाबेर में उप स्वास्थ्य केंद्र निर्माण कार्य का शिलान्यास कर आधारशिला रखी. गुरुवार देर शाम ग्राम कंडाबेर पहुंचने पर विधायक अंबा प्रसाद का कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय लोगों ने जोरदार तरीके से ढोल बाजे के साथ एवं फूल माला पहनाकर स्वागत किया. विधायक अंबा प्रसाद ने विधिवत रूप से पूजा अर्चना कर नारियल फोड़ते हुए शिलापट्ट का अनावरण किया.

इस दौरान जिला परिषद सदस्य गीता देवी भी उनके साथ मौजूद रहे. इस अवसर विधायक ने कहा कि क्षेत्र के सभी हिस्सों में सुदृढ़ स्वास्थ्य व्यवस्था उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता में रहा है. विधायक ने कहा कि हमारा उद्देश्य क्षेत्र के अंतिम छोर पर लोगों के देखभाल की निरंतरता में स्वास्थ्य प्रणालियों और संस्थानों की क्षमता विकसित करने पर केंद्रित हैं.

संवेदक ससमय पूर्ण करें निर्माण : प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक और वर्तमान और भविष्य की महामारियों/आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए स्वास्थ्य प्रणालियों को सुदृढ़ करने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है. निर्माण कार्य करा रहे संवेदक पवन साव एवं विशेष प्रमंडल के अधिकारियों को कार्य को गुणवत्ता के साथ एवं ससमय पूर्ण करने को कहा. मौके पर मुख्य रूप से जिला परिषद सदस्य गीता देवी, विधायक प्रतिनिधि सुरेश साव, प्रखंड कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं बीस सूत्री उपाध्यक्ष रविंद्र गुप्ता, गंगाधर साव,आनंद कुमार सहित सैकड़ों महिला पुरुष मौजूद थे.

ओल्ड एज होम में मनाई दीपावली, मुस्कुराए बुजुर्ग

संवाददाता। हजारीबाग

मारवाड़ी युवा मंच ने 'आनंद सबके लिए' कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को दीपावली से पूर्व उपेक्षितों के बीच दीपावली मनाई. सरकारी स्कूली बच्चे, ओल्ड ऐज होम, रिक्शा चालकों के बीच मिठाई का वितरण किया. मौके पर सभी के चेहरे पर एक अलग ही खुशी देखने को मिल रही थी. वहीं ओल्ड एज होम के बुजुर्गों ने दोनों हाथों से उपस्थित सदस्यों को आशीर्वाद दिया. साथ ही स्कूली बच्चों के साथ भी वक्त बिताया गया. मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष सीए विनीत अग्रवाल ने दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 'आनंद सबके लिए' कार्यक्रम के तहत स्कूली बच्चे, ओल्ड ऐज होम सहित अन्य लोगों के बीच मिठाई बांटे गये. साथ ही कहा की बुजुर्गों के चेहरे पर खुशी देखकर मन प्रसन्न हुआ. वहीं सचिव पीयूष खंडेलवाल ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम आयोजित होने से सदस्यों को एक नई ऊर्जा मिलती है. आने वाले दिनों में मारवाड़ी युवा मंच के द्वारा कई अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेंगे जिसमें समाज के प्रति एक संदेश दिया जाएगा. कार्यक्रम में अध्यक्ष सीए विनित अग्रवाल, उपाध्यक्ष दीपक खंडेलवाल उर्फ मोनू सचिव पीयूष खंडेलवाल, कोषाध्यक्ष अनिकेत जैन, मीडिया प्रभारी सचिन खण्डेलवाल, अमन चौधरी, बादल गोयल, सौरभ गोयल, शुभम बुबना, आदित्य खंडेलवाल, रितेश खंडेलवाल, धीरज जैन, आदित्य अग्रवाल, वैभव अग्रवाल सहित कई लोग मौजूद थे.

135वीं जयंती पर याद किए गए मौलाना अबुल कलाम आजाद, रांची से रहा गहरा नाता

आधुनिक भारतीय मुस्लिम चिंतन का मूल स्रोत थे आजाद

रेहान अहमद। रांची

मौलाना अबुल कलाम आजाद को आजाद हिंदुस्तान का पहला शिक्षा मंत्री केवल इसलिये नहीं बनाया गया था, कि वह स्वतंत्रता संग्राम के एक निडर सिपाही, एक प्रगतिशील इतिहासकार और कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता थे. बल्कि आधुनिक भारत के निर्माण के लिए जिस चिंतन प्रक्रिया को हमारे पूर्वजों ने स्वीकार किया था. उसके अग्रणी रचयिताओं में मौलाना आजाद का नाम बड़ी श्रद्धा से लिया जाता था. रांची में अपर बाजार स्थित मदरसा की स्थापना में आज भी उनकी कार्य योजनाओं को प्रतिबिंबित होते हुए देखा जा सकता है.

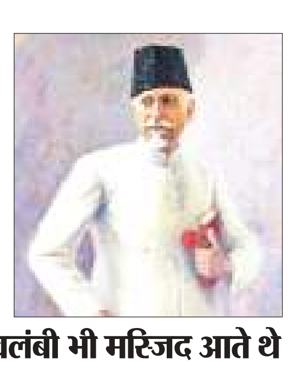

प्रवचन सुनने अन्य धर्मावलंबी भी मस्जिद आते थे

मौलाना आजाद ने इस मदरसे के लिये एक नये पाठ्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की. इस पाठ्यक्रम में उनकी पाकिस्तानी स्कॉलर कमर आस्ता खां के अनुसार, इतनी परिपक्वता थी कि प्राथमिक स्तर पर ही अगर उसका छात्र चाहता तो बिना एक वर्ष गंवाए सरकारी स्कूल की पांचवीं कक्षा में प्रवेश पा सकता था. मौलाना आजाद ने रांची में ही रहते हुए जामा मस्जिद में अन्य धर्मवलंबियों के प्रवेश के लिये प्रयास शुरू किया. यह उन्हीं का प्रयास था कि जुमा के खुत्बे (प्रवचन) में हिंदू भाई भी शामिल होने लगे.

नजरबंदी के दौरान भी मुल्क के लिए सोचते थे : मुफ्ती कासमी

इमारत ए शरिया झारखंड के मुफ्ती व शहर काजी मौलाना अनवर कासमी ने कहा कि मौलाना अबुल कलाम आजाद अपने नजरबंदी के दौरान भी मुल्क के लिये सोचते, फिक्रमंद रहते थे. मुस्लिम समाज के घर-घर में शिक्षा की जोत कैसे जलायी जाये इसके फिक्र में लगे रहते थे. मौलाना आजाद ने दीन के साथ दुनयाबी शिक्षा के महत्व को बताते हुए रांची में मदरसा इस्लामिया की बुनियाद रखी. जहां आज मौलाना आजाद कॉलेज चल रहा है. समाज को ऊपर उठाने के लिये मौलाना आजाद ने अंजुमन इस्लामिया की बुनियाद रखी.

इमाम अली को पत्रचार का काम सौंपा था

अधिवक्ता नसर इमाम ने कहा कि मौलाना अबुल कलाम आजाद रांची के जामा मस्जिद में खुतबा प्रवचन देते थे. उस समय ब्राम्बे गांव निवासी इमाम अली वहीं रह कर अपनी शिक्षा पूरी कर रहे थे. मौलाना आजाद उनसे प्रभावित हुए. उनके पत्राचार का कार्य इमाम अली देखने लगे. नसर इमाम ने कहा कि इमाम अली मेरे दादा थे. नजरबंदी खत्म होने के बाद जब मौलाना आजाद रांची से कोलकाता लौटने लगे तो इमाम अली को साथ चलने को कहा. इमाम अली ने कहा यहीं रह कर देश की खातिर लड़ेंगे.

पेज एक का शेष

एलआईसी को घाटे पर घाटा...

तिमाही के लिए शुद्ध कमीशन की बात करें तो फिर तिमाही के लिए शुद्ध कमीशन 5 हजार 807 करोड़ रुपये से बढ़कर 6 हजार 77 करोड़ रुपये हो गया. एच1एफवाई24 के लिए ग्रुप बिजनेस की कुल प्रीमियम इनकम 70 हजार 977 करोड़ रुपये रही, जो पिछले साल की इसी अवधि में 1 लाख 2 हजार करोड़ रुपये थी. बीमाकर्ता की प्रबंधन के तहत संपत्ति पिछले वर्ष के 42 लाख 93 हजार करोड़ रुपये की तुलना में 10.47 फीसदी बढ़ा है और यह 47 लाख 43 हजार करोड़ रुपये हो गयी.

बीमाकर्ता ने पहली छमाही में 80 लाख 60 हजार पॉलिसी बेचीं

बीमाकर्ता ने पहली छमाही में 80 लाख 60 हजार पॉलिसी बेचीं, जबकि पिछले साल की समान तिमाही में उन्होंने 83 लाख 59 हजार पॉलिसी बेची थीं. शुक्रवार को एलआईसी का शेयर 0.68 फीसदी की गिरावट के साथ 610.55 रुपये के स्तर पर बंद हुआ. अगर हम एलआईसी के शेयर का 52 सप्ताह का उच्चतर स्तर और निचला स्तर देखें तो फिर इसके शेयर का 52 सप्ताह का उच्चतर स्तर 754.40 रुपये है. वही, अगर हम इसके शेयर का 52 सप्ताह का निचला स्तर की बात करें तो फिर यह 530.20 रुपये है. एलआईसी के शेयर ने अपने निवेशकों को पिछले 6 महीने में करीब 8.92 फीसदी का रिटर्न दिया है. वही, अगर हम पिछले 5 कारोबारी दिनों की बात करें तो फिर यह शेयर पिछले 5 कारोबारी दिनों में 0.14 गिरा हैं. वहीं, अगर हम एलआईसी के शेयर का पिछले 1 वर्ष का हाल देखे तो फिर पिछले 1 साल में एलआईसी के शेयर में लगभग 2.79 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है.

ब्रीफ खबरें

गांव में नहीं रह सकते तो नौकरी छोड़ दें: पाठक

पटना। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) शिक्षक बहाली परीक्षा से चयनित टीचरों को पोस्टिंग दी जा रही है. इस बीच शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक ने नए शिक्षकों को साफ लहजे में कहा है कि उन्होंने अपनी मेरिट साबित कर दी. अब वे ईमानदारी दिखाएं और गांव के स्कूलों में जाकर अच्छे से पढ़ाएं. अगर गांव में नहीं रह सकते तो आज ही नौकरी छोड़ दें. बता दें कि बीपीएससी परीक्षा से चयनित अधिकारत शिक्षक अभ्यर्थियों को ग्रामीण इलाके के स्कूलों में पोस्टिंग दी जा रही है, जहां लंबे समय से पद खाली हैं.

भूमि विवाद में दो पक्षों में जमकर हुई मारपीट

मुंगेर। जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई. इस दौरान दो सगे भाइयों को दूसरे पक्ष के लोगों ने फरसा से हाथ काट दिया. मामला शुक्रवार का कोतवाली थाना क्षेत्र के गंगानगर इलाके का है. इस हमले में दो भाईयों समेत सगी बहन भी गंभीर रूप से घायल हो गई. घायल भाईयों के नाम अमरेश कुमार और प्रीतम कुमार हैं. वहीं, घायल बहन का नाम आरती कुमारी है. परिजनों ने घायल बेटों और बेटी को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया. जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को हायर सेंटर रेफर कर दिया.

रेलवे स्टेशन पर शिक्षक की गोली मारकर हत्या

गया। बदमाशों ने एक सरकारी शिक्षक की गोली मारकर हत्या कर दी. घटना गुरुवार रात की रेलवे स्टेशन पर हुई. इस वारदात से गया जंक्शन पर अफरातफरी का माहौल पैदा हो गया. मृतक की पहचान गौतम बुद्ध कॉलोनी निवासी नरेंद्र कुमार (44) के रूप में हुई है. नरेंद्र की पास के जिले औरंगाबाद में प्लस टू स्कूल में तैनाती थी. गुरुवार को ड्यूटी से लौटते वक्त उनकी हत्या कर दी गई. जानकारी के मुताबिक शिक्षक रोजाना ट्रेन से स्कूल आते-जाते थे. गुरुवार को ड्यूटी कर शाम में वे सासाराम-धनबाद इंटरसिटी एक्सप्रेस से गया जंक्शन पहुंचे.

तमिलनाडु में प्रवासी बिहारियों के साथ हिंसा के कथित मामले में फंसे मनीष कश्यप को बड़ी राहत मिली

मदुरै कोर्ट ने मनीष की जमानत अर्जी किया मंजूर

संवाददाता। पटना

मदुरै कोर्ट ने बिहार के चर्चित यूट्यूबर त्रिपुरारी कुमार उर्फ मनीष कश्यप की जमानत अर्जी को मंजूर कर लिया है. इसके साथ ही मनीष पर लगाए गए एनएसए की धाराओं को भी हटा लिया है. इसके साथ ही तमिलनाडु में प्रवासी बिहारियों के साथ मारपीट और हिंसा के कथित मामले में फंसे मनीष कश्यप को बड़ी राहत मिली.

इससे कश्यप के समर्थकों और परिजनों में काफी खुशी देखी जा रही है. हालांकि मनीष कश्यप की तुरंत रिहाई पर संशय है क्योंकि उन

पर बिहार में भी मामले दर्ज हैं. उन्हें बाकी मामलों में जमानत मिलने का इंतजार करना होगा. बता दें कि आठ महीने पहले तमिलनाडु के विभिन्न जिलों में रहकर काम करने वाले प्रवासी बिहारी के साथ

मिली राहत
- मनीष कश्यप पर बिहार में भी कई मामले दर्ज हैं
- फर्जी वीडियो बनाकर वायरल किया गया था

मारपीट और हिंसा की खबरें आईं थी. मामला गर्म होने के बाद बिहार के अधिकारियों की टीम तमिलनाडु गई और पूरी जांच की गयी.

जांच के दौरान पता चला कि कुछ लोगों के द्वारा नफरत फैलाने का उद्देश्य से फर्जी वीडियो बनाकर वायरल किया गया. जांच के दौरान मनीष कश्यप की संलिप्तता की बात सामने आई. यूट्यूबर पर आरोप है कि फर्जी वीडियो बनाकर नफरत फैलाने के मकसद से प्रसारित किया. इस मामले में तमिलनाडु के अलावा बिहार में भी उस पर कई केस दर्ज किए गए. वहीं 18 मार्च 2023 को बेतिया में दर्ज एक आपराधिक मामले में कुर्की जब्ती की प्रक्रिया शुरू होने के बाद मनीष कश्यप ने जगदीशपुर थाने में सरेंडर कर दिया. उन्हें पटना लाया गया जहां से बिहार पुलिस की पूछताछ के बाद तमिलनाडु पुलिस ने भी उन्हें गिरफ्तार कर लिया और मदुरै ले गई. तमिलनाडु पुलिस ने उन पर एनएसए यानि राष्ट्रीय सुरक्षा कानून की धाराओं में कार्रवाई शुरू कर दी. माननीय कोर्ट ने इसे हटा दिया है.

मनीष को जमानत भी दे दी गयी है. फिलहाल दोनों राज्यों में मनीष कश्यप पर कार्रवाई चल रही है. जब जांच शुरू हुई तो ईडी ने भी उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दिया. ईडी में 4 केस दर्ज कर उनके यूट्यूब चैनल के दफ्तर और अन्य ठिकानों पर छापेमारी की गयी. वहीं पिछले दिनों कोर्ट में पेशी के दौरान मनीष कश्यप ने लालू यादव के खिलाफ बड़ी बात कह दी थी.

आओ जानें
सामान्य ज्ञान

- विक्रमशिला महाविहार बिहार के किस जिले में स्थित है - भागलपुर
- रेडिकल डेमोक्रेटिक पार्टी की स्थापना किसने की - एमएन राय
- समान संख्या में परमाणु वाले न्यूक्लिएड को कहा जाता है - समस्थानिक
- राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस प्रतिवर्ष कब मनाया जाता है - 9 नवंबर
- उत्तर भारत में गुप्त काल के समय दक्षिण में कौन सा वंश था - राष्ट्रकूट
- एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब किस देश ने जीता - भारत
- समुद्री जल को किस प्रक्रिया से शुद्ध किया जा सकता है - आसवन
- जाड़कोर पूजा किस जनजाति का सर्व प्रमुख त्योहार है - खड़िया
- गोपथ ब्राह्मण किस वेद से संबंधित है - अथर्ववेद
- बिहार में मानसून कहां से आता है - बंगाल की खाड़ी
- किस ईरानी यात्री ने 1619 में बिहार की यात्रा की थी - मोहम्मद सादिक

श्रेयसी सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को दलित विरोधी बताया

सीएम ने मांझी का अपमान किया

संवाददाता। पटना

बिहार विधान मंडल के शीतकालीन सत्र में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बयान से सत्ता पक्ष और विपक्ष में गतिरोध बढ़ता जा रहा है. एक तरफ जेडीयू नीतीश के बयानों का बचाव कर रही है तो भाजपा हमलावर है. महिलाओं के बाद नीतीश कुमार ने पूर्व सीएम जितेंद्र मांझी के साथ सदन में जो व्यवहार किया, उससे भाजपा विधायक नाराज हैं. अब इसमें भाजपा एमएलए श्रेयसी सिंह का प्रवेश हो चुका है.

श्रेयसी सिंह ने भी नीतीश कुमार पर गंभीर आरोप लगाए. महिला विधायक ने बिहार सरकार और मुख्यमंत्री को दलित विरोधी बताया. शुक्रवार को श्रेयसी सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार ने बिहार के मुख्यमंत्री रहे जीतनराम मांझी को अपमानित किया है. नीतीश जी कभी गलत बात नहीं करते. उन्होंने नीतीश कुमार की सरकार पर महिला विरोधी और दलित विरोधी होने का आरोप लगाया. श्रेयसी सिंह ने यहां तक कह दिया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का संस्कार गिर गया है इसीलिए महिलाओं और दलितों को लेकर उनके मुंह से ऐसी बात निकली.

उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री

जीतनराम मांझी जी विधानसभा अध्यक्ष की अनुमति से अपनी बात कह रहे थे. लेकिन, मुख्यमंत्री ने उन्हें अपनी बात भी पूरी नहीं करने दी और बीच में ही उन पर भड़क गए. इस

बढ़ा गतिरोध
- मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का संस्कार गिर गया है
- सीएम विधानसभा में नियम का पालन नहीं करते हैं
- जीतन राम मांझी सदन में ही धरने पर बैठ गए

नीतीश के खाने में कुछ मिलाया जा रहा है

सदन में नीतीश कुमार के बदले व्यवहार पर जीतन राम मांझी ने कहा कि साजिश के तहत नीतीश कुमार को खाना में मिलाकर विषैला पदार्थ खिलाया जा रहा है. इसी कारण वह महावीर चौधरी के बदले अशोक चौधरी पर फूल चढ़ा रहे हैं. नीतीश जी जिस तरह से बोल रहे हैं, उससे लगता है कि उनके खाने में जहरीला पदार्थ मिलाकर उनके खिलाफ साजिश की जा रही है. शुक्रवार को भी जीतन राम मांझी ने नीतीश कुमार के खिलाफ अपनी भड़ास निकली और सदन में ही धरने पर बैठ गए. मांझी ने नीतीश को दलित विरोधी सीएम बताया. वहीं इस दौरान जीतन राम मांझी सीएम नीतीश कुमार के खिलाफ साजिश रचे जाने का भी आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि किस और सीएम बनाने के लिए नीतीश कुमार के खाने में कुछ मिलाया जा रहा है. नीतीश के करीबियों पर नेता विपक्ष विजय सिन्हा ने भी आरोपी लगाया.

दौरान कई अपमानजनक बातें कह दी जो जो लोकतंत्र और संविधान दोनों के हिसाब से ठीक नहीं है. उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार विधानसभा में नियम का पालन नहीं करते हैं. मुख्यमंत्री और विधानसभा स्पीकर की बात नहीं सुनते हैं. मांझी उलूल-जुलूल बात नहीं करते हैं बल्कि नीतीश कुमार की सरकार महिला विरोधी है और एससी विरोधी भी है. मुख्यमंत्री ने जनसंख्या नियंत्रण को लेकर भी जो सदन में बयान दिया उसे सही नहीं कहा जा सकता. सीएम ने जिस तरीके से इस तथ्य को प्रस्तुत किया वह गलत है. उसके बाद गुरुवार को तो मुख्यमंत्री पूर्व सीएम जीतनराम मांझी पर आप ऐसे बाहर हो गए यह दोनों ही गलत बात है.

बता दें कि गुरुवार को जीतन राम मांझी बिहार सरकार द्वारा कराए गए जाति सर्वेक्षण और आरक्षण को सही तरीके से लागू करने की प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे थे. इसी दौरान मुख्यमंत्री उन पर बिगड़ गए. बार-बार कहा कि मैं इसे सीएम बना दिया यह मेरी मूर्खता थी या किसी लायक नहीं है. इसे कोई सेंस भी नहीं है. गवर्नर बनने का मन है तो बेकार की बात बोल रहे हैं. इस पर श्रेयसी सिंह का कहना है कि जीतन राम मांझी ने कोई गलत बात सदन में नहीं कही. सीएम ने खुद आगे बढ़कर उन्हें चुप करा दिया और अपमानित करने वाली भाषा का प्रयोग किया.

दिवाली आई, घर की याद आई...

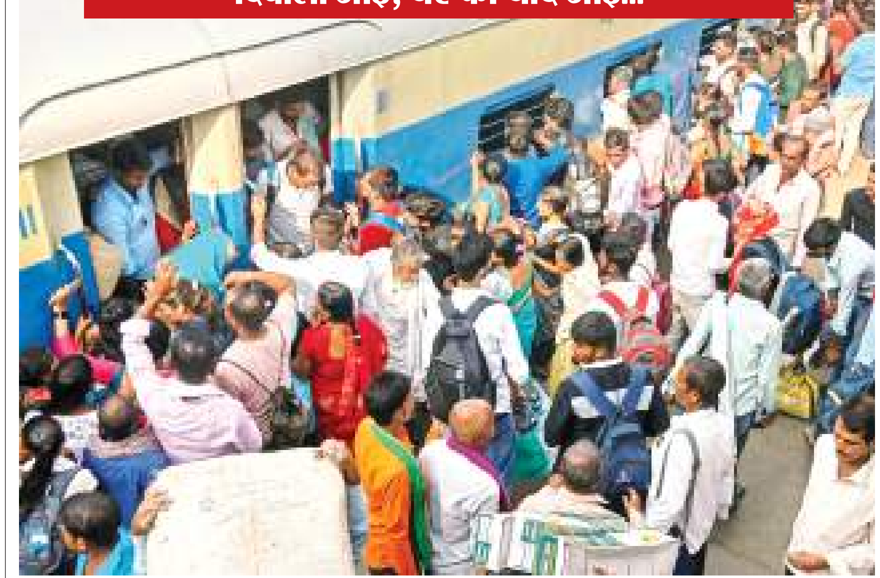

दिवाली से पहले पटना से अपने गृहनगर पहुंचने के लिए ट्रेन में चढ़ने के लिए जद्दोजहद करते लोग.

पटरी के पास मिली प्रेमी जोड़े की लाश

समस्तीपुर। प्रेमी जोड़े ने ट्रेन के आगे खुद अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली. घटना जिले के समस्तीपुर-दरभंगा रेलखंड पर रामभद्रपुर व हायाघाट स्टेशन के बीच धनहर रेलवे गुमटी के समीप की है.

शुक्रवार की सुबह प्रेमी जोड़े की क्षत-विक्षत शव पटरी के पास ग्रामीणों ने देखा. ग्रामीण शव को देख स्तब्ध हो गए. बताया जा रहा है कि प्रेमी जोड़ा समस्तीपुर के कल्याणपुर

दी जान
- धनहर रेलवे गुमटी के पास मिला दोनों का शव
- प्रेमी जोड़ा रामभद्रपुर पंचायत के कपरपट्टी गांव का था

थाना क्षेत्र के रामभद्रपुर पंचायत के कपरपट्टी गांव के रहने वाले हैं. मृतक लड़की गांव के ही बटून राय की 18 वर्ष पुत्री भोली कुमारी के रूप में हुई है. वहीं, मृतक लड़के की पहचान 20 वर्षीय पवन राय के पुत्र मनीष कुमार के रूप में हुई है. बताया जाता है कि भोली की शादी छठ के बाद होनी थी. इसी वजह से प्रेमी जोड़े ने ट्रेन के आगे कूद कर अपनी जान दी है. हालांकि परिवार के लोग इस मुद्दे पर कुछ भी बोलने से परहेज कर रहे हैं.

कारोबार

ईएसएएफ फाइनेंस बैंक के शेयर सूचीबद्ध

नई दिल्ली। ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक के शेयर 60 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब 20 प्रतिशत उछाल के साथ शुक्रवार को सूचीबद्ध हुए. कंपनी के शेयर ने बीएसई पर निर्गम मूल्य से 19.83 प्रतिशत की बढ़त के साथ 71.90 रुपये पर अपनी शुरुआत की. बाद में यह 24.5 प्रतिशत उछलकर 74.70 रुपये पर पहुंच गया. वहीं एनएसई पर शेयर ने 18.33 प्रतिशत की बढ़त के साथ 71 रुपये पर शुरुआत की. कंपनी का शुरुआती कारोबार में बाजार मूल्यांकन 3,685.82 करोड़ रुपये रहा. ईएसएएफ के आईपीओ के आखिरी दिन उसे 73.15 गुना अभिदान मिला.

सिग्नेचर का शुद्ध घाटा 19.92 करोड़ रुपये रहा

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल का चालू वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही में एकीकृत शुद्ध घाटा 19.92 करोड़ रुपये रहा. कंपनी का पिछले साल समान अवधि में शुद्ध घाटा 59.25 करोड़ रुपये रहा था. सिग्नेचर ग्लोबल ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 की जुलाई-सितंबर अवधि में कुल आय घटकर 121.16 करोड़ रुपये हो गई. पिछले वर्ष समान अवधि में यह 135.68 करोड़ रुपये रही थी. दूसरी तिमाही में कुल खर्च घटकर 144.84 करोड़ रुपये रह गया.

टीएचडीसी ने केपीसीएल के साथ किया समझौता

नई दिल्ली। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड (टीएचडीसीआईएल) कर्नाटक में पंप स्टोरेज तथा फ्लोटिंग सोलर सहित 3,270 मेगावाट की स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करने की योजना बना रही है. इस संबंध में उत्तराखंड स्थित कंपनी ने बेंगलुरु में कर्नाटक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (केपीसीएल) और कर्नाटक रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट लिमिटेड (केआरईडीएल) के साथ वृहत्तपरियार को दो समझौता पर हस्ताक्षर किए. टीएचडीसीआईएल के चेयरमैन आरके विश्नोई ने कहा कि विभिन्न परियोजनाओं को विकसित किया जाएगा.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वोकल फॉर लोकल का अभियान अब जोर पकड़ रहा है

लोग जमकर खरीद रहे हैं देसी सामान

भाषा। नई दिल्ली

पहले जहां धनतेरस पर चीनी सामानों के प्रति ग्राहकों को झुकाव रहता था, वह इस बार देखा नहीं है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले कुछ समय से वोकल फॉर लोकल का जो नारा दिया है, उसका असर बाजार पर साफ दिखाई पड़ रहा है. पीएम ने कहा कि ऐसे उत्पाद खरीदें जो स्थानीय स्तर पर बनाए गए हों और फिर नमो ऐप पर उत्पाद या निर्माता के साथ एक सेल्फी साझा करें. अपने मित्रों और परिवार को इस कड़ी में शामिल होने और सकारात्मकता की भावना फैलाने का आह्वान करें. वहीं आर्थिक मोर्चे पर कई दिक्कतों का सामना कर रहे चीन के लिए इस बार दिवाली भी फीकी होने जा रही है. लोग जमकर देसी सामान की खरीदारी कर रहे हैं. इससे चीन को एक लाख करोड़ रुपये की चपत लगने का अनुमान है.

बाजार में धनतेरस के पहले ही खरीदारी शुरू हो गई. देशभर के बाजारों में काफी रौनक देखी जा रही है. इस मौके पर राजधानी दिल्ली समेत देशभर में 50 हजार करोड़ रुपये की बिक्री का अनुमान है. इस

किया आह्वान
- 50 हजार करोड़ रुपये के कारोबार का अनुमान है
- चीन को एक लाख करोड़ की चपत लग सकती है
- देशभर के बाजारों में काफी रौनक देखी जा रही है

भारत से अमेरिका को निर्यात 23 अरब डॉलर बढ़ा

सेमीकंडक्टर चिप्स से लेकर कई तरह के सामान को लेकर भारत चीन पर अपनी निर्भरता कम कर रहे हैं. इससे देश में आर्थिक विकास को गति मिली है. पिछले पांच साल में देश से सेमीकंडक्टर, मटरीरियल्स, ऑटो कंपोनेंट्स और मैकेनिकल मशीनरी के निर्यात में काफी तेजी आई है. इस दौरान भारत से अमेरिका को सेमीकंडक्टर और मटीरियल का निर्यात 143 परसेंट बढ़ा है, जबकि चीन के निर्यात में 29 परसेंट गिरावट आई है. साथ ही भारत से ऑटो कंपोनेंट का एक्सपोर्ट 65 परसेंट और मैकेनिकल मशीनरी का एक्सपोर्ट 70 परसेंट बढ़ा है.

बार दिवाली पर स्वदेशी सामान की धूम मची है. सरकार चीन पर निर्भरता कम करना चाहती है और घरेलू स्तर पर प्रॉडक्शन को बढ़ावा जा रहा है. इसका असर दिवाली की खरीदारी पर साफतौर पर दिखाई दे रहा है.

देश में व्यापारियों के सबसे बड़े संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया और राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल का कहना है कि गुरुवार और शुक्रवार को धनतेरस के मौके पर देश भर में लगभग 50 हजार करोड़ रुपये के रिटेल कारोबार होने का अनुमान है. साथ ही इस बार बाजारों में पूरी तरह वोकल फॉर लोकल का जोर दिख रहा है. लोग चीनी सामान छोड़कर भारतीय सामानों की खरीदारी कर रहे हैं. एक अनुमान के अनुसार दिवाली से जुड़े चीनी सामानों की बिक्री न होने से चीन को करीब एक लाख करोड़ रुपये के व्यापार की चपत लग सकती है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से इस दिवाली वोकल फॉर लोकल पर जोर देने का आह्वान किया है. धनतेरस के दिन सिद्धि विनायक गणेश जी, धन की देवी महालक्ष्मी और कुबेर की पूजा की जाती है.

पाक की अंतरिम सरकार अब बैकअप उपायों पर हुई सहमत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की अंतरिम सरकार और अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) इस बात पर आम सहमति पर पहुंच गए हैं कि अगर राजकोषीय और मौद्रिक लक्ष्यों से महत्वपूर्ण विचलन के कारण नकदी संकट से जूझ रहे देश को तीन अरब अमेरिकी डॉलर के मौजूदा राहत पैकेज के व्यापक लक्ष्य को खतरा होता है, तो साल के अंत तक बैकअप उपाय सक्रिय किए जाएंगे. शुक्रवार को प्रकाशित एक मीडिया रिपोर्ट से यह बात सामने आई है. मामले से अवगत सूत्रों ने 'द डॉन' अखबार को बताया कि आईएमएफ का एक दल और पाकिस्तानी अधिकारी शुक्रवार को तकनीकी स्तर की चर्चा का समापन करेंगे. रिपोर्ट के मुताबिक, चर्चा में नवीनतम डेटा का आदान-प्रदान किया जाएगा, जो केवल सितंबर अंत के तिमाही प्रदर्शन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जिसमें सभी व्यापक आर्थिक क्षेत्रों और उनके दूरदेशी परिणामों से जुड़े सवालों के जवाब एवं स्पष्टीकरण भी शामिल होंगे.

रिपोर्ट में कहा गया है कि औपचारिक नीति-स्तरीय वार्ता जहां सोमवार से शुरू होने की उम्मीद है, वहीं दोनों पक्ष भविष्य की कार्रवाई

सरकार तैयार
- चर्चा में नवीनतम डेटा का आदान-प्रदान किया जाएगा
- औपचारिक नीति-स्तरीय वार्ता सोमवार को हो सकती है

पर सहमत हैं, जिसमें खुदरा क्षेत्र पर कराधान का दायरा बढ़ाना और किसी भी कमी के मामले में रियल एस्टेट-आधारित राजस्व संग्रह के लक्ष्य में सुधार करना शामिल है.

रिपोर्ट के अनुसार, अगर राजकोषीय और मौद्रिक लक्ष्यों से महत्वपूर्ण विचलन ऋण पैकेज को खतरे में डालता है, तो दोनों पक्ष साल के अंत तक बैकअप उपायों को सक्रिय करने पर सहमत हुए हैं. इसमें कहा गया है कि मामूली राजस्व अंतर की सूरत में पहली जनवरी से प्रभावी अध्यादेश के माध्यम से खुदरा विक्रेताओं के लिए एक निश्चित कराधान योजना पेश की जा सकती है, जिसके बाद रियल एस्टेट के लिए भी ऐसी कवायद की जा सकती है. अगले सप्ताह नीतिगत चर्चाओं में उपायों को लेकर और विशिष्टताएं सामने आएंगी.

आईपीईएफ की बैठक में हिस्सा लेंगे वाणिज्य मंत्री

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क (आईपीईएफ) की मंत्रिस्तरीय बैठक में हिस्सा लेने के लिए 13-16 नवंबर तक अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को की यात्रा करेंगे. इस दौरान आपूर्ति श्रृंखला जैसे क्षेत्रों में समझौते पर बातचीत की जाएगी. आईपीईएफ 14 देशों का एक समूह है, जिसे 23 मई को तोक्यो में अमेरिका और हिंद-प्रशांत क्षेत्र के अन्य भागीदार देशों द्वारा संयुक्त रूप से शुरू किया गया. ये देश वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में 40 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखते हैं और वैश्विक वस्तुओं व सेवाओं के व्यापार का 28 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करते हैं. वाणिज्य मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी एक बयान के अनुसार, गोयल दोनों देशों के बीच आर्थिक व वाणिज्यिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए व्यापार जगत के लोगों, प्रमुख शिक्षाविदों, अमेरिकी अधिकारियों आदि के साथ भी बातचीत करेंगे. बयान के अनुसार, मंत्री 13-14 नवंबर 2023 को तीसरी व्यक्तिगत आईपीईएफ मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लेंगे, जिसमें वार्ता की प्रगति पर महत्वपूर्ण बदलाव नजर आने की संभावना है. गोयल अमेरिकी वाणिज्य सचिव जीना रायमोंडो और अन्य आईपीईएफ भागीदार देशों के मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगे.

रहस्य — लाइव स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर अवैध कंटेंट मामले में जांच शुरू हुई थी, तब से चेन गायब हैं

डोउ यू के सीईओ चेन शाओजी अचानक गायब हो गए

भाषा। नई दिल्ली

चीन में कारोबारियों के गायब होने का सिलसिला जारी है. एक तरफ चीन की इकॉनमी डूब रही है तो वहीं दूसरी ओर एक के बाद एक कारोबारी रातों-रात गायब होते जा रहे हैं. पहले अलीबाबा के फाउंडर जैक मा अचानक गायब हो गए थे. फिर एक और बड़े इंवेस्टमेंट बैंकर बाओ फैन लापता हो गए थे. सिर्फ कारोबारी नहीं पत्रकार, मंत्री, नेता भी गायब होते रहे हैं. विदेश और रक्षा मंत्री तक चीन में गायब हो गए थे. अब एक और चीनी कारोबारी अचानक गायब हो गया. ताजा मामला चीन की लाइव स्ट्रीमिंग कंपनी डोउ यू से जुड़ा है. डोउ यू के सीईओ चेन शाओजी अचानक गायब हो गए हैं.

चेन शाओजी बीते कई हफ्तों से उन्हें सार्वजनिक मंच पर नहीं देखा गया है. बीते कई हफ्तों से वो न तो ऑफिस में दिख रहे हैं न किसी फंक्शन में. दरअसल हाल ही में उनके लाइव स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर अवैध कंटेंट मामले में जांच शुरू हुई थी, जिसके बाद अब वो अचानक गायब हो गए हैं. चीन की सरकारी

कारोबारी गायब
- चेन शाओजी अक्टूबर के बाद से नहीं देखे गए हैं
- अलीबाबा के फाउंडर जैक मा भी गायब हुए थे
- इंवेस्टमेंट बैंकर बाओ फैन लापता हो गए थे

मीडिया के मुताबिक चेन शाओजी अक्टूबर के बाद से नहीं देखे गए हैं. चेन शाओजी को लेकर कंपनी से सवाल किया गया, जिसका जवाब देने में कंपनी के प्रतिनिधि असमर्थ दिखे. कंपनी पर अवैध और अश्लील कंटेंट को लेकर सवाल उठे, जिसके बाद से ही उसके मालिक गायब हो गए. बता दें कि डोउ यू को चीन की दिग्गज टेक कंपनी टेंसेंट का सपोर्ट हासिल है.

कंपनी का मार्केट कैपिटलाइजेशन 268 मिलियन डॉलर का है. चीन में लाइव स्ट्रीमिंग में इस कंपनी का बड़ा नाम है. चीन की इस लाइव स्ट्रीमिंग कंपनी पर अश्लील और अवैध कंटेंट की जांच शुरू हुई थी. जिसके बाद से ही कंपनी के सीईओ गायब हैं. हालांकि ये पहला मामला नहीं है, जब चीन में कोई कारोबारी गायब हो गया है.

जैक मा ने चीनी सरकार की आलोचना की थी

चीन में बीते कुछ महीनों से अरबपतियों के गायब होने की घटनाएं बढ़ गई हैं. कहा जाता है कि जो भी चीनी सरकार की आलोचना करता है वह गायब हो जाता है. जैक मा ने भी चीन की सरकार की आलोचना की थी, जिसके बाद वो गायब हो गए थे. वहीं बाओ ने चीन की सख्त करप्शन नीति को लेकर आवाज उठाई थी, वो भी गायब हो गए. माना जाता है कि टीन की सरकार की सख्त करप्शन नीति के चलते बिजनसमैन काफी डरे हुए हैं. साल 2012 में सत्ता में आने के बाद चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भ्रष्टाचार विरोधी अभियान चला रहे हैं. अब तक लाखों लोगों की जांच हो चुकी है.

भारत में धनतेरस पर सोने की बिक्री में आ गई है तेजी

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे बड़े सोने के उपभोक्ता देश भारत में दिवाली से पहले धनतेरस पर सोने तथा चांदी की खरीदारी शुक्रवार को सोने की कीमतों में नरमी के साथ उपभोक्ता मांग में सुधार के चलते सकारात्मक रही. सोने का भाव 28 अक्टूबर को 63,000 रुपये के उच्चतम स्तर से 800-1,500 रुपये प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट) तक गिर गया. इससे धनतेरस पर खरीदारी को बढ़ावा मिला जिसे हिंदू पंचांग में कीमती धातुओं से लेकर अन्य वस्तुओं की खरीद के लिए सबसे शुभ दिन माना जाता है.

कारोबारियों को उम्मीद है कि सोने की बिक्री पिछले साल के स्तर को पार कर जाएगी. राष्ट्रीय राजधानी में गुरुवार को सोने की कीमतें 400 रुपये गिरकर 60,950 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गईं. दिल्ली में 2022 में धनतेरस के दिन सोने की कीमतें करीब 50,139 रुपये प्रति 10 ग्राम थीं. सामान्य वर्षों में धनतेरस के दिन करीब 20-30 टन सोने की बिक्री होती है. कारोबारियों ने कहा कि दोपहर 12 बजे के बाद ग्राहकों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है, जो देर रात तक जारी रहेगी. द्रिकपंचांग के अनुसार, धनतेरस पर सोना खरीदने का सबसे अच्छा मुहूर्त शुक्रवार को दोपहर 12 बजकर 35 मिनट बजे से शुरू होगा और 11 नवंबर को दोपहर एक बजकर 57 मिनट पर समाप्त होगा. ऑल इंडिया जेम एंड ज्वैलरी डोमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी) के निदेशक दिनेश जैन ने कहा कि सोने की कीमतें कारोबार के लिए अनुकूल हैं. हम आज अच्छी बिक्री की उम्मीद कर रहे हैं.

त्योहारी सीजन, कुछ छिटपुट बातें

तकरीबन दो सौ की हत्या की जा चुकी है. शिनाख्त के लिए 120 लाशें तरस रही हैं. इंडिया दैट इज भारत को इसी कारण विविधताओं वाला देश कहा जाता है. विविधताओं की एक बानगी भर ऊपर पेश की गई है. कुछेक मामलों में साम्य का कहना ही क्या? मणिपुर में नस्ली हिंसा भड़की ही क्यों? वहां बहुसंख्यक आबादीवाले मैतेइ खुद को एसटी में शामिल कराना चाहते हैं. झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के कुड़मी भी खुद को एसटी सूची में शामिल कराने के लिए आंदोलन करते रहते हैं.

• देश-काल

श्याम किशोर चौबे

त्योहारी सीजन चल रहा है. दशहरा बीत गया. कल दिवाली है. फिर काली पूजा, फिर छठ. छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश आदि पांच राज्यों में तो साक्षात महापर्व चल रहा है. वहां चुनाव है. हर जगह चर्चा-परिचर्चा उन राज्यों की ही है. बैठे-बिठाए मोदी, राहुल, अखिलेश, केजरीवाल की क्लास लगाई जा रही है. बुलडोजर बाबा के देस में आईआईटी बीएचयू की एक छात्रा के साथ 02 नवंबर को जो हुआ, वह पटना या रांची में होता तो कहर ढा जाता. बीच चुनाव में मोदी महोदय जनजातीय गौरव दिवस मनाने 15 नवंबर को बिरसा मुंडा के गांव उलिहातू जानेवाले हैं. पता नहीं क्यों आदिवासी छिटके रहते हैं, जबकि उन्होंने एक साधारण परिवार की आदिवासी महिला द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बना दिया और बिरसा जन्म दिवस को जनजातीय गौरव दिवस तय कर महिमामंडित किया और उसी दिन खुद उनके गांव में पधार रहे हैं. उसी दिन झारखंड स्थापना दिवस भी है. देखते-देखते यह राज्य 23 साल का हो गया. इसी दौर में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन वीमेंस एशियन हॉकी चैंपियनशिप का सफल आयोजन कराकर बाग-बाग हैं. उधर इस राज्य में रोज-रोज हत्या हो रही है. पुलिस बेचारी क्या करे? वह हर किसी की जमातलाशी तो ले नहीं सकती कि किसके पास कट्टा है या पैसे. पैसों पर मौके-बेमौके हाथ फेर ही लेती है.

मौका मिलने पर आपराधिक घटनाओं का मौका मुआयना और तफ्तीश भी कर लेती है. पुलिस के फिसड्डीपने से नाराज जो लोग हुकूमत से खफा हैं, उनके लिए सरयू राय ने लाख टके की बात कह दी है कि हेमंत सरकार के दिसंबर पार करने की संभावना कम है. अलग बात है कि माननीय राय जी अब रघुवर दास पर नहीं बोलते. लालू और कोड़ा पर उन्होंने जो कोड़ा बरसाया, सो बरसाया लेकिन उनकी नहीं चली तो रघुवर पर ही. खाएंगे न खाने देंगे और अनुशासन जैसे आप्त वचनों वाली जिस पार्टी में चार साल पहले सरयू थे और उसी में उनकी वापसी की संभावना दिख रही है. उसी ने उनकी न सुनी. कुछ लोग भले ही जश्न मनाएं कि रघुवर की झारखंड से विदाई हो गई, लेकिन क्या उन्होंने जमशेदपुर को टा-टा कर दिया है? उनकी जिस रूप में विदाई हुई, उसके लिए बहुतेरे महामान्य तरसते हैं. वे महामहिम रघुवर दास हो गये हैं.

लोग अब जिधर नजरें कम फेर रहे हैं, उधर भी झांकें जरा. नस्ली हिंसा में साढ़े पांच महीने से मणिपुर जल रहा है, सो जल ही रहा है. वहां के लोगों के लिए कैसा दशहरा और कैसी दिवाली? बड़े भाग में अभी भी कर्फ्यू तारी है और इंटरनेट सेवाएं ठप हैं. छोटे से झारखंड की आबादी के दशांश से कुछ अधिक आबादी वाले उस राज्य में 50 हजार से अधिक लोग बेघर होकर रिलीफ कैंपों में जीवन गुजार रहे हैं.

तकरीबन दो सौ की हत्या की जा चुकी है. शिनाख्त के लिए 120 लाशें तरस रही हैं. इंडिया दैट इज भारत को इसी कारण विविधताओं वाला देश कहा जाता है. विविधताओं की एक बानगी भर ऊपर पेश की गई है. कुछेक मामलों में साम्य का कहना ही क्या? मणिपुर में नस्ली हिंसा भड़की ही क्यों? वहां बहुसंख्यक आबादीवाले मैतेइ खुद को एसटी में शामिल कराना चाहते हैं. झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के कुड़मी भी खुद को एसटी सूची में शामिल कराने के लिए आंदोलन करते रहते हैं. महाराष्ट्र में शिवाजी के कुल-गोत्र वाले मराठा कुनबी खुद को आरक्षण का हकदार मानते हुए आंदोलन कर रहे हैं. लेकिन वे मणिपुर के कुकी-मैतेइ की नाईं हमलावर नहीं हैं, बल्कि अपनी मांग की पूर्ति के लिए अनशन कर या किसी और भांति अपनी जान दे रहे हैं.

लोग बेकार ही केंद्र पर तंज कसते हैं. कृपालु सरकार 25 रुपये किलो प्याज और 50 रुपये किलो चना दाल बेच रही है, जबकि पांच राज्यों के ऐन महापर्व के बीच 06 नवंबर से साढ़े सताइस रुपये किलो आटा लांच कर दिया. आप तक ये रियायतें जरूर पहुंची होंगी. 04 नवंबर को दुर्ग की रैली में प्रधानमंत्री जी ने एक बार फिर अगले पांच साल तक देश के 80 करोड़ गरीबों को पीएमजेकेएवाई के तहत पांच किलो अनाज देने का ऐलान कर दिया. ऐसी कई सुविधाएं देकर वे दिल से चाहते हैं कि गरीब भी अमीर बनें, लेकिन ये लोग हैं कि 80 करोड़ के 80 करोड़ बने हुए हैं. वे धर्मो रक्षति रक्षितः पर अमल करना ही नहीं चाहते. सरकार के भरोसे कबतक चलेगा? यह न कहिएगा कि जबतक वोट रहेंगे, तबतक चलेगा.

इस सीजन का आप चाहे जितना आनंद लें, जरा पूछकर देखें छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम के नेताओं से. महापर्व में उनकी मानो जान पर बन आई है. राजगद्दी मिल जाए, फिर चाहे जितने त्योहार मना लें. फिलहाल ईडी-उडी हर जगह कड़ी निगहबानी कर रहा है, लेकिन क्या मजाल कि मध्यप्रदेश में भी उसकी आमद हो! आखिर एक घर डायन भी बख्श देती है. है न!

युद्ध विराम एक मृग मरीचिका

पश्चिम एशिया के अशांत और युद्धग्रस्त माहौल में शांति की कमजोर पहल ने दुनिया भर के शासकों को अपनी अपनी जनता के सामने ही दुविधा में डाल दिया है, जबकि दुनिया भर में तुरंत युद्ध विराम और युद्ध अपराध करने वालों को सजा देने की मांग जोर पकड़ती जा रही है. गाजा में पहले अस्पताल पर बम गिराया गया. फिर एंबुलेंस को भी नहीं बख्शा गया. यही नहीं, गाजा के 80 प्रतिशत निवासी बेघरबार के हो चुके हैं और मरने वालों की संख्या 11 हजार पार कर चुकी है. इसमें पांच हजार से अधिक बच्चे शामिल हैं. जिन आरोपों पर पश्चिमी देशों ने रूस के राष्ट्रपति को युद्ध अपराधी घोषित कर दिया. उससे भी ज्यादा भयावह अत्याचार के बावजूद पश्चिमी देशों की सहानुभूति इजराल के साथ है. 21वीं सदी में दुनिया के अधिकांश हिस्सों में युद्ध और हिंसा का माहौल बना हुआ है और युद्ध सामग्री बनाने वाली कंपनियां मालामाल हो रही हैं. दुनिया में सद्भाव और सहयोग की बात करने वाले ज्यादातर विश्व फोरम इस स्थिति में बेबस बन कर रह गए हैं. संयुक्त राष्ट्र संघ की बेचारगी तो सर्वविदित है. अमेरिका हिंसा विराम की बात जरूर कर रहा है, लेकिन उसके विदेश मंत्री युद्ध रोके जाने के पक्ष में नहीं हैं. हालांकि इस बीच टोक्यो में हुई जी-7 के विदेश मंत्रियों की बैठक में इजराइल की अपनी रक्षा करने के अधिकार को स्वीकार किया गया है, लेकिन इसके साथ ही मानवीय आधार पर युद्ध विराम की भी बात कही गयी है. इस मौके पर अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने 'स्थाई शांति और सुरक्षा' की दिशा में राजनयिक प्रयास की जरूरत बतायी है. ब्लिंकेन ने एक प्रेस कांफ्रेंस में रिपोर्टरों को बताया कि विवाद के खत्म होने के बाद गाजा पर फिर से कब्जा नहीं होना चाहिए. इजराइल अब कह रहा है कि वह गाजा पर कब्जा नहीं करना चाहता, लेकिन जो संकेत अब तक मिले हैं, वे इन बयानों की पुष्टि नहीं करते. जी 7 समूह के संयुक्त वक्तव्य में हमास की निंदा की गयी है. दूसरी ओर प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि इजराइली सैनिक गाजा शहर में आगे बढ़ते जा रहे हैं और वह अल शिफा अस्पताल से महज 700 मीटर की दूरी पर हैं. इजराइली सेना का कहना है कि यही वह जगह है, जहां से हमास कमांड करता है. हालांकि अभी तक इजराइली सेना की तरफ से इसकी पुष्टि नहीं की गयी है. गाजा पश्चिम इलाके में इजराइली गनबोट ने एक सरकारी स्कूल को निशाना बनाया है. यहां कई लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की खबर है. इजराइली बमबारी से गाजा के कई और रिहाइशी इलाकों में स्थित घर मलबे के ढेर में बदल गए हैं. यूएन ने कहा है कि गाजा की स्वास्थ्य, सफाई, पानी और खाद्य पदार्थों की सेवाएं बिल्कुल ध्वंस के कगार पर हैं. गाजा में प्रवेश करने वाली चीजों पर इजराइली प्रतिबंधों और घेरेबंदी वाले एंक्लेव के इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले के चलते खाना, पानी और मेडिकल सप्लाई की भीषण समस्या खड़ी हो गयी है.

21वीं सदी में दुनिया के अधिकांश हिस्सों में युद्ध और हिंसा का माहौल बना हुआ है और युद्ध सामग्री बनाने वाली कंपनियां मालामाल हो रही हैं. दुनिया में सद्भाव और सहयोग की बात करने वाले ज्यादातर विश्व फोरम इस स्थिति में बेबस बन कर रह गए हैं.

सुभाषित

यदीच्छसि वशीकर्तुं जगदेकेन कर्मणा।
परापवादसस्येभ्यो गां चरन्तीं निवारय॥

यदिकिसी एक काम से आपको जग को वश में करना है तो परनिन्दारूपी धान के खेत में चरनेवाली जिव्हारूपी गाय को वहाँ से हकाल दो अर्थात दूसरे की निन्दा कभी न करो. संस्कृत मे गौः शब्द के अनेक अर्थ हैं. सुभाषितकार गौ के दो अर्थ इन्द्रिय जिव्हेन्द्रिय तथा गाय लेकर शब्द का सुन्दर उपयोग किया है.

• बोधि-वृक्ष | डॉ. सत्यकेतु संजय

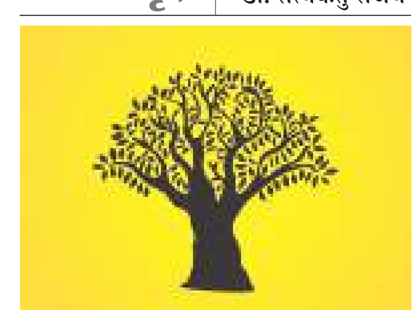

प्रजा की संपत्ति

महाराज अज के दरबार में एक दिन एक ब्राह्मण और ब्राह्मणी आये. दोनों ने अपनी दुर्दशा का जिक्र किया और भिक्षा मांगने लगे. महाराज अज ने अपने खजाने में से उन्हें सोने की अशर्फियां देनी चाही, लेकिन ब्राह्मण ने नहीं लिया और बोले यह प्रजा का है. आप अपने पास जो है, उसे दीजिए. तब राजा अज ने अपने गले का हार उतारा और ब्राह्मण को देने लगे, किंतु ब्राह्मण ने मना कर दिया कि यह भी प्रजा की ही संपत्ति है. इस प्रकार राजा अज को बड़ा दुख हुआ कि आज एक गरीब ब्राह्मण उनके दरबार से खाली हाथ जा रहा है. तब राजा अज शाम को एक मजदूर के वेश में काम पर निकल गये.चलते-चलते एक लोहार के यहां पहुंचे और अपना परिचय बिना बताए ही वहां काम करने लगे. पूरी रात हथौड़े से लोहे का काम करते रहे. बदले में उन्हें सुबह एक टका मिला. राजा एक टका लेकर ब्राह्मण के घर पहुंचे, लेकिन वहां ब्राह्मण नहीं था. उन्होंने वह एक टका ब्राह्मण की पत्नी को दे दिया और कहा कि इसे ब्राह्मण को दे देना. जब ब्राह्मण आया तो ब्राह्मण की पत्नी ने वह टका ब्राह्मण को दिया और ब्राह्मण ने उस टका को जमीन पर फेंक दिया. तभी एक आश्चर्यजनक घटना हुई ब्राह्मण ने जहां टका फेंका था, वहां गड्ढा हो गया. ब्राह्मण ने उस गड्ढे को और खोदा तो उसमें से सोने का एक रथ निकला तथा आसमान में चला गया. इसके पश्चात ब्राह्मण ने और खोदा तो दूसरा सोने का रथ निकला और आसमान की तरफ चला गया इसी प्रकार नौ सोने के रथ निकले और आसमान की तरफ चले गए. जब दसवां रथ निकला तो उस पर एक बालक था और वह रथ जमीन पर आकर ठहर गया. ब्राह्मण उस बालक को लेकर राजा अज के दरबार में पहुंचे और कहा राजन- इस पुत्र को स्वीकार कीजिए. यह आपका ही पुत्र है, जो एक टका से उत्पन्न हुआ है तथा इसके साथ में सोने के नौ रथ निकले जो आसमान में चले गए, जबकि यह बालक दसवें रथ पर निकला. इसलिए यह रथ तथा पुत्र आपका है. इस प्रकार से दशरथ जी का जन्म हुआ था. महाराज दशरथ का असली नाम मनु था और ये दसों दिशाओं में अपना रथ लेकर जा सकते थे, इसीलिए दशरथ नाम से प्रसिद्ध हुए..!!

बहुप्रचारित योजनाएं लक्ष्य से दूर क्यों?

• विकास

प्रदीप रौशन

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में भाजपा के प्रत्याशी मोदी के काम और नाम पर वोट मांग रहे हैं. भाजपा शासित राज्य सरकारों के मुखिया और मंत्री अपने काम नहीं, बल्कि वह पीएम मोदी के काम की चर्चा करते रहते हैं. लेकिन केंद्र सरकार की कई योजनाएं धरातल पर अपने लक्ष्य को ही हासिल नहीं कर पा रही हैं. केंद्र सरकार जो लक्ष्य निर्धारित कर रही है, उसके आधे तक पहुंचने में ही योजनाएं हांफने लग रही हैं. कम से कम दो केंद्रीय योजनाओं का यही हाल है. पीएम मोदी की पहली महत्वाकांक्षी योजना- प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना (पीएमएवाई-जी) और दूसरी- दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में अपने लक्ष्य से कोसों दूर है. गौरतलब है कि देश के ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबों को पक्का आवास उपलब्ध कराने के लिए "प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) है, जो देश की प्रमुख ग्रामीण आवास योजना है. दूसरी, दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) का उद्देश्य महिला स्वयं सहायता समूहों के कम ब्याज वाले बैंक ऋण प्रदान कर महिलाओं को स्वावलंबी बनाना है. लेकिन बैंकों और अधिकारियों की उदासीनता या भ्रष्टाचार के कारण महिलाओं को बैंक लोन नहीं मिला. इन दोनों योजनाओं की प्रगति का लेखा-जोखा विपक्षी दल या किसी अखबार और न्यूज चैनल ने नहीं किया है. बल्कि भारत सरकार के सांख्यिकी मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी एक रिपोर्ट से इसका खुलासा हुआ है. राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने केंद्रीय मंत्रालयों और राज्य सरकारों से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर रिपोर्ट, "बीस सूत्री कार्यक्रम-2006: अप्रैल से जून 2023 की अवधि के लिए प्रगति रिपोर्ट" संकलित की. रिपोर्ट से पता चलता है कि इस साल अप्रैल और जून के बीच पीएमएवाई-जी के तहत पूरे देश में लगभग 4.97 लाख से भी कम घर बनाए गए. सरकार ने इस तिमाही में 14.18 लाख आवास बनाने का लक्ष्य रखा था, जबकि योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए देशव्यापी लक्ष्य 56.71 लाख घर है. प्रधानमंत्री राष्ट्रीय ग्रामीण आवास योजना की सफलता दर सिर्फ 35 प्रतिशत है. हालांकि, विभाग का कहना है कि बंगाल और उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों ने इस अवधि के लिए अपनी उपलब्धि का डेटा उपलब्ध नहीं कराया है. दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन केंद्र की प्रमुख गरीबी-विरोधी योजना है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के लिए संस्थान बनाना है. इसकी विशेषताओं में से एक "परिक्रामी निधि" है – महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को दिया जाने वाला कम ब्याज वाला बैंक ऋण जिसे किसी जरूरतमंद सदस्य या गैर-सदस्य को थोड़े अधिक ब्याज पर पुनः ऋण दिया जा सकता है. हालांकि, यह अभी भी उस ब्याज से कम है, जो व्यक्ति को सीधे बैंक से ऋण लेने पर चुकाना पड़ता है. सरकार का लक्ष्य 2023-24 में 12.33 लाख एसएचजी को रिवॉल्विंग फंड उपलब्ध कराना था, जिसमें पहली तिमाही के 2.74 लाख एसएचजी भी शामिल थे. लेकिन अप्रैल और जून के बीच बमुश्किल 1.17 लाख एसएचजी (43 प्रतिशत से कम) को धन प्राप्त हुआ. (हालांकि इस मामले में उत्तर प्रदेश और बंगाल सरकार द्वारा पेश किया गया डेटा भ्रांतिजनक रहा है). जहां तक पीएमएवाई-जी का सवाल है, केंद्र का लक्ष्य अगले साल मार्च तक सभी 2.95 करोड़ पात्र परिवारों के लिए आवास उपलब्ध कराना है. इन परिवारों की पहचान सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना (SECC) 2011-12 के माध्यम से की गई थी. सामाजिक कार्यकर्ता निखिल डे का कहना है कि "धीमी प्रगति के अलावा, पीएमएवाई-जी अस्पष्टता से भी ग्रस्त है. योजना में कई अपात्र लोगों को लाभ प्रदान किया गया है. कुछ लोग जिनके पास पहले से ही घर हैं, उन्हें भी धन मिलता है, जिसका उपयोग वे अन्य उद्देश्यों के लिए करते हैं. लाभार्थियों के चयन में कोई पारदर्शिता नहीं है. वेटिंग लिस्ट में बहुत छेड़छाड़ होती है." निखिल डे का कहना है कि "सरकार को लाभार्थियों की प्रतीक्षा सूची को हर गांव में दीवारों पर लगाकर सार्वजनिक करना चाहिए. 2011-12 एसईसीसी के निष्कर्षों के आधार पर 2.95 करोड़ घरों का लक्ष्य निर्धारित किया गया था.

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने केंद्रीय मंत्रालयों और राज्य सरकारों से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर रिपोर्ट, "बीस सूत्री कार्यक्रम-2006: अप्रैल से जून 2023 की अवधि के लिए प्रगति रिपोर्ट" संकलित की. रिपोर्ट से पता चलता है कि इस साल अप्रैल और जून के बीच पीएमएवाई-जी के तहत पूरे देश में लगभग 4.97 लाख से भी कम घर बनाए गए.

जोर पकड़ता जाति जनगणना का सवाल

• सामयिकी

राजेन्द्र शर्मा

जाति गणना के मुद्दे पर, जो उत्तरी भारत में खासतौर पर तेजी से जोर पकड़ रहा है, भाजपा की दशा सांप-छंछूदर वाली हो गयी है. उससे न उगलते बन रहा है और न निगलते. छत्तीसगढ़, राजस्थान तथा मध्य प्रदेश में चुनाव के मौजूदा चक्र में, भाजपा का मुख्य मुकाबला कांग्रेस से है, जो जाति गणना का मुद्दा जोर-शोर से उठा रही है. विडंबनापूर्ण है कि इसके लिए पेश किया जा रहे मुख्य तर्क को जिस एक आसान से नारे में सूत्रबद्घ किया जा रहा है, वह पचास-साठ के दशकों में कांग्रेस के मुखर विरोधी रहे समाजवादी नेता राम मनोहर लोहिया ने दिया था—जिसकी जितनी गिनती भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी! इस सरल से सिद्घांत को झुठलाने की बदहवास कोशिश में संघ-भाजपा के शीर्ष नेता ऐसी परस्पर विरोधी बातें कह रहे हैं, जो उनकी विश्वसनीयता को ही गिराने का काम कर रही हैं. चुनाव के मौजूदा चक्र की तारीखों के एलान से भी पहले से, खासतौर पर छत्तीसगढ़ तथा मध्य प्रदेश में अपनी चुनावी सभाओं में, खुद प्रधानमंत्री मोदी को जाति-गणना की मांग के खिलाफ दो आम दलीलें देते हुए देखा गया है, जो आपस में जुड़ती भी हैं. पहली दलील तो यही है कि जाति की गणना, बांटने का काम करेगी. समझना मुश्किल नहीं है कि संघ परिवार के नेता जब "बांटने-बंटने" की चिंता जताते हैं, तो उनका आशय किस विभाजन से होता है! जाहिर है कि जाति गणना से उनकी शिकायत यही है कि इससे "हिंदू" बंट जाएंगे. लेकिन, जाति की सच्चाई के आधार पर हिंदू कहे जाने वाले तो पहले ही बंटे हुए हैं. जाति गणना के जरिए, इस विभाजन के विभिन्न घटकों के अनुपात की सचाई के सामने आने में, प्रधानमंत्री मोदी समेत उनके संघ परिवार को हिंदुओं का "विभाजन" ही अगर दिखाई देता है तो इसीलिए कि यह गणना, जाति-विभाजन पर आधारित मौजूदा संतुलन को अस्थिर कर सकती है. उसमें बदलाव की प्रक्रियाओं को आगे बढ़ा सकती है. इसीलिए, एक राजनीतिक पार्टी के रूप में भाजपा और उसके द्वारा नियंत्रित सरकार, हमेशा से हर दस साल पर होने वाली जनगणना में, जाति-जनगणना का पहलू शामिल किए जाने का विरोध करती आयी है. पिछली सदी के आखिरी दशक के आरंभ से उठी पिछड़ा वर्ग के आंदोलन की जबर्दस्त लहर में इस तबके के लिए एक हद तक शिक्षा व रोजगार में आरक्षण की व्यवस्था अपनाए जाने के बावजूद, इन आरक्षणों के आधार के रूप में जाति गणना का उसका विरोध बना ही रहा है. यहां तक कि पिछले दशक के पूर्वार्द्घ में, वर्तमान मोदी सरकार के आने से पहले राज्यों के आधार पर, सामाजिक-आर्थिक दर्जे की जो गणना की भी गयी थी, उसे भी तरह-तरह के बहानों से दफ्न ही कर दिया गया. इसी पृष्ठभूमि में लंबे संघर्ष के बाद बिहार में, नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार ने 2022 के जून के आरंभ में जातिगत सर्वे कराने की अधिसूचना जारी की थी. खास बात यह थी कि बिहार की विशेष परिस्थितियों में और आम तौर पर पिछड़े वर्ग के बढ़ते दबाव में तथा गठबंधन सरकार की मजबूरियों के चलते, अनिच्छापूर्वक ही सही भाजपा भी जाति सर्वे को अपना समर्थन देने के लिए तैयार हो गयी. इस तरह एक विसंगतिपूर्ण स्थिति पैदा हो गयी, जहां भाजपा बिहार के स्तर पर कम से कम औपचारिक रूप से जाति गणना का समर्थन कर रही थी, जबकि देश के स्तर पर भाजपा और उसकी केंद्र सरकार, जनगणना में जाति-गणना का पहलू शामिल किए जाने का कड़ा विरोध कर रही थीं. यहां तक कि अब से मुश्किल से दो महीने पहले तक, जब बिहार के जाति सर्वे के नतीजों की घोषणा को रुकवाने में हाई कोर्ट के विफल रहने के बाद, सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गयी थी, केंद्र सरकार द्वारा दायर किए गए मूल एफीडेविट में, राज्य के ऐसी कोई गणना करने के अधिकार को चुनौती ही दी गयी थी. लेकिन, हवा का रुख भांपकर केंद्र सरकार ने इस मामले में फौरन पल्टी मारी और एफीडेविट में संशोधन करा के, राज्य के ऐसा सर्वे कराने के अधिकार को मान्यता दे दी. जाति गणना की मांग के इस बढ़ते दबाव का मुकाबला करने के लिए ही प्रधानमंत्री मोदी "जाति के आधार पर बांटने की साजिश" का झूठा हौवा खड़ा करने की कोशिश कर रहे थे. लेकिन, खुले आम "हिंदुओं के बंटने" की शिकायत, चुनाव के लिए सांप्रदायिक दुहाई का सहारा लिए जाने की श्रेणी में आ सकती थी या कम से कम ऐसी आलोचनाएं तो आकर्षित कर ही सकती थी.

जाति गणना की मांग के इस बढ़ते दबाव का मुकाबला करने के लिए ही प्रधानमंत्री मोदी 'जाति के आधार पर बांटने की साजिश' का झूठा हौवा खड़ा करने की कोशिश कर रहे थे. लेकिन, खुले आम 'हिंदुओं के बंटने' की शिकायत, चुनाव के लिए सांप्रदायिक दुहाई का सहारा लिए जाने की श्रेणी में आ सकती थी या कम से कम ऐसी आलोचनाएं तो आकर्षित कर ही सकती थी.

मीडिया में अन्यत्र

सेमीकंडक्टर उत्पादन की चुनौतियां

सेमी कंडक्टरों के उत्पादन के वास्ते उत्पादन-संबंधी प्रोत्साहन (पीएलआई) के लिए निर्धारित फंड का 80 फीसदी से ज्यादा हिस्सा बिना किसी इस्तेमाल के यूं ही पड़ा हुआ है. इसे देखते हुए केंद्र सरकार को इस बात को लेकर और ज्यादा स्पष्ट होने की जरूरत है कि उसने भारत में सेमीकंडक्टर बनाने की क्षमता विकसित करने पर करोड़ों रुपये खर्च करना जारी रखकर क्या हासिल किया है और वह क्या हासिल करना चाहती है. आईटी हार्डवेयर के वास्ते पीएलआई योजना के लिए 17,000 करोड़ रुपये खर्च होने हैं, जबकि सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले के वास्ते पीएलआई योजना के लिए 38,601 करोड़ रुपये रखे गये हैं. रोजगार और ठोस मूल्य-संवर्द्धन (वैल्यू एडिशन) के मोर्चों पर, मौजूदा योजनाएं अपने आप में बहुत कम संभावना दिखाती हैं. ज्यादातर हार्डवेयर और उपकरणों के लिए चिप अहम हैं, अलबत्ता उन्हें बनाने में उन्नत और स्वचालित प्रणालियों का इस्तेमाल होता है और बिक्री में सृजित होने वाले मूल्य के मुकाबले विनिर्माण इकाइयां बहुत कम लोगों को रोजगार देती हैं. राष्ट्रीय हित में किये जाने वाला हर बड़ा खर्च घरेलू रोजगार में रूपांतरित नहीं होता, जैसा कि भारी आयात वाले रक्षा क्षेत्र पर होने वाले खर्च से दिखायी पड़ता है, लेकिन इन योजनाओं से जुड़ा केंद्रीय दांव (जो सरकारी खजाने से भारी कीमत चुकाकर लगाया गया है) उस 'इकोसिस्टम' को आकर्षित करने में निहित है जो भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र के मूल्य-संवर्द्धन को बढ़ायेगा. यह किसी गारंटीशुदा नतीजे से कोसों दूर है, भले ही पीएलआई लाभ सबसे अच्छे ढंग से हासिल किये गये हों. चिप के लिए सस्ती व आसानी से उपलब्ध अंतरराष्ट्रीय परिवहन सुविधाओं समेत वैश्विक स्तर पर फैली आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) के दूसरे लाभों के मद्देनजर, यह दांव सेमीकंडक्टरों के विनिर्माण से जुड़े वैश्विक महाकाय-कंपनियों के भरोसे भी है. बहरहाल, पीएलआई योजनाओं का यह समूह एक दांव बना हुआ है. और भारत के हाथ मजबूत करने के लिए इस समूह को अन्य प्रयासों से समर्थन देना होगा, जिनमें घरेलू स्तर पर विकास के लिए सेमीकंडक्टर डिजाइन प्रतिभा को प्रोत्साहित करना शामिल है. (द हिंदू)

शब्द चर्चा | डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

दिवाली/दीवाली

कोई कहता है दिवाली आ गयी. कोई कहता है दीवाली आ गयी. निश्चित रूप से यह कह पाना मुश्किल है कि दिवाली और दीवाली में कौन सही है. हिंदी- संस्कृत के शब्दकोशों और व्याकरण का अवलोकन करने के बाद जो निष्कर्ष सामने आता है, वह यह कि असली शब्द दीपावली है. यह संस्कृत मूल का शब्द है, जो तत्सम रूप में हिंदी में प्रयुक्त और बहुप्रचलित है. दीपावली दो शब्दों से बना है दीप और अवलि या अवली. दीप का मतलब है दीया और अवली का मतलब पंक्ति. यह दीपावली शब्द जब तद्भव के रूप में परिणत हुआ तो इसके दो रूप प्रचलित हुए. पहला दिवाली और दूसरा दीवाली. सर्वेक्षण कराया जाये तो दीवाली और दिवाली के परस्पर विरोधी समर्थकों का अनुपात समान ही होगा. दोनों बहुप्रचलित हैं, लेकिन इन दोनों के समर्थक मैदान में डटे हैं. इन दो पाटन के बीच में वे पिस रहे हैं, जिन्हें भाषा के संबंध में कम जानकारी या रुचि है. दिवाली शब्द के पक्षधर विद्वानों का कहना है कि दिवाली शब्द में दिव् और आली है.दिव् का मतलब प्रकाश और आली का मतलब पंक्ति, जो अवली का तद्भव रूप है. संस्कृत में दिव् धातु है, जिसका अर्थ है प्रकाश, चमक, द्युतक्रीड़ा. इसी दिव् से दिव्य शब्द की उत्पत्ति हुई है. चूंकि दिवाली पर्व दीपों की ज्योति का पर्व है, इसलिए प्रकाश के अर्थ को लेकर दिवाली शब्द ही सही है. दूसरी ओर दीवाली के पक्षधरों का कहना है कि यह दीव और आली शब्दों के मेल से बना है. दीव का मतलब दीया और आली का मतलब पंक्ति. इसलिए दीवाली ही सही है. ऐसे में तीसरा रास्ता तो एक ही है और वह है दीपावली. दोनों शब्द प्रचलन में हैं. विभिन्न हिंदी शब्दकोशों में दीवाली शब्द को ही मान्य बताया गया है. कुछ शब्दकोशों में दिवाली शब्द है, लेकिन उसके अर्थ की जगह पर लिखा है-देखें दीवाली.

कुत्ते का सामाजिक-साहित्यिक योगदान

• तीर-तुक्का

सुरेन्द्र वर्मा

कथा है कि युधिष्ठिर अपने प्रिय कुत्ते को लेकर स्वर्ग के द्वार खड़े थे. देवराज इंद्र ने कहा कुत्ता रखने वालों को स्वर्ग में स्थान नहीं है. इस कुत्ते को छोड़कर आप मेरे साथ चलें. युधिष्ठिर बोले भक्त का त्याग करने से जो पाप होता है उसका कभी अंत नहीं हो सकता. मैं अपने कुत्ते का त्याग नहीं कर सकता. कहने का तात्पर्य यह है कि कुत्ते की मनुष्य के प्रति भक्ति महाभारत काल से ही जानी मानी गई है. लेकिन क्या कुत्ता सचमुच इतना ही वफादार है? जैसा कि हम सभी जानते हैं कि भेडिया, लोमड़ी और गीदड़ की जाति का पशु है यह कुत्ता; कुत्ते की बेवफाई देखिए उसने अपनी जाति के साथ रहना छोड़ दिया है और आदमियों के साथ रहने लगा है. इंसान को भी कुत्तों के साथ रहना बड़ा रास आ गया है. उसके गुणों से प्रभावित होकर कुत्ते को पालतू बना लिया गया है. सिर्फ इतना ही नहीं, आदमी ने उसकी अनेक विशेषताओं को अपना भी लिया है और ये विशेषताएं इंसान की मानों अपनी ही दोयम प्रकृति बन गई हैं. लार टपकाना, पूंछ हिलाना, भौंकना आदि, जैसे कुकुर-गुण अब मानवी गुण हो गए हैं. ये गुण आदमी के चरित्र और उसकी संस्कृति की विशेषताएं गिनी जाने लगी हैं. अफसरों में तो कुत्ते पालने का रिवाज़ शायद कुछ अधिक ही है. वे स्वयं को हर समय असुरक्षित जो महसूस करते हैं. उनके बंगलों में कुत्ते से सावधान रहने की हिदायत लिखी रहती है. शरीफ लोग तो ऐसे "कुत्ता-घरों" में घुसना ही पसंद नहीं करते. आप उनके कुत्ते को कुत्ता बोल दें तो साहब लोग भौंकने लगते हैं. एक बार ऐसा ही हुआ. मैं साहब के यहाँ गया तो कुत्ता भौंकने लगा. मैंने कहा, कुत्ता एक तरफ कर लें साहेब ! साहेब भौंकने लगे. बोले आप क्यों नही एक तरफ हो जाते ? और इसका नाम 'कुत्ता' नहीं है; यह 'डौगी' है, "डौगी". कुत्तों ने साहित्यकारों को भी खूब प्रेरणा दी है. हरिशंकर परसाई ने एक व्यंग्य आलेख " एक मध्यम वर्गीय कुत्ता" लिखकर कुत्ते पर लिखने के लिए व्यंग्यकारों के लिए ज़मीन तैयार कर दी, वहीं सआदत हसन मंटो ने "टेटवाल का कुत्ता" कहानी लिखकर कुत्तों को चकित कर दिया. भाषा में तो कुत्ता बहुत पहले से ही घुसा हुआ है. हम भाषा में कुत्ते का इस्तेमाल गाली देने के लिए करते हैं; मज़ाक उड़ाने के लिए करते हैं. कुत्ते को "अपनी गली का शेर" बताते हैं. कुत्ते की तरह जीवित रहना गवारा है लेकिन हमारी भाषा को "कुत्ते की मौत मरना" गवारा नहीं है. कुत्ता भौंकता ज़रूर है लेकिन वह उल्टी-सीधी बातें नहीं करता. लेकिन हमारी भाषा में जो उलटी सीधी बात करता है, उसे "कुत्ते का काटा" हुआ बताने में देर नहीं करते.

शुभ दीपावली

आचार्य अजय मिश्रा

दीपपर्व की रौनक चहुंओर है. मां लक्ष्मी के स्वागत के लिए घर-दुकान-प्रतिष्ठान के कोने-कोने से गंदगी को बाहर कर उसे सुसज्जित कर दिया गया है. उत्साह का माहौल है, आस्था का महासमुद्र भीतर-बाहर नजर आ रहा. आइए श्री-समृद्धि-सुख की आमद के लिए हम पूजा पाठ व वास्तु की चर्चा करें. साथ ही दीपावली के कुछ अनोखे रिवाज और मां लक्ष्मी से जुड़े कुछ खास प्रतीकों पर भी बात करेंगे

ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्ये नम:

मां आओ हमारे घर

सबसे पहले स्नान आदि कर पीला या लाल स्वच्छ वस्त्र धारण करें. घर के ईशान कोण या व्यापार स्थल में दक्षिण-पश्चिम के नृत्य कोण में भूमि को गोबर से लीपकर या गंगाजल छिड़क कर भूमि को पवित्र कर लें. घर के मुख्य दरवाजे पर केले खंभ लगाएं और दरवाजा के ऊपर आमपल्लव का वंदनवार सजाएं. पूजा स्थल पर एक चौकी पर लाल आसन बिछा कर गणपति, मां लक्ष्मी, कुबेर, धन्वंतरी देव की प्रतिमा या चित्र लगाकर षोड्शोपचार विधि से पूजन करना है. भूमि पर चावल से अष्टदल का निर्माण करें. उस पर तांबे या पीतल का कलश स्थापित करें. कलश के ऊपर लाल कपड़े से लिपटा हुआ पानीवाला नारियल रखकर विधि के साथ गणपति का सर्वप्रथम पूजन करें.

जल से तीन बार आचमन करें-

आचमन मंत्र

ॐ केशवाय नम:. ॐ नारायणाय नम:. ॐ माधवाय नम:

गंगाजल लेकर अपने ऊपर छिड़के और सभी पूजन सामग्री पर भी छिड़के

मंत्र

ॐ अपवित्र: पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोपिवा।
य: स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स: बाह्यात् भ्यन्तर: शुचि: ।।

इसके बाद अपनी शिखा को बांधें- **शिखा बंधन मंत्र**

चिद्रूपिणि महामाये, दिव्यतेज: समन्विते।
तिष्ठ देवि शिखामध्ये, तेजोवृद्धिं कुरुष्व मे॥

अपने ऊपर तिलक लगाएं. **तिलक मंत्र**

पुण्यं यशस्यमायुष्यं तिलकं मे प्रसीदतु।।
कान्तिं लक्ष्मीं धृतिं सौख्यं सौभाग्यमतुलं बलम्।
ददातु चन्दनं नित्यं सततं धारयाम्यहम्।।

इसके बाद दीपक पूजन करें फूल चंदन अक्षत से.

दीप पूजन मंत्र

शुभं करोति कल्याणम् आरोग्यम् धनसंपदा।
शत्रुबुद्धिविनाशाय दीपकाय नमोस्तुते।।
दीपो ज्योति परंब्रह्म दीपो ज्योतिर्जनार्दन:।
दीपो हरतु मे पापं संध्यादीप नमोस्तुते।।

अब हाथ में फूल अक्षत लेकर स्वस्तिवाचन मंत्र का पाठ करें.

मंत्र

स्वस्ति न इन्द्रोवृद्धश्रवा:।
स्वस्ति न: पूषा विश्ववेदा:।
स्वस्तिनस्तार्क्ष्यो अरिष्टनेमि:।
स्वस्ति नो बृहस्पतिर्दधातु॥
ॐ शांति: शांति: शांति: ॥

पुष्प, फल, सुपारी, पान, चांदी का सिक्का, नारियल (पानी वाला), मिठाई, मेवा, आदि सभी सामग्री थोड़ी-थोड़ी मात्रा में लेकर संकल्प मंत्र बोलें-

ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णु:, ॐ अद्य ब्रह्मणोऽह्नि द्वितीय परार्धे श्री श्वेतवाराहकल्पे वैवस्वतमन्वन्तरे, अष्टाविंशतितमे कलियुगे, कलिप्रथम चरणे जम्बूद्वीपे भरतखण्डे भारतवर्षे पुण्य (अपने नगर/गांव का नाम लें) क्षेत्रे बौद्धावतारे वीर विक्रमादित्यनृपते : 2080, तमेऽब्दे प्लवंग नाम संवत्सरे दक्षिणायने शरद ऋतो महामंगल्यप्रदे मासानां मासोत्तमे कार्तिकमासे कृष्ण पक्षे अमवस्यां तिथो रवि वासरे (गोत्र का नाम लें) गोत्रोत्पन्नोऽहं अमुकनामा (अपना नाम लें) सकलपापक्षयपूर्वकं सर्वारिष्ट शांतिनिमित्तं सर्वमंगलकामनया- श्रुतिस्मृत्योक्तफलप्राप्त्यर्थं मनोइच्छित कार्य सिद्धयर्थं श्री गणेश लक्ष्मी कुबेर (जिस देवी .देवता की पूजा कर रहे हैं उनका नाम लें) पूजनं च अहं करिष्येण् तत्पूर्वागंत्वेन निर्विघ्नतापूर्वक कार्य सिद्धयर्थं यथामिलितोपचारे गणपति पूजनं करिष्ये. इसके बाद गणेश पूजन करें जल से चार बार स्नान कराएं.

मंत्र ओम गं गणपतेय नम: कह कर इदं पांदयम, अघंयम, आचमनयं स्नानम. इसके बाद पंचामृत से स्नान करा- पंचामृत स्नानम् ऊं गं गणपतये नम:. इसके बाद वस्त्र यज्ञो पवित्र चंदन, पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य, भोग तांबूल, सुपारी व दक्षिणा चढ़ाएं. इदं ताम्बूल पुगीफल समायुक्तं ऊं गं गणपतये समर्पयामि: मंत्र के साथ पान-सुपारी अर्पित करें. अब एक फूल लेकर गणपति पर चढ़ाएं और बोलें - एष: पुष्पांजलि ऊं गं गणपतये नम:. अब माता लक्ष्मी की पूजा करें. प्रतिमा के सामने चांदी के सिक्के, कौड़ी रखें. अब कमल के पुष्प, अक्षत, चंदन, लाल सूत, सुपारी, नारियल से मां लक्ष्मी की पूजा करें. महालक्ष्मी व्रत की कथा पढ़ें और फिर गाय के शुद्ध घी के दीपक से मां लक्ष्मी की आरती करें. मंत्र: "ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्ये नम:" मां लक्ष्मी की इस विधि से पूजा करें. इसके बाद कुबेर देवता की प्रतिमा मूर्ति पर जल पंचामृत, वस्त्र, जनेऊ, चंदन, अक्षत, पुष्प, पुष्प, माला, धूप, दीप, नैवेद्य से पूजन करें. इन मंत्रों को बोलकर पूजन करें.

ॐ कुबेराय नम: ॥
ॐ धनदाय नम: ॥
ॐ श्रीमाते नम: ॥
ॐ यक्षेशाय नम: ॥
ॐ गुह्यकेश्वराय नम: ॥
ॐ निधीशाय नम: ॥
ॐ शङ्करसखाय नम: ॥
ॐ महालक्ष्मीनिवासभुवये नम: ॥
ॐ महापद्मनिधीशाय नम: ॥
ॐ पूर्णाय नम: ॥

कपूर जलाकर आरती करें पुष्पांजलि करके माता को प्रणाम करें. संभव हो सके श्रीसूक्त मंत्र या कनकधारा का पाठ करें.

दीपावली 2023 का शुभ मुहूर्त

पं रामदेव पाण्डेय

12 नवंबर रविवार

दीपावली : लक्ष्मी, गणेश,कुबेर, और निशीथ काल में काली, पूजन करें , प्रदोष व्यापिनी अमावस्या भी आज है, दिन यहां विष्णु और रात यहां लक्ष्मी स्वरूप है,

तिथि : अमावस्या दिन 2 :12 से लेकर रात 2 :41 तक है.

नक्षत्र : स्वाती सूर्योदय से लेकर रात 2 : 52 तक है,

योग : आयुष्मान सूर्योदय से लेकर रात 4 : 24 तक है.

महानिशा काली पूजा: रात 11 :15 से रात 12 : 07 तक है.

दिन में शुभ चौघड़िया में पूजन मुहूर्त

लाभ : 8 : 47 से 10 :10 (दुकान और छात्रों के लिए)

काल : 10 :10 से 11 : 30 (कोचिंग स्कूल, बड़े संस्थान और गृहस्थ के लिए)

शुभ : 11 : 30 से 12 : 56 (व्यापारी संस्थान ,वाहन मालिकों के लिए)

दोपहर बाद और रात

शुभ : 5 : 05 से 6 : 42 (गृहस्थ और अन्य के लिए)

अमृत : 6 : 42 से 8 : 19 (औषधि संस्थान और अन्य के लिए)

चर : 8 : 19 से 9 :15 (वाहन और कल कारखानों के लिए)

काल: रात 1 : 23 से 2 : 10 (राजा, मंत्री, राजनेता और आढ़तियों तथा गद्दी के लिए)

अभिजीत मुहूर्त

दोपहर : 11 : 24 से 12 : 45 तक

प्रदोष काल : संध्या 5 :11 से 9 : 41 तक

वृषभ लग्न : 5 : 22 से 7 : 19

ग्रहों के वर्तमान गोचर और गति के कारण वृषभ लग्न को शुद्ध करने के लिए सूर्य, गुरु, राहु और केतु का पूजन दान भी करें.

सिंह लग्न : रात 11 : 50 से 2 : 04.

लग्न को शुद्ध करने के लिए चन्द्र, गुरु, राहु और केतु का पूजन दान भी करें .

पूर्ववत जिस समय से पूजा करा रहे हैं , वे अपने समय से ही पूजा करिए.

13 नवंबर सोमवार

इस दिन सोमवारी अमावस्या है, इस दिन प्रात: दरिद्रता निकालें, राजा बलि की पूजा करें, स्त्रियां सौभाग्यवती रहने के लिए पीपल वृक्ष का 108 परिक्रमा करें.

दीपावली के ये अनोखे रिवाज

सूप बजाना

दीपावली के दूसरे दिन यानी गोवर्धन पूजा के दिन अहले सुबह जाग कर घर की महिलाएं घर के चारों कोना में झाड़ू लगाती हैं, इसके बाद घी का दीपक जला कर घर के चारों ओर, तिजोरी में, अलमीरे में आदि जगहों पर दिखाती हैं. फिर सूप बजाते हुए बोलती हैं, भाग दलिद्दर लक्ष्मी आई, निकल दलिद्दर लक्ष्मी आई. इसके बाद घूरे पर कचरा फेंक कर आती हैं.

काजल बनाना

गणेश लक्ष्मी की पूजा के बाद पूजा में उपयोग किए गए दीपक या किसी अन्य दीपक के ऊपर एक अन्य दीपक या छोटी कटोरी रखकर काजल बनाया जाता है. इस काजल को दूसरे दिन सुबह घर की महिलाएं सभी सदस्यों को लगाती हैं. मान्यता है कि इससे बुरी नजर नहीं लगती. इसके अलावा सुख-समृद्धि निर्बाध होती है. इसलिए इस काजल का टीका तोरी, अलमारी आदि पर भी लगाया जाता है.

खर-संठी जलाना

खर-संठी (अरंजी की लकड़ियों) का हुक्का बनाया जाता है और इसे जलाकर पूरे घर में घुमाते हैं. इसके बाद इसे बुझाकर छत पर फेंक देते हैं. ऐसी मान्यता है कि इससे घर की नकारात्मक ऊर्जा चली जाती है और सुख-सौभाग्य का प्रवेश होता है.

कुल्हिया पूजना

कुल्हिया यानी मिट्टी का बर्तन. दीपावली पर 4 कुल्हिया में धान का लावा व बताशा भरकर और दक्षिणा रखकर घर की बेटियां पूजती हैं. यह घर का अन्न भंडार भरे रहने की प्रार्थना का प्रतीक होती है.

ये हैं मंथन रत्न

समुद्र मंथन की कथा सुनी है आपने! मंथन से 14 रत्न प्राप्त हुए थे जो सुख-समृद्धि के वाहक थे. आज इन रत्नों के साथ समृद्धि के कुछ अन्य प्रतीकों की चर्चा व उनका अध्यात्मिक महत्व...

ऐरावत : देवराज इंद्र का वाहन एक हाथी है जिसका नाम है ऐरावत. समुद्र मंथन से प्राप्त रत्नों के बंटवारे में यह इंद्र के हिस्से आया. इसी कारण इसे इंद्र हस्ति या इंद्र कुंजर भी कहा जाता है. ऐरावत को शुक्ल वर्ण और चार दांतों वाला बताया गया है.

कमल बीज : कमल कामनाओं प्रतीक है. मां लक्ष्मी को कमला, पद्मा जैसे नाम इसी फूल से जोड़ कर मिले हैं. मां लक्ष्मी को कमल के सभी हिस्सों में बीज विशेष पसंद हैं. इसी लिए इसे माला के रूप में धारण किया जाता है और हवन पूजा आदि में भी इस्तेमाल होता है.

पांचजन्य : श्रीमद्भगवदगीता में उल्लेखित है कि महाभारत युद्ध में श्री कृष्ण ने इसी शंख को बजाया था जिससे बड़े-बड़े योद्धा कांप उठे थे. कहा जाता है कि श्रीकृष्ण को एक बड़े दैत्य का संहार करने के बाद यह शंख प्राप्त हुआ था.

शारंगपाणि : मान्यता है कि यह श्रीहरि का धनुष है. यह देखने में बेहद सुंदर होता है. कथा यह भी है कि कण्व ऋषि जब लंबे समय तक तपस्या करते रहे तो उनके मूर्धा से बांस निकल आए. इसी बांस से इस धनुष का निर्माण हुआ.

वर्तिका : वर्तिका यानि बाती. यह रूई से निर्मित होती है और इसके बिना लक्ष्मी पूजन पूरा नहीं होता. दीपपर्व दीपावली भला बिना वर्तिका के कैसे पूरी हो. मान्यता है कि मां लक्ष्मी को लाल रंग की वर्तिका वाली दीप अर्पित करने से वे प्रसन्न होती हैं.

कामधेनु गाय : इसके बाद कामधेनु गाय बाहर निकली. कामधेनु का वर्णन पौराणिक गाथाओं में एक ऐसी चमत्कारी गाय के रूप में मिलता है, जिसमें दैवीय शक्तियां थीं और जिसके दर्शन मात्र से ही लोगो के दु :ख व पीड़ा दूर हो जाती थी. यह कामधेनु जिसके पास होती थी, उसे हर तरह से चमत्कारिक लाभ होता था. इस गाय का दूध अमृत के समान माना जाता था.

उच्चै:श्रवा घोड़ा : समुद्र मंथन के दौरान तीसरे नंबर पर उच्चैश्रवा घोड़ा निकला. पौराणिक धर्म ग्रंथों और हिन्दू मान्यताओं के अनुसार इसे देवराज इन्द्र को दे दिया गया था. उच्चैश्रवा के कई मायने हैं, जैसे- जिसका यश ऊंचा हो, जिसके कान ऊंचे हों अथवा जो ऊंचा सुनता हो. इस घोड़े का रंग श्वेत (सफेद) था. उच्चैश्रवा का पोषण अमृत से होता है और इसे घोड़ों का राजा कहा जाता है.

आंवला वृक्ष : विष्णु का तुलसी व शिव को बिल्व अत्यंत प्रिय है. कथा है कि विष्णु और शिव दोनों की एक साथ पूजा के विचार से मां लक्ष्मी तुलसी और बिल्व दोनों के सम्मिलित गुण से युक्त आंवले को श्री हरिहर का स्वरूप मान पूजा करने लगीं. आंवला स्वास्थ्य और निरोग प्रदान करता है जो समृद्धि का एक बड़ा आधार है.

सुख-समृद्धि की आमद

स्वामी विमलेश
वास्तु शास्त्री

सुख-सौभाग्य-संपदा में वृद्धि की चाहत भला किसे नहीं होती! बेशक कर्म और मेहनत इसका सबसे बड़ा जरिया होता है. पर जैसी कि मान्यता है, कई बार छोटे-छोटे वास्तु उपाय भी कर्म का साथ दे देते हैं. दीपावली के मौके पर वास्तु विशेषज्ञ कुछ ऐसे ही उपायों पर कर रहे हैं चर्चा-

लघु नारियल : लघु नारियल बहुत छोटे आकार का होता है. हजारों नारियलों में मात्र एक या दो ही लघु नारियल होते हैं. लघु नारियल को चंदन का तिलक लगाकर एक लक्ष्मी कौड़ी पांच चिट्ठी कौड़ी और पांच गोमती चक्र के साथ दीपावली के दिन लक्ष्मी पूजा के बाद लाल कपड़े में बांधकर दुकान के गले या खजाने में रखने से धन की कमी कभी नहीं आती. सभी मनोकामनाएं पूरी होती है.

श्री संपूर्ण वास्तु यंत्र : कुछ ऐसे यंत्र भी होते हैं जिसके दर्शन मात्र से व्यक्ति अभीष्ट मनोरथ को पा लेता है. इस तरह के यंत्र में आते हैं श्री संपूर्ण वास्तु यंत्र. श्री संपूर्ण वास्तु यंत्र में एक साथ 13 यंत्रों की शक्तियां समाहित है क्योंकि तेरह यंत्र एक साथ 24 कैरेट गोल्ड प्लेटिंग पर यंत्र विधि विधान वास्तुकला और ज्योतिष विज्ञान दोनों के अनुसार तैयार किया गया है. यह यंत्र घर में किसी भी प्रकार के वास्तु दोष को दूर कर कुछ ही दिनों में चमत्कारी प्रभाव देता है. इसे घर में लगाने से अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता है.

दक्षिणावर्ती शंख : कुबेर की नवनिधियां और अष्टसिद्धि प्राप्त करने वाला में से एक है दक्षिणावर्ती शंख. किसी भी आध्यात्मिक तथा वैदिक कार्यों में शंख की पूजा आवश्यक होती है. यह साक्षात् नारायण स्वरूप है क्योंकि यह भगवती लक्ष्मी जी और भगवान विष्णु का प्रिय माना जाता है. भगवती लक्ष्मी एवं भगवान विष्णु के हाथ में दक्षिणावर्ती शंख होता है. माता दुर्गा जी के भी कर कमल में दक्षिणावर्ती शंख होता है. दक्षिणावर्ती शंख को जल गंगाजल के समान पवित्र और शुद्ध माना जाता है.

जब लक्ष्मी की सारी साधनाएं विफल हो जाए तब कुबेर पोटली की साधना मनुष्य को अपार धन दौलत प्रदान करती है. मान्यता है कि जहां पर पोटली में चेतन कुबेर यंत्र के साथ श्रीयंत्र, मोती शंख के साथ स्थापित होगा, उस स्थान पर कुबेर का खजाना स्वयं चलकर आ जाता है.

कुबेर पोटली ऐसे तैयार करें : लाल रंग की चमचमाती पोटली में एक अष्टधातु का कुबेर यंत्र, अष्टधातु का श्रीयंत्र, लघु नारियल दुर्लभ एकाक्षी नारियल, कमल गट्टे का कुछ दाने, लाल काली गुंजा दाना, 11 धनदायक चिती कौड़ी, एक पीस चमत्कारी लक्ष्मी कौड़ी, 11 चमत्कारी गोमती चक्र, एक शंख अभिमंत्रित कराकर प्राप्त करें और दीपावली की रात्रि में पोटली तैयार कर अपने खजाने में रखें. इससे सालों भर कुबेर की कृपा, मां भगवती लक्ष्मी आशीष बना रहता है.

कामधेनु गाय बछड़े के साथ मेटल, मार्बल या अष्टधातु का घर में रखना बहुत ही शुभ माना जाता है. इस दीपावली जरूर घर लाएं. इससे परिवार में आपसी प्रेम और समृद्धि बनी रहेगी. कर्ज के तले जो दबे हुए हैं या पैसा कहीं फंस गया है, वे कामधेनु गाय लाकर ड्राइंग रूम या बिजनेस प्लेस के या घर में अग्नि कोण में रखें. लाभ मिलेगा.

स्फटिक मणि : जिनके घर में बहुत कलह होता हो, अशांति हो, सभी व्यक्ति का मन अशांत रहता हो. आपसी प्यार ना हो, दांपत्य जीवन मैं कलह हो तो स्फटिक मणि पत्थर से बने गणेश और लक्ष्मी की पूजा घर में करें. स्फटिक घर के जितने भी नेगेटिव एनर्जी हैं, उन्हें अपने अंदर समा लेते हैं और पॉजिटिव ऊर्जा का प्रवाह करते हैं. पूरे घर में शीतलता के साथ मानसिक शांति मिलती है और धन-धन की वृद्धि होती है. लक्ष्मी की कृपा होती है. स्फटिक गणेश लक्ष्मी प्रत्येक साल चेंज करने की जरूरी भी नहीं है. इन्हें गंगाजल से हरसाल स्नान करवा कर शुद्ध कर पूजा की जा सकती है.

क्रिस्टल का लोटस : क्रिस्टल कमल लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है. आप इसे घर में उत्तर-पूर्व या दक्षिण-पूर्व में रख सकते हैं. जिस घर में क्रिस्टल का कमल रखा होता है, उस घर में लक्ष्मी स्वयं निवास करती हैं. वैसे भी लक्ष्मी का निवास स्थान कमल माना गया है. क्रिस्टल से बने लोटस घर में नकारात्मक ऊर्जा को भी समाप्त करते हैं और सकारात्मक ऊर्जा का परवाह करता है जिससे लक्ष्मी की अस्थाई प्राप्ति के लिए आप क्रिस्टल के लोटस को घर व्यवसाय स्थान में अवश्य रखें.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

लेंथ पर नियंत्रण के कारण जंपा को खेलना मुश्किल: विटोरी

पुणे। ऑस्ट्रेलिया के स्पिन गेंदबाजी कोच डेनियल विटोरी का मानना है कि एडम जंपा का अपनी लेंथ पर शानदार नियंत्रण के कारण विश्व कप में उनका सामना करना बेहद मुश्किल बन गया है. जंपा ने विश्व कप में अभी तक आठ मैच में 20 विकेट लिए हैं जो स्पिन गेंदबाजों में सर्वाधिक हैं. ऑस्ट्रेलिया की टीम सेमीफाइनल में जगह बना चुकी है और ऐसे में जंपा के पास मौजूदा विश्व कप में सर्वाधिक विकेट लेने वाला गेंदबाज बनने का मौका है. यह 31 वर्षीय गेंदबाज भारत के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया था लेकिन इसके बाद उन्होंने श्रीलंका, पाकिस्तान और नीदरलैंड के खिलाफ चार-चार विकेट लिए. विटोरी ने कहा कि निश्चित तौर पर चोट और बीमारी के कारण शुरुआत अच्छी नहीं थी. पहले तीन मैच थोड़ा मुश्किल थे और उसे पाकिस्तान के खिलाफ टॉस से पहले फिटनेस टेस्ट देना पड़ा था. उन्होंने कहा कि जंपा ने इन परिस्थितियों से उबर कर अच्छी वापसी की. मेरा मानना है कि इस दौरान उनका अपनी लेंथ पर शानदार नियंत्रण रहा, विशेष कर उन तीन मैच में जिनमें उन्होंने चार-चार विकेट लिए.

बल्लेबाज के रूप में नए स्ट्रोक सीखना महत्वपूर्ण : कोहली

नई दिल्ली। भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली तकनीक के बजाय एक बल्लेबाज के रूप में नए स्ट्रोक लगाने की योग्यता को अधिक महत्वपूर्ण मानते हैं. विराट ने पिछले साल टी-20 विश्व कप के दौरान पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ के खिलाफ लगातार दो छक्के लगाकर अपने शॉट की विविधता का शानदार नमूना पेश किया था. कोहली ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा कि एक चीज तकनीक और कौशल का अभ्यास है. एक ऐसी चीज है जहां आप तकनीक के बारे में सोचते हैं जिसका उपयोग आप मैच जीतने के लिए कर सकते हैं या यह सोचकर उसे अपनाते हैं कि अगर मैं इस तरह से खेलता हूं तो सुधार जरूर होगा. बल्लेबाजी में सुधार के लिए बहुत से लोग इस बात के बारे में नहीं जानते हैं. उन्होंने कहा कि सुधार तब होता है जब आप यह सोचते हैं कि मैच जीतने के लिए मैं अपने खेल में क्या नया जोड़ सकता हूं. आप ऐसा संपूर्ण बल्लेबाज बनने के लिए नहीं करते हैं. बहुत कम लोग यह जानते हैं कि तकनीकी रूप से मजबूत बनने के लिए आप अभ्यास नहीं करते हैं. अभ्यास करने से मैं एक नया शॉट सीख सकता हूं, मैं टीम के लिए रन बना सकता हूं और मैच जीतने में योगदान दे सकता हूं.

गुरकीरत सिंह ने अंतरराष्ट्रीय व घरेलू क्रिकेट से संन्यास लिया

चंडीगढ़। ऑस्ट्रेलिया के 2016 के दौरे में भारत की तरफ से तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेलने वाले गुरकीरत सिंह मान ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की. गुरकीरत ने भारत की तरफ से इन मैचों में मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने के अलावा ऑफ स्पिनर के रूप में 10 ओवर भी किए थे. पंजाब की टीम में अंदर बाहर होने और 2020 से आईपीएल में नहीं खेल पाने के कारण गुरकीरत ने संन्यास लेने का फैसला किया. गुरकीरत ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि आज का दिन मेरी अविश्वसनीय क्रिकेट यात्रा का अंतिम दिन है. भारत का प्रतिनिधित्व करना सम्मान और सौभाग्य की बात रही है. मेरा सहयोग करने के लिए मैं अपने परिवार, मित्रों, कोच और साथी खिलाड़ियों का आभार व्यक्त करता हूं. उन्होंने 2011 में सी के नायडू ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करके लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचा था. इसके बाद उन्होंने 2015-16 में रणजी ट्रॉफी में बेहतरीन खेल दिखाया था और तब एक दोहरा शतक भी जड़ा था.
वनडे में पदार्पण करने से पहले उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला के लिए टेस्ट टीम में भी शामिल किया गया था, लेकिन उन्हें पदार्पण करने का मौका नहीं मिला.

न्यूजीलैंड के हेनरी निकोल्स पर गेंद से छेड़खानी के आरोप

वेलिंगटन। टेस्ट बल्लेबाज हेनरी निकोल्स को इस सप्ताह एक घरेलू क्रिकेट मैच में गेंद से छेड़खानी का दोषी पाया गया है और उन पर न्यूजीलैंड क्रिकेट की आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप है. टीवी फुटेज में दिखा कि निकोल्स की केंटरबरी टीम और आकलैंड के बीच प्लंकेट शील्ड मैच के दौरान उन्होंने गेंद को खुरचा था. न्यूजीलैंड क्रिकेट ने एक बयान में कहा कि निकोल्स पर आचार संहिता की धारा 1 . 15 के नियम 3 . 1 के उल्लंघन का आरोप है. उन्होंने प्लंकेट शील्ड मैच के दौरान यह नियम तोड़ा. सुनवाई की कोई तारीख तय नहीं की गई है. निकोल्स इस महीने के आखिर में बांग्लादेश दौरा करने वाली कीवी टीम का हिस्सा हैं.

विश्व कप : इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच मुकाबला आज, मैच दोपहर दो बजे से खेला जाएगा

पाक को चमत्कारी जीत की आस

- श्रीलंका को पांच विकेट से हराकर न्यूजीलैंड का रनरेट काफी बेहतर हो गया है

भाषा । कोलकाता

पाकिस्तान को विश्व कप सेमीफाइनल में प्रवेश के लिये इंग्लैंड के खिलाफ शनिवार को अपने आखिरी लीग मैच में लगभग असंभव अंतर के साथ चमत्कारिक जीत दर्ज करनी होगी जबकि इंग्लैंड की नजरें चैंपियंस ट्रॉफी के लिये क्वालीफाई करने पर लगी होंगी. श्रीलंका को पांच विकेट से हराकर न्यूजीलैंड का रनरेट काफी बेहतर हो गया है. इस विश्व कप में पाकिस्तान अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर सका लेकिन आखिरी दो मैचों में अच्छा प्रदर्शन करके उम्मीद जगाई है. ईडन गार्डंस पर दो मैच खेल चुकी पाकिस्तानी टीम को हालात की बेहतर जानकारी है. लेकिन उसे शीर्ष पांच बल्लेबाजों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करनी होगी. न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी करने वाले फखर जमां का पांच मैचों से बाहर रहना रहस्य बना हुआ है. उन्होंने बाबर के साथ 141 गेंद में 194 रन की नाबाद साझेदारी करके टीम को जीत दिलाई थी.

दूसरी ओर लगातार पांच मैच हारकर इंग्लैंड का विश्व कप बरकरार रहने का सपना टूट गया. बेन स्टोक्स और डेविड मलान ने पिछले दो मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया और शाहीन शाह अफरीदी तथा हसन रऊफ से उनकी जंग देखने लायक होगी. स्टोक्स ने पिछले दो मैचों में अर्धशतक और शतक जमाया. उनके लिये 300 से अधिक रन बना चुके एकमात्र बल्लेबआज मलान ने हमेशा अच्छी शुरूआत दी है. इंग्लैंड को जो रूट, हैरी ब्रूक और कप्तान जोस बटलर से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी. इंग्लैंड के लिये क्रिस वोक्स ने बल्ले और गेंद दोनों से अच्छा प्रदर्शन किया है. वोक्स और डेविड विली के रूप में इंग्लैंड के पास दो शानदार तेज गेंदबाज हैं. पाकिस्तान के फखर और बाबर के खिलाफ उनका प्रदर्शन देखने लायक होगा. स्पिनरों की मददगार पिच पर मोईन अली और आदिल रशीद पर भी नजरें होंगी.

टीमें

पाकिस्तान : बाबर आजम (कप्तान), शादाब खान, फखर जमां, इमामुल हक, अब्दुल्ला शफीक, मोहम्मद रिजवान, सऊद शकील, इफ्तिखार अहमद, सलमान अली आगा, मोहम्मद नवाज, उसामा मीर, हारिस रऊफ, हसन अली, शाहीन शाह अफरीदी, मोहम्मद वसीम

इंग्लैंड : जोस बटलर (कप्तान), मोइन अली, गस एटकिंसन, जॉनी बेयरस्टो, सैम करन, लियाम लिविंगस्टोन, डेविड मलान, आदिल राशिद, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स, ब्रायडन कार्स, डेविड विली, मार्क वुड और क्रिस वोक्स.

कप्तानी से मेरी बल्लेबाजी प्रभावित नहीं हुई: बाबर

पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने उनके नेतृत्वकौशल पर सवाल उठाने वाले आलोचकों को आड़े हाथों लेते हुए शुक्रवार को यहां कहा कि टीवी पर राय देना आसान होता है और कप्तानी के कारण विश्व कप में उनकी बल्लेबाजी पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा. पाकिस्तान की अफगानिस्तान के हाथों 8 विकेट की हार और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 271 रन के लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाने के बाद बाबर आजम की आलोचना हो रही थी. मोइन खान और शोएब मलिक जैसे पूर्व कप्तानों ने बाबर की कप्तानी की खुलेआम आलोचना की और कहा कि इसका असर उनकी बल्लेबाजी पर पड़ रहा है. बाबर ने अपनी आलोचना के संबंध में कहा कि टीवी पर राय देना बहुत आसान होता है. अगर कोई मुझे सलाह देना चाहता है तो उनका स्वागत है और वह मुझे सीधे फोन कर सकते हैं. मेरा नंबर उन सभी के पास है.

पाकिस्तान का सेमीफाइनल में पहुंचना लगभग असंभव

पाकिस्तान की सेमीफाइनल में प्रवेश की उम्मीदों पर लगभग पानी फिर गया. 1992 की चैंपियन पाकिस्तान को अब असंभव से अंतर से इंग्लैंड को हराना होगा. न्यूजीलैंड का नेट रनरेट इस समय प्लस 0 . 743 है जबकि पाकिस्तान का प्लस 0 . 036 है. बाबर आजम की टीम को पहले बल्लेबाजी करने पर करीब 287 रन से जीतना होगा और लक्ष्य का पीछा करते हुए 284 गेंद बाकी रहते जीत दर्ज करनी होगी जो नामुमकिन सा है.

इंग्लैंड की नजरें चैंपियंस ट्रॉफी क्वालिफाई पर

गत चैंपियन इंग्लैंड सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो चुका है लेकिन उसका लक्ष्य शीर्ष आठ में रहकर 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के लिये क्वालीफाई करना है. इसके लिये बांग्लादेश, श्रीलंका, नीदरलैंड और इंग्लैंड में चौतरफा मुकाबला है. आखिरी मैच में नीदरलैंड को 160 रन से हराकर इंग्लैंड ने खोया आत्मविश्वास हासिल किया है और अब वह सातवें स्थान पर है. पाकिस्तान को हराने से उसकी जगह पक्की हो जायेगी क्योंकि बांग्लादेश और नीदरलैंड को क्रमशः ऑस्ट्रेलिया और भारत से खेलना है.

ऑस्ट्रेलिया के सामने बांग्लादेश की कमजोर चुनौती

मैच भारतीय समयानुसार दोपहर दो बजे शुरू होगा

पुणे। सेमीफाइनल में जगह बना चुकी आत्मविश्वास से ओतप्रोत ऑस्ट्रेलियाई टीम विश्व कप के आखिरी लीग मैच में शनिवार को शाकिब अल हसन के बिना उतरने वाली बांग्लादेश के खिलाफ इस लय को कायम रखने उतरेगी. पांच बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने पिछले छह मैचों में शानदार प्रदर्शन करके जीत दर्ज की है. वहीं बांग्लादेश टूर्नामेंट से बाहर होने वाली पहली टीम रही. पैट कमिंस की टीम ने ग्लेन मैक्सवेल के नाबाद दोहरे शतक के दम पर अफगानिस्तान पर चमत्कारिक जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में प्रवेश किया. जीत के लिये 292 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने सात विकेट 91 रन पर गंवा दिये थे जिसके बाद चोट से जूझते हुए मैक्सवेल ने 128 गेंद में नाबाद 201 रन बनाये. दूसरी ओर बांग्लादेश ने तनावपूर्ण मुकाबले में श्रीलंका को तीन विकेट से हराकर 2025 चैंपियंस ट्रॉफी क्वालीफिकेशन की उम्मीदें कायम रखी हैं. एंजेलो मैथ्यूज को टाइम आउट किये जाने से वह मैच काफी तनावपूर्ण हो गया था. मेजबान पाकिस्तान समेत आठ शीर्ष टीमें 2025 चैम्पियंस ट्रॉफी खेलेंगी. बांग्लादेश आठवें स्थान पर है और इस पर बने रहने की कोशिश में होगा.

टीमें

ऑस्ट्रेलिया : पैट कमिंस (कप्तान), स्टीव स्मिथ, एलेक्स कैरी, जोश इंगलिस सीन एबोट, एशटन एगर, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, मिच मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस, डेविड वॉर्नर, एडम जम्पा और मिशेल स्टार्क

बांग्लादेश : लिटन दास (विकेटकीपर), तंजीद हसन तमीम, नजमुल हुसैन शंटो (कप्तान), तौहीद हृदोय, मुशिफकुर रहीम (विकेटकीपर), महमुदुल्लाह रियाद, मेहदी हसन मिराज, नसुम अहमद, महेदी हसन, तस्कीन अहमद , मुस्तफिजुर रहमान, हसन महमूद, शरीफुल इस्लाम, तंजीम हसन साकिब, अनामुल हक.

अगले साल आईपीएल में वापसी करेगा पंत : गांगुली

भाषा । कोलकाता

दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के क्रिकेट निदेशक सौरव गांगुली ने कहा कि भारत के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अगले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र में खेलेंगे. दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान पंत पिछले साल दिसंबर में कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गये थे. पंत गुरूवार को दिल्ली कैपिटल्स के ट्रेनिंग सत्र के दौरान खिलाड़ियों के साथ जुड़ गये. गांगुली ने पंत के बारे में अपडेट देते हुए पत्रकारों से कहा कि पंत अब ठीक है. वह अगले आईपीएल सत्र में खेलेंगे. उन्होंने कहा कि ऋषभ हालांकि यहां अभ्यास नहीं करेगा. अभी अभ्यास शुरू करने के लिए समय है. जनवरी (2024 तक) वह और बेहतर हो जायेगा. गांगुली ने कहा कि हम टीम के बारे में बात कर रहे थे. वह कप्तान है इसलिये आगामी नीलामी के संबंध में उसने अपने विचार रखे. वह इसी वजह से यहां आया ताकि टीम संबंधित कुछ पहलुओं को अंतिम रूप दे सके. पंत ने भारत के लिये अंतिम टेस्ट पिछले साल दिसंबर में मीरपुर में बांग्लादेश के खिलाफ खेला था.

सरकारी हस्तक्षेप के कारण श्रीलंका क्रिकेट टीम निलंबित

भाषा । दुबई

विश्व कप में खराब प्रदर्शन के बाद अब श्रीलंका की टीम को एक बड़ा झटका लगा है. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने तत्काल प्रभाव से श्रीलंका की क्रिकेट टीम की सदस्यता को निलंबित कर दिया है. शुक्रवार को हुई आईसीसी की बैठक में क्रिकेट श्रीलंका को आईसीसी की सदस्यता से निलंबित करने का फैसला लिया गया. बतौर सदस्य श्रीलंका पर नियमों के उल्लंघन के गंभीर आरोप लगाए गए हैं. इसमें बोर्ड के मामलों को स्वायत्तापूर्ण तरीकों से चलाना और यह सुनिश्चित करना है कि बोर्ड की कार्यप्रणाली, संचालन या क्रिकेट प्रशासन में सरकार की दखलअंदाजी न हो. श्रीलंका की संसद ने दरअसल वीरवार को को देश की क्रिकेट संचालन संस्था को बर्खास्त करने के लिए सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया किया था. और इसे सत्ता पक्ष और विपक्षी दलों का पूरा समर्थन मिला था. मुख्य विपक्ष पार्टी के नेता साजिथ प्रेमदासा ने संसद में 'भ्रष्ट श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) प्रबंधन को हटाने'' के शीर्षक का प्रस्ताव पेश किया जिसका सरकार के सीनियर मंत्री निमल सिरिपाला डिसिल्वा ने पूरा समर्थन किया. वहीं दो दिन पहले अपील अदालत ने मंगलवार को शम्मी सिल्वा की अध्यक्षता वाले श्रीलंका क्रिकेट प्रबंधन को बहाल किया था, लेकिन इसके बावजूद श्रीलंका सरकार ने क्रिकेट बोर्ड को बर्खास्त कर दिया.

राष्ट्रीय बिलियर्ड्स और स्नूकर चैंपियनशिप 21 से

चेन्नई। आगामी राष्ट्रीय बिलियर्डस एवं स्नूकर चैंपियनशिप यहां नेहरू इंडोर स्टेडियम में 21 नवंबर से आयोजित की जायेगी. यह राष्ट्रीय चैंपियनशिप का 90वां चरण है जो 25 दिसंबर को समाप्त होगा और इसमें हर उम्र समूह के सभी प्रारूपों में करीब 1500 क्यू खिलाड़ियों के भाग लेने की उम्मीद है. 2011 के बाद यह इस शहर में पहली बार खेला जायेगा. आदित्य मेहता, रफथ हबीब, विद्या पिल्लई, ब्रिजेश दमानी, श्रीकृष्णा सूर्यनारायणन और अनुपमा रामचंद्रन जैसे खिलाड़ी भी इसमें हिस्सा लेंगे. प्रतियोगिता पुरुष और महिलाओं के लिए सीनियर बिलियड्र्स एवं स्नूकर वर्ग, मास्टर्स स्नूकर, 6 रेड स्नूकर तथा लड़कों और लड़कियों के लिए सब जूनियर और जूनियर बिलियड्र्स एवं स्नूकर वर्ग में खेली जायेगी. तमिलनाडु बिलियड्र्स एवं स्नूकर संघ उपाध्यक्ष राजमोहन ने पीटीआई से कहा कि अगर आप यूरोप में स्नूकर को देखो तो यह क्रिकेट से ज्यादा कमाई कर रहा है.

बी डिवीजन क्रिकेट के लिए 13 टीमों ने किया क्वालीफाई

संवाददाता । रांची

रांची जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित क्वालीफायर प्रतियोगिता के मैचों के समापन के बाद रांची जिला बी डिवीजन क्रिकेट के इस सत्र में 13 टीमों ने क्वालीफाई किया है. क्वालीफायर प्रतियोगिता में कुल 31 टीमों ने भाग लिया था जिसमें 10 पुरानी और 21 नई टीमों ने हिस्सा लिया. क्वालीफायर प्रतियोगिता के बाद कुल 13 टीमों को अंक तालिका एवं नेट रन रेट के आधार पर इस सत्र में बी डिवीजन लीग मैचों में खेलने का मौका मिलेगा.

क्वालीफाई करने वाली टीमें

1. जेके क्रिकेट एकेडमी
2. अरविंदो क्रिकेट एकेडमी
3. डिस्टीनी क्रिकेट एकेडमी
4. केडी गिरी क्रिकेट एकेडमी
5. ड्रीम बिग क्रिकेट एकेडमी
6. जगरनाथ स्पोर्टिंग
7. कुश माही क्रिकेट एकेडमी
8. सोनेट क्रिकेट एकेडमी (नामकुम)
9. नवभारत क्रिकेट कल्ब
10. नगड़ी क्रिकेट एकेडमी
11. रातु क्रिकेट कल्ब
12. कल्ब ऑफ 22 यार्ड क्रिकेट एकेडमी
13. द अचीवर्स क्रिकेट एकेडमी

एथलेटिक्स राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में झारखंड के एथलीट ने कुल 11 पदक जीते

झारखंड की आशा व साकेत ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण जीता

संवाददाता । रांची

कोयंबतूर के नेहरू स्टेडियम में आयोजित 38वीं राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में झारखंड के एथलीटों ने 4 स्वर्ण, 4 रजत और 3 कांस्य पदक समेत कुल 11 पदक जीते. इसी प्रतियोगिता में आशा किरण बारला ने रचना मंगलागिरी के 2019 में बनाए गए 2:06.12 को तोड़ते हुए बालिका अंडर-20 वर्ग के 800 मीटर में 4:04.48 के समय के साथ नया मीट रिकॉर्ड बनाया है. वहीं साई रांची के साकेत मिल ने 300 मीटर के नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड 34.72 के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता. उन्होंने दीपक सिंह द्वारा 2021 में गोहाटी में बनाए गए 34.78 समय के रिकॉर्ड को तोड़ा.

04 स्वर्ण पदक | **04** रजत पदक | **03** कांस्य पदक

पदक जीतने वाले झारखंड के खिलाड़ी

स्वर्ण पदक
सविता मुर्मू - (बालिका अंडर-16), जेवलिन थ्रो (जामताड़ा)
साकेत मिंज (बालक अंडर-16), 300 मीटर (रांची)
आशा किरण बारला (बालिका अंडर- 20), 800 मीटर (बोकारो)
विशाल कुमार (बालक अंडर-20), ट्रिपल जंप (रांची)

रजत पदक
ममता मेरी मुर्मू (बालिका अंडर-14) (पुर्वी सिंहभूम)
रोशन कुमार (बालक वर्ग) (बोकारो)
हिमांशु कुमार (बालक अंडर 16) (पूर्वी सिंह भूम)
अनीत उरांव (बालक अंडर 14) (गुमला)

कांस्य पदक
अनीत उरांव (बालक अंडर-14) (गुमला)
प्रीति लकड़ा (बालक अंडर 18) (हजारीबाग)
अनुज बाखला (बालक अंडर -14) (गुमला)

लातेहार स्कूली क्रिकेट लीग

एसआरसीसी ने आरसीसी चंदवा को हराया

लातेहार। लातेहार जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित स्कूली क्रिकेट लीग बी ग्रुप का छठा मैच शुक्रवार को एसआरसीसी बालूमाथ व आरसीसी, चंदवा के बीच खेला गया. आरसीसी, चंदवा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवरों में सभी 10 विकेट खोकर 117 रन बनाये. पवन कुमार ने सर्वाधिक 30 रनों का योगदान दिया. एसआरसीसी, बालूमाथ की ओर से शिवांश और प्रिंस ने तीन-तीन विकेट चटकाये. लक्ष्य का पीछा करने उतरी एसआरसीसी, बालूमाथ की टीम ने 17 वें ओवर में सात विकेट खोकर मैच को जीत लिया. आरसीसी की ओर से प्रिंस कुमार यादव ने तीन विकेट चटकाए. मैच के अंपायर आनंद सिंह व अर्णव सिंह और स्कोरर रौनक दुबे थे. मैच के पर्यवेक्षक श्रवण महली ने मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार एसआरसीसी के शिवांश राठौर को प्रदान किया. मौके पर संघ के सचिव अमलेश कुमार सिंह, प्रकाश सिंह सहित कई खिलाड़ी व दर्शक उपस्थित थे.

देशभर में धनतेरस की धूम...

आओ जानें

कार बनाने वाले दुनिया के 10 प्रमुख देश

(आंकड़े 2022 के मिलियन में)

चीन	27	जर्मनी	3.7
अमेरिका	10	मेक्सिको	3.5
जापान	7.8	ब्राजील	2.4
भारत	5.5	स्पेन	2.2
दक्षिण कोरिया	3.8	थाईलैंड	1.9

ब्रीफ खबरें

पुरी में भारी भीड़ से 10 श्रद्धालु हुए बेहोश

पुरी । श्री जगन्नाथ मंदिर में शुक्रवार को भारी भीड़ के कारण कम से कम 10 श्रद्धालु बेहोश हो गए और उन्हें जिला मुख्यालय अस्पताल ले जाया गया. पुलिस ने यह जानकारी दी. श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के मुख्य प्रशासक रंजन कुमार दास ने कहा कि सुबह भक्तों की भारी भीड़ के कारण यह घटना हुई. कार्तिक माह को पवित्र माना जाता है और बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए 12वीं सदी में बने इस मंदिर में आते हैं. उन्होंने कहा, बीमार पड़ने वाले अधिकतर लोग बुजुर्ग थे. हम मंदिर के अंदर सुचारू दर्शन सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्था बढ़ा रहे हैं.

सीआरपीएफ के जवान ने की आत्महत्या

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में शुक्रवार को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान ने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मारकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि जवान ने यह कदम क्यों उठाया, इसका तत्काल पता नहीं चल सका है. अधिकारियों ने बताया कि जवान दक्षिण कश्मीर जिले के काजीगुंड इलाके में जवाहर सुरंग के पास ड्यूटी पर तैनात था. उन्होंने बताया कि मौके पर ही उसकी मौत हो गई और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल ले जाया गया.

टीपू सुल्तान की जयंती पर निषेधाज्ञा लागू

मांड्या (कर्नाटक)। कर्नाटक में टीपू सुल्तान की जयंती पर होने वाले समारोहों के मद्देनजर किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए मांड्या जिले के श्रीरंगपट्टनम तालुक में एहतियातन निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है. पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी यहां दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 लागू कर दी गई है, क्योंकि यह एक संवेदनशील इलाका है. धारा 144 के तहत चार या अधिक व्यक्तियों के जुटने पर रोक होती है.

दो पत्रकारों को मिली गिरफ्तारी से सुरक्षा

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को उन दो पत्रकारों को गिरफ्तारी से सुरक्षा प्रदान की, जिन्होंने अडाणी समूह पर लिखे एक लेख के संबंध में गुजरात पुलिस द्वारा जारी समन को चुनौती दी है. न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति पी के मिश्रा की पीठ ने पत्रकारों को जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया और उनके द्वारा दायर याचिकाओं पर गुजरात सरकार को नोटिस जारी किया. पीठ ने कहा, 'हम निर्देश देते हैं कि सुनवाई की अगली तारीख तक याचिकाकर्ताओं के खिलाफ कोई कठोर कार्रवाई नहीं की जाए, लेकिन उन्हें जांच में सहयोग करना चाहिए.'

विश्व कौशल केंद्र के लिए एमओयू पर हुआ हस्ताक्षर

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार ने यहां विश्व कौशल केंद्र (डब्ल्यूएससी) के दूसरे परिसर की स्थापना करने के लिए एक ज्ञापन समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं. अधिकारी ने बताया कि इस विश्व कौशल केंद्र की स्थापना और प्रबंधन के लिए सिंगापुर की 'आईटीई एजुकेशन सर्विस' के साथ बृहस्पतिवार को समझौते पर हस्ताक्षर किए गए. एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि विश्व कौशल केंद्र का दूसरा परिसर जल्द ही चालू करने का लक्ष्य है. बयान के मुताबिक, वैश्विक मांग को देखते हुए केंद्र नौ समकालीन क्षेत्रों में उन्नत कौशल कार्यक्रम पेश करेगा.

सांप के जहर की आपूर्ति मामले में सपेरों से पूछताछ

नोएडा (उप्र)। रेव पार्टी तथा पार्टी के अंदर सांपों के जहर की आपूर्ति करने के मामले में गिरफ्तार किए गए पांच सपेरों को नोएडा पुलिस ने शुक्रवार को हिरासत में ले लिया. अदालत ने उन्हें 54 घंटे के लिए पुलिस हिरासत में भेज दी है. पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) हरिश चंदर ने बताया कि शुक्रवार की सुबह को पुलिस ने पांचों आरोपियों -राहुल, टीटू नाथ, जयकरण, नारायण तथा रवि नाथ को लुक्सर जेल से अपनी हिरासत में लिया और जांच अधिकारी उनसे पूछताछ कर रहे हैं. पांचों आरोपियों को पुलिस हिरासत में लिये जाने की सूचना के बाद थाना सेक्टर 20 के बाहर मीडियाकर्मियों का जमावड़ा लग गया है.

पश्चिम एशिया, हिंद प्रशांत में स्थिति पर विचार-विमर्श

भारत-अमेरिका बख्तरबंद वाहनों का करेंगे निर्माण

भाषा। नयी दिल्ली

अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने शुक्रवार को कहा कि भारत और अमेरिका रक्षा औद्योगिक सहयोग के तहत लड़ाकू वाहनों का सह-उत्पादन करेंगे. ऑस्टिन दिल्ली में ''टू प्लस टू'' रक्षा और विदेश मंत्रिस्तरीय विचार-विमर्श के बाद कुछ संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे. अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल में ऑस्टिन के अलावा विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन भी शामिल थे. भारतीय पक्ष का नेतृत्व विदेश मंत्री एस जयशंकर और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया.

ऑस्टिन ने कहा, हम बख्तरबंद वाहन के सह-उत्पादन के लिए मिलकर काम कर रहे हैं और यह बेहद अहम है. उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि चीन से बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों सहित विभिन्न मुद्दों पर बैठक के दौरान चर्चा हुई. उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका-भारत संबंध सिर्फ चीन की ओर से मिली चुनौतियों पर हीं आधारित नहीं हैं, बल्कि ये दोनों देशों के साझा मूल्यों पर आधारित हैं. भारत के अमेरिका से 31 एमक्यू-9बी ड्रोन खरीदने से जुड़ी परियोजना के बारे में पूछने पर ऑस्टिन ने कहा कि इसकी घोषणा उचित समय पर की जाएगी. उन्होंने कहा कि सरकार के अधिकारीगण यह सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव कोशिश कर रहे हैं कि भारत को वह क्षमता जल्द से जल्द हासिल हो. ऑस्टिन ने कहा, हम अंतरिक्ष से लेकर समुद्र के नीचे तक विभिन्न क्षेत्रों में अमेरिका-भारत रक्षा सहयोग को बढ़ा रहे हैं. उन्होंने कहा, हमने हिंद-प्रशांत क्षेत्र, मध्य पूर्व और यूक्रेन के अहम घटनाक्रमों पर विचार-विमर्श किया.

खास बातें

- अमेरिकी समकक्ष के साथ चर्चा को भारत ने उपयोगी बताया
- ब्लिंकन और लॉयड आस्टिन वार्ता के लिए आए हैं दिल्ली
- रणनीतिक साझेदारी विकसित करने पर हुई खुली चर्चा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और जयशंकर करेंगे भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व

वार्ता में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और जयशंकर करेंगे. रक्षा मंत्रालय ने कहा कि 'टू प्लस टू' वार्ता और राजनाथ व ऑस्टिन के बीच होने वाली द्विपक्षीय बैठक में रणनीतिक, रक्षा और प्रौद्योगिकी संबंधी कई मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है. विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि 'टू प्लस टू' संवाद के जरिये रक्षा और सुरक्षा सहयोग, प्रौद्योगिकी मूल्य श्रृंखला सहयोग और दोनों देशों के लोगों के बीच परस्पर संबंधों में प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा हो सकेगी. मंत्रालय ने एक बयान में कहा, मंत्रियों को इस साल जून और सितंबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा अपनी चर्चाओं में परिकल्पित भारत-अमेरिका साझेदारी के भविष्य के खाके को आगे बढ़ाने का मौका मिलेगा. बयान में कहा गया है कि दोनों पक्ष समसामयिक क्षेत्रीय मुद्दों का भी जायजा लेंगे और बहुपक्षीय मंच तथा क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) जैसे ढांचे के माध्यम से सहयोग बढ़ाने के लिए साझा प्राथमिकताओं के बारे में विचारों का आदान-प्रदान करेंगे.

गोरखपुर में खड़ी बस को ट्रक ने टक्कर मारी 6 की मौत, 25 घायल

गोरखपुर । उत्तर प्रदेश में गोरखपुर-कुशीनगर राजमार्ग पर जगदीशपुर के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे खड़ी राज्य परिवहन निगम की एक बस को टक्कर मार दी, जिससे कम से कम छह लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 से अधिक अन्य लोग घायल हो गए. एक पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि यह हादसा गुरुवार देर रात हुआ और पुलिस ने ट्रक जब्त कर लिया है व उसके चालक की तलाश कर रही है. पुलिस के मुताबिक पंचर होने के बाद बस सड़क किनारे खड़ी थी. इस दौरान कुछ यात्री उतरकर दूसरी बस में चढ़ गए, जबकि कुछ बस के अंदर ही रह गए. तभी ट्रक उस बस से टकरा गया, जिसके परिणामस्वरूप यह दुर्घटना हुई. पुलिस अधीक्षक (नगर) कृष्ण कुमार ने बताया, यह हादसा गुरुवार देर रात हुआ, जब एक तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे खड़ी बस को टक्कर मार दी.

पश्चिम बंगाल के हावड़ा में कपड़ा गोदाम लगी आग

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले में एक कपड़ा गोदाम में शुक्रवार को सुबह आग लग गई. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि हावड़ा शहर के फोरशोर रोड पर स्थित गोदाम में सुबह करीब छह बजे आग लगी. अधिकारियों ने बताया कि घटना के बाद दमकल की 15 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया. उन्होंने बताया कि हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है. अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि घटना में हुए नुकसान का पता नहीं चल सका है. उन्होंने बताया कि जांच के बाद आग लगने की वजह का पता चलेगा. अग्निशमन सेवा मंत्री सुजीत बोस और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एवं बागवानी मंत्री अरूप रॉय ने घटनास्थल का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया.

धर्म की रक्षा के लिए निर्देश वाली याचिका खारिज

भाषा। नयी दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने भारत में हिंदू धर्म की 'रक्षा' के लिए दिशा-निर्देश बनाने का केंद्र को निर्देश दिए जाने का अनुरोध करने वाली याचिका पर सुनवाई करने से शुक्रवार को इनकार कर दिया. न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया व न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने कहा कि शीर्ष अदालत इस प्रकार का अनुरोध करने वाली याचिका की सुनवाई करने की इच्छुक नहीं है. शीर्ष अदालत ने याचिका में किए गए इस अनुरोध का जिक्र किया कि भारत सरकार के प्राधिकारियों को यहां हिंदू धर्म की रक्षा के लिए दिशा-निर्देश बनाने का निर्देश दिया जाए. पीठ ने कहा, 'कोई कहेगा कि भारत में इस्लाम की रक्षा करो. कोई कहेगा कि भारत में ईसाई धर्म की रक्षा करो.' उत्तर प्रदेश के एक व्यक्ति ने यह याचिका दायर की थी.

पराली जलाने की घटनाओं पर रोक लगानी होगी : सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि पंजाब और दिल्ली से सटे कुछ अन्य राज्यों में पराली जलाने की घटनाएं रोकनी होंगी और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में प्रदूषण का स्तर कम करने के लिए समाधान खोजना होगा. न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने दिल्ली-एनसीआर में खतरनाक वायु प्रदूषण से संबंधित एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि प्रदूषण से जुड़ी कई रिपोर्ट और समितियां हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर कुछ भी नहीं हो रहा. पीठ ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय परिणाम देखना चाहता है.

प्राण-प्रतिष्ठा में शामिल होंगे योगी

भाषा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश के अयोध्या में नवनिर्मित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रीरामलला विग्रह के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल होंगे. एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई. श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट कर उन्हें प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का औपचारिक निमंत्रण दिया.

मुख्यमंत्री आवास पर हुई इस भेंट के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर कहा, आज जीवन धन्य हो गया है. मन आह्लादित है. श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सम्मानित पदाधिकारी स्वामी गोविन्ददेव गिरि जी महाराज, चम्पत राय जी व राजेंद्र पंकज जी ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में भगवान श्री रामलला सरकार के नूतन बालरूप विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मुझे आमंत्रित किया है. आभार! जय जय सीताराम. मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में कहा, प्रभु राम की असीम अनुकंपा, पूज्य संतों एवं दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज व पूज्य गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ जी महाराज के आशीर्वाद, श्रद्धेय अशोक सिंघल एवं रामभक्तों के सदियों के अनवरत संघर्ष तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व का ही सुफल है कि अयोध्या में प्रभु राम के नूतन बालरूप विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा को सफलीभूत होते हुए हम सभी देख पा रहे हैं. कृतज्ञ हूं, हर्षित हूं, उत्साहित हूं, राममय हूं.

दिवाली ही नहीं होली में भी देंगे नि:शुल्क गैस सिलेंडर

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि होली के अवसर पर मार्च में उनकी सरकार एक बार फिर नि:शुल्क गैस सिलिंडर उपलब्ध करवाएगी. एक सरकारी बयान के मुताबिक, शुक्रवार को मुख्यमंत्री ने धनतेरस के अवसर पर यहां लोकभवन से प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत प्रदेश के 1.75 करोड़ पात्र परिवारों के लिए नि:शुल्क रसोई गैस सिलिंडर रिफिल वितरण अभियान की शुरुआत की. इस अभियान पर उप्र सरकार 2,312 करोड़ रुपये व्यय करेगी. इस दौरान मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने कहा कि विधानसभा चुनाव-2022 के दौरान 'लोक कल्याण संकल्प पत्र' में की गई एक और घोषणा को उनकी सरकार पूरा कर रही है.

राष्ट्रपति सौसा ने संसद भंग की, समय से पूर्व चुनाव का किया ऐलान

लिस्बन। पुर्तगाल के प्रधानमंत्री एंटोनियो कोस्टा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, उन पर भ्रष्टाचार और पद का दुरूपयोग करने का आरोप है. इस्तीफे के दो दिन बाद राष्ट्रपति मार्सेलो रेबेलो डी सौसा ने देश की संसद को भंग करने की घोषणा की है. साथ ही समय से पूर्व चुनाव कराने का भी फैसला किया है. पुर्तगाल में आगामी 10 मार्च को चुनाव होंगे. गौरतलब है कि प्रधानमंत्री एंटोनियो कोस्टा के इस्तीफे के बाद मार्सेलो रेबेलो डी सौसा ने बुधवार को संसद में राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ मुलाकात की थी. इसके बाद सौसा ने 'काउंसिल ऑफ स्टेट' के साथ बैठक की. बैठक के बाद उन्होंने अपने फैसले को सार्वजनिक किया. 'काउंसिल ऑफ स्टेट' पूर्व राजनेताओं और दिग्गज हस्तियों की एक परामर्श संस्था है.

दिवाली की पार्टी

शुक्रवार को अभिनेता आदित्य रॉय कपूर, कार्तिक, और अदाकारा अनन्या पांडे मुंबई में सारा अली खान की दिवाली पार्टी में पहुंचे. -फोटोःपीटीआई

समारोह गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने आईएफएफआई से पहले भवन का किया शुभारंभ

पणजी में कला अकादमी के पुनर्निर्मित भवन का उद्घाटन

भाषा। पणजी

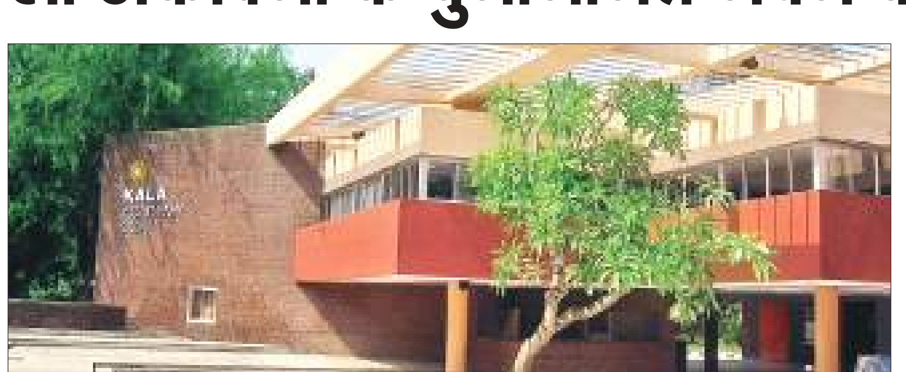

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने आगामी भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) से पहले, शुक्रवार को यहां कला अकादमी के पुनर्निर्मित भवन का उद्घाटन किया. कला अकादमी, पणजी में राज्य सरकार द्वारा संचालित एक प्रमुख सांस्कृतिक केंद्र है.

राज्य के कला एवं सांस्कृतिक मंत्री गोविंद गौड़े और लोक निर्माण विभाग के मंत्री नीलेश कैब्रल की उपस्थिति में भवन का उद्धघाटन किया गया. पिछले दो वर्षों में 54 करोड़ रुपये की लागत से भवन की मरम्मत का कार्य पूरा हुआ है. इस वर्ष 20 से 28 नवंबर तक आईएफएफआई का आयोजन किया जाएगा.

उद्धघाटन के मौके पर सावंत ने कहा, दो वर्षों से अधिक समय के बाद एक बार फिर से यह भवन राज्य के कलाकारों का केंद्र होगा. कला अकादमी गोवा की कला और संस्कृति की एक पहचान है. मशहूर संगीतकार दीनानाथ मंगेशकर के नाम पर बने ऑडिटोरियम की बुकिंग दिसंबर से शुरू होगी. मुख्यमंत्री ने कहा, मैंने यहां कई टियाट्रिस्ट (गोवा संगीत थिएटर के कलाकार) देखे. वे एक बार फिर से ऑडिटोरियम का लाभ उठा सकते हैं. सावंत ने पुरानी यादों का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने 2006 में कला अकादमी के मंच पर एक नाटक में अभिनय किया था. उन्होंने कहा, हमारे कला एवं सांस्कृतिक मंत्री गोविंद गौड़े ने यहां कई बार प्रस्तुति दी है और आज (शुक्रवार) शाम फिर से प्रस्तुति देंगे. गोविंद गौड़े एक अभिनेता भी हैं.

गौड़े मराठी लेखक वसंत कानिटकर के ऐतिहासिक नाटक, 'इथे ओशालाला मृत्यु' में छत्रपति संभाजी का किरदार निभाएंगे, जो पुनर्निर्मित परिसर में पहली प्रस्तुति होगी.

खास बातें

- आईएफएफआई का 20-28 नवंबर तक होगा आयोजन
- एक बार फिर से कलाकारों का केंद्र होगा यह भवन : सावंत

2024 में जीत का अंतर दोगुना करने में मदद मिलेगी : महुआ

भाषा। नयी दिल्ली

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद महुआ मोइत्रा ने 'पैसे के बदले प्रश्न पूछने' से जुड़े मामले में लोकसभा की आचार समिति द्वारा उन्हें निष्कासित करने की सिफारिश किए जाने के एक दिन बाद, शुक्रवार को कहा कि वह 2024 के चुनावों में बड़े जनादेश के साथ वापस आएंगी.

सोशल मीडिया मंच ''एक्स'' पर एक पोस्ट में महुआ ने कहा, 'संसदीय इतिहास में उस आचार समिति द्वारा अनैतिक रूप से निष्कासित की जाने वाली पहली व्यक्ति बनने पर गर्व है, जिसके अधिकार क्षेत्र में निष्कासन शामिल ही नहीं है. पहले निष्कासित करें और फिर सरकार से कहें कि वह सीबीआई को सबूत ढूंढ़ने का निर्देश दे. अपनी मनमर्जी की कंगारू कोर्ट, शुरू से अंत तक बंदरबांट. टीएमसी सांसद ने कहा, वे कहते हैं कि संकट के अच्छे मौके को कभी बर्बाद मत करो... इससे मुझे 2024 में अपनी जीत का अंतर दोगुना करने में मदद मिलेगी. लोकसभा की आचार समिति ने गुरुवार को महुआ के निष्कासन की सिफारिश की.

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सतना के चुनावी रैली में पीएम मोदी पर बोला हमला

सत्ता मिलने पर कांग्रेस सरकार करवाएगी जाति जनगणना : राहुल

भाषा। सतना (मप्र)

खास बातें

- जाति जनगणना से कल्याण की नीतियां बनाने में होगी सुविधा
- जाति जनगणना के मुद्दे पर पीएम मोदी कुछ नहीं कहते
- नोटबंदी और जीएसटी ने छोटे व्यापारियों की कमर तोड़ी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि जाति आधारित जनगणना एक क्रांतिकारी कदम है, जो लोगों का जीवन बदल देगा और कांग्रेस के सत्ता में आने पर मध्य प्रदेश के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर भी जाति जनगणना कराई जायेगी. वह शुक्रवार को मध्य प्रदेश के सतना में एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे. मध्यप्रदेश में 17 नवंबर को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होगा. कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद सबसे पहला काम प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की सही संख्या जानने के लिए जाति आधारित जनगणना कराने का है. उन्होंने कहा, यह एक एक्स-रे की तरह है, जो सभी (ओबीसी सहित सभी वर्गों की संख्या) वर्गों की स्थिति सामने लाएगा, जिसके अनुसार उनके कल्याण की नीतियां बनाई जाएंगी. उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस केंद्र में सत्ता में आती है तो वह राष्ट्रीय स्तर पर भी जाति आधारित जनगणना कराएगी. उन्होंने इस कवायद को लोगों के लिए एक 'क्रांतिकारी और जीवन बदलने वाला' कदम बताया. गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा कहते थे कि वह ओबीसी हैं, लेकिन कांग्रेस द्वारा देश में जाति जनगणना कराने का मुद्दा उठाने के तुरंत बाद उन्होंने इस बारे में बात करना ही बंद कर दिया. पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मध्य प्रदेश में राज्य को चलाने वाले 53 आईएएस अधिकारियों में से केवल एक ओबीसी से है. उन्होंने दावा किया कि इसका मतलब यह है कि यदि राज्य का कुल बजट 100 रुपये है, तो ओबीसी अधिकारी का नियंत्रण केवल 33 पैसे अथवा 0.03 प्रतिशत पर है. गांधी ने यह भी आरोप लगाया कि कर्ज संबंधी कठिनाइयों के कारण पिछले 18 वर्षों में मध्य प्रदेश में करीब 18,000 किसानों ने आत्महत्या की है. उन्होंने बेरोजगारी का जिक्र करते हुए कहा कि नोटबंदी और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) ने छोटे-मध्यम व्यवसायों और व्यापारियों पर हमला किया. गांधी ने कहा कि इसके परिणामस्वरूप देश में भारी बेरोजगारी की स्थिति पैदा हुई.

उम्मीद से ज्यादा बहुमत मिलेगी : सचिन पायलट

जयपुर। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने शुक्रवार को कहा कि चुनाव अभियान में मिल रहा मतदाताओं का रुझान बेहद उत्साहजनक है और कांग्रेस का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जिस उम्मीद से पार्टी चुनाव लड़ रही है, उसे उससे ज्यादा बहुमत मिलेगा. टोंक में जनसम्पर्क के दौरान पायलट ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, हमारा चुनावी अभियान बड़ा सकारात्मक है.. हमने जो घोषणाएं और जनकल्याण की बात रखी है उसे जनता पसंद कर रही है और कांग्रेस के उम्मीदवारों के प्रचार में लगातार भीड़ आ रही है. उन्होंने कहा- चुनाव अभियान बहुत अच्छा चल रहा है और मतदाताओं तथा कार्यकर्ताओं से मिल रहा रुझान बेहद उत्साहजनक है. मैं ऐसा मानता हूं कि कांग्रेस का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है. जिस उम्मीद से हम चुनाव लड़ रहे हैं, उससे ज्यादा बहुमत लेकर हम लोग निकलेंगे. उन्होंने कहा कि दीपावली के बाद कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी का राजस्थान आने का कार्यक्रम बन रहा है और वे बड़ी सभाओं को संबोधित करेंगे.

कांग्रेस ने अल्पसंख्यकों के लिए घोषणापत्र जारी किया

तेलंगाना

भाषा। हैदराबाद

खास बातें

- अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए बजट बढ़ाया जायेगा
- पीएचडी पूरी होने पर पांच लाख की वित्तीय सहायता देंगे

कांग्रेस की तेलंगाना इकाई ने कहा है कि यदि वह 30 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनावों में जीत हासिल करती है, तो सत्ता में आने के छह महीने के भीतर जाति आधारित जनगणना कराने के अलावा अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए बजट को बढ़ाकर सालाना 4,000 करोड़ रुपये तक करेगी. अल्पसंख्यकों का घोषणापत्र गुरुवार को जारी किया गया, जिसमें कहा गया है कि पार्टी नौकरियों, शिक्षा और सरकारी योजनाओं में अल्पसंख्यकों सहित सभी पिछड़े वर्गों के लिए उचित आरक्षण सुनिश्चित करेगी.

कांग्रेस ने इसके अलावा अल्पसंख्यक वर्ग के बेरोजगार युवाओं और महिलाओं को रियायती दर पर ऋण प्रदान करने के लिए प्रति वर्ष 1,000 करोड़ रुपये का प्रावधान करने का वादा किया. पार्टी ने कहा कि वह 'अब्दुल कलाम तोहफा-ए-तालीम योजना' के तहत मुस्लिम, ईसाई, सिख और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के युवाओं को एम.फिल और पीएचडी की पढ़ाई पूरी करने पर पांच लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करेगी. घोषणापत्र में इमाम, मुअज्जिन, खादिम, पादरी और ग्रंथी सहित सभी धर्मों के पुजारियों के लिए 10,000 रुपये से 12,000 रुपये का मासिक मानदेय देने की बात कही गई है.

पार्टी ने उर्दू माध्यम के शिक्षकों की विशेष भर्ती करने के अलावा 'तेलंगाना सिख अल्पसंख्यक वित्त निगम' स्थापित करने का वादा किया. इसके अलावा, अल्पसंख्यक समुदायों के बेघर लोगों को मकान बनाने के लिए जगह और पांच लाख रुपये उपलब्ध कराए जाएंगे.

मतदान से पहले बढ़ी झाबुआ के कड़कनाथ मुर्गे की मांग

हर्षवर्धन प्रकाश। झाबुआ

मध्यप्रदेश विधानसभा चुनावों के तहत 17 नवंबर को होने वाले मतदान से पहले झाबुआ के कड़कनाथ मुर्गे की मांग बढ़ने के साथ ही इसके दामों में इजाफा दर्ज किया गया है. काले रंग के पौष्टिक मांस के लिए मशहूर इस मुर्गा प्रजाति को जियोग्राफिकल इंडिकेशन्स (जीआई) का तमगा हासिल है. झाबुआ के कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) के वैज्ञानिक डॉ. चंदन कुमार ने पीटीआई-भाषा को बताया, ठंड के मौसम की शुरुआत हो गई है और चुनावों का भी समय है.

ऐसे में कड़कनाथ की मांग 30 से 40 प्रतिशत बढ़ गई है. उन्होंने बताया कि देशभर के पॉल्ट्री फार्म संचालक कड़कनाथ मुर्गे की शुद्ध नस्ल के चूजों के लिए झाबुआ का रुख करते हैं. इस नस्ल की शुद्धता बचाने की दिशा में काम करने वाले गैर सरकारी संगठन 'सारा सेवा संस्थान समिति' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सुधांशु शेखर ने बताया कि उनकी संस्था के चलाए जाने वाले दो किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के पॉल्ट्री फार्म में चुनावों के दौरान कारोबार बढ़ गया है. उन्होंने बताया, 'चुनावों के दौरान मांग में उछाल से कड़कनाथ के एक वयस्क मुर्गे का दाम बढ़कर 1,200 से 1,500 रुपये के बीच पहुंच गया है जो पहले 800 से 1,200 रुपये के बीच बिक रहा था. मांग बढ़ने के कारण हमें इसकी आपूर्ति तेज करनी पड़ी है.'

झाबुआ में भील आदिवासियों की बड़ी आबादी रहती है जहां मुर्गा आहार और अर्थव्यवस्था का अविभाज्य अंग है. आदिवासी समुदाय में देवी-देवताओं और पुरखों के लिए किए जाने वाले अलग-अलग अनुष्ठानों में मुर्गे की बलि का रिवाज है.कड़कनाथ मुर्गे को स्थानीय जुबान में 'कालामासी' कहा जाता है. झाबुआ मूल के कड़कनाथ मुर्गे को स्थानीय जुबान में ''कालामासी'' कहा जाता है.

मोदी से ऐसी भाषा की नहीं थी उम्मीद : गहलोत

भाषा। जयपुर

खास बातें

- भाजपा नेता ऐसी बातों को मुद्दा बना रहे जो मुद्दा नहीं
- प्रोगाम,पॉलिसी की बात करे, नॉन इश्यू की बात नहीं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान पर पलटवार करते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री से इस तरह की भाषा की उम्मीद नहीं थी. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भाजपा नेता ऐसी बातों को मुद्दा बना रहे हैं, जो मुद्दा ही नहीं है. गहलोत ने कहा कि इन विधानसभा चुनाव में राज्य की जनता कांग्रेस के साथ है और वह फिर सरकार बनाएगी. प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को उदयपुर के पास एक चुनावी सभा में कन्हैयालाल हत्याकांड को लेकर हमला बोलते हुए राज्य की कांग्रेस सरकार को आतंकियों से सहानुभूति रखने वाली सरकार बताया था. गहलोत ने यहां मीडिया से कहा, ''जो प्रधानमंत्री जी बोले हैं बहुत ही अस्वीकार्य है हम लोगों को. और मैं नम्र निवेदन करना चाहूंगा प्रधानमंत्री जी से कि कृपा करके इस प्रकार का माहौल नहीं बनाएं देश के लिए, (यह) देश के हित में नहीं है, समाज के हित में नहीं है.

कोई व्यक्तिगत दुश्मनी तो है नहीं : गहलोत ने आगे कहा कि हमारी कोई व्यक्तिगत दुश्मनी तो है नहीं. यह विचारधारा की लड़ाई हमारी. यह लड़ाई विचारधारा तक सीमित रहनी चाहिए. प्रोग्राम, पॉलिसी की बात करें, इश्यू की बात करें ...नॉन इश्यू को इश्यू बना रहे हो आप लोग. आप इस प्रकार से धर्म के नाम पर लोगों को भड़का रहे हो अभी से.

उन्होंने कहा, ''जिस भाषा में उन्होंने कहा है मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से ये उम्मीद नहीं करता था. इसलिए मैंने कहा कि या तो उन्हें ग़लत ब्रीफिंग की गई है यह वे जानबूझकर घबरा गए हैं, बौखला गए हैं. जानबूझ कर ये जुमला बोला है, मेरा यह मानना है. गहलोत ने कहा कि राजस्थान में इस समय माहौल कांग्रेस के पक्ष में है और उसकी शानदार योजनाओं व कार्यक्रमों की चर्चा पूरे देश में है. मुख्यमंत्री ने बाद में पाली के बाली में चुनावी सभा में भी दोहराया कि भाजपा के पास कोई चुनावी मुद्दा नहीं है और जनता कांग्रेस के साथ है.

राजस्थान के विस चुनाव में 1875 उम्मीदवार मैदान में

भाषा। जयपुर

राजस्थान के आगामी विधानसभा चुनाव में कुल 1875 उम्मीदवार अपने चुनावी भाग्य को आजमाएंगे, जिनमें 183 महिलाएं हैं. निर्वाचन विभाग के अनुसार, 200 विधानसभा सीटों के लिए कुल 2365 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किए थे, जिनमें से 490 ने अपने पर्चे वापस ले लिए. नामांकन वापस लेने का गुरुवार आखिरी दिन था. मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि विधानसभा चुनाव-2023 में नामांकन वापसी के बाद कुल 1875 उम्मीदवार मैदान में बचे हैं. इनमें 1692 पुरुष और 183 महिला उम्मीदवार हैं. 2018 में संपन्न पिछले विधानसभा चुनाव में 200 विधानसभा क्षेत्रों के लिए कुल 2294 उम्मीदवार थे, जिनमें 2105 पुरुष उम्मीदवार व 189 महिला उम्मीदवार थीं. उल्लेखनीय है कि राजस्थान विधानसभा आम चुनाव-2023 के लिए 30 अक्टूबर से नामांकन पत्र जमा करने की प्रक्रिया शुरू हुई थी. छह नवंबर तक 200 विधानसभा क्षेत्रों के लिए कुल 2365 अभ्यर्थियों ने नामांकन पत्र जमा किए थे. सात नवंबर को नामांकन पत्रों की संवीक्षा की गई. कुल 396 नामांकन पत्र निरस्त किए गए.

भाजपा के 14 प्रत्याशी की सूची जारी

भाषा। हैदराबाद

भाजपा ने 30 नवंबर को होने वाले तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को 14 उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी की. अंतिम सूची में पार्टी द्वारा घोषित उम्मीदवारों में वरिष्ठ नेता एन रामचंद्र राव भी शामिल हैं. पूर्व विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) राव को मल्काजगिरी से उम्मीदवार बनाया गया है. इसके अलावा सूची में शामिल अन्य उम्मीदवारों में ए श्रीदेवी (बेल्लमपल्ली-अजा), दुग्याला प्रदीप (पेद्दापल्ली), देशपांडे राजेश्वर राव (संगारेड्डी), येनुगु सुदर्शन रेड्डी (मेडचल), रवि कुमार यादव (सेरिलिंगमपल्ली), राहुल चंद्रा (नामपल्ली), के महेंद्र (चंद्रयानगुट्टा), श्री गणेश नारायण (सिकंदराबाद छावनी-अजा), कोंडा प्रशांत रेड्डी (देवरकद्रा), अनुगना रेड्डी (वानापर्थी), राजगोपाल (आलमपुर-अजा), के पुल्ला राव (नरसम्पेट) और पेरुमरपल्ली विजया राजू (मधिरा-अजा) शामिल हैं. भाजपा सूत्रों ने कहा कि अभिनेता से नेता बने पवन कल्याण की पार्टी जनसेना विधानसभा चुनाव में कुछ 119 सीटों में से आठ सीटों पर चुनाव लड़ेगी.

केसीआर ने 59 करोड़ की संपत्ति घोषित की

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने लगभग 59 करोड़ रुपये की पारिवारिक संपत्ति और 25 करोड़ रुपये की देनदारी घोषित की है. तेलंगाना में 30 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करते समय गुरुवार को सौंपे गए चुनावी हलफनामे के मुताबिक, राव के पास कार नहीं है. हलफनामे में राव ने बताया है कि उनके खिलाफ नौ मामले लंबित हैं, जो तेलंगाना राज्य आंदोलन के दौरान दर्ज किए गए थे और उन्हें किसी भी आपराधिक कृत्य के लिए दोषी नहीं ठहराया गया है.

धरणी पोर्टल त्रुटिरहित : केसीआर

भाजपा-कांग्रेस ने खत्म करने का संकल्प लिया

भाषा। हैदराबाद

तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की एकीकृत भूमि अभिलेख प्रबंधन प्रणाली ''धरणी'' अब राज्य में राजनीतिक दलों के लिए आलोचना का विषय बन गई है और 30 नवंबर को विधानसभा चुनाव से पहले एक बड़ा चुनावी मुद्दा बनकर उभरी है. मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव नीत सरकार ने भूमि पंजीकरण से संबंधित मामलों में सुधार और शिकायतों के समाधान के लिए अक्टूबर 2020 में ''धरणी'' पोर्टल की शुरुआत की थी. राज्य सरकार ने ''धरणी'' रिकॉर्ड का इस्तेमाल कर ही अपनी महत्वाकांक्षी योजना ''रायथु बंधु'' के लाभार्थियों की पहचान कर उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान की थी. हालांकि जब से इस पोर्टल की शुरुआत हुई तभी से यह परियोजना विपक्षी दलों के लिए आलोचना का विषय बनी हुई है. विपक्षी दलों का आरोप है कि सत्तारूढ़ दल जमीन हथियाने के लिए इस प्रणाली का इस्तेमाल कर रहा है. वहीं बीआरएस ने परियोजना को प्रगतिशील सुधार बताते हुए आरोपों को खारिज कर दिया है. भाजपा के अध्यक्ष से लेकर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष जैसे कई बड़े नेता अपनी रैलियों व जनसभाओं में 'धरणी' की आलोचना कर चुके हैं. राव ने कहा है कि परियोजना 'धरणी' ने भूमि के लेन-देन की प्रक्रिया से ''बिचौलियों'' को हटा दिया है.

कॅरियर-काउंसिलिंग

एमबीबीएस के लिए इन देशों के मेडिकल कॉलेज में करा सकते हैं अपना नामांकन

एजुकेशन रिपोर्टर । रजनीश प्रसाद

विदेश में प्रवेश पाने के लिए ज्यादातर मेडिकल कॉलेजों में कोई डोनेशन फीस नहीं देनी पड़ती है. विदेशों में मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश पाने के लिए किसी भी तरह की प्रवेश परीक्षा की भी आवश्यकता नहीं होती है. छात्र विदेश में सस्ती कीमत पर चिकित्सा शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं. विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर और सुविधाओं की उपलब्धता भी इसका प्रमुख कारण है कि छात्र विदेश में चिकित्सा अध्ययन करना चाहते हैं. इन देशों में रहने की लागत भी कम होती है. विदेशों में कई चिकित्सा विश्वविद्यालय शिक्षा के माध्यम के रूप में अंग्रेजी भाषा का उपयोग करते हैं. इससे छात्रों के लिए पढ़ाई करना आसान हो जाता है. विदेश में एमबीबीएस की पढ़ाई करते समय, आपके लिए अंतरराष्ट्रीय शिक्षण और कार्य प्रदर्शन प्राप्त करने के कई अवसर हैं. आपको विदेशों में शीर्ष चिकित्सा विश्वविद्यालयों में विभिन्न देशों, बैकग्राउंड से आने वाले छात्रों के साथ बातचीत करने का मौका मिल सकता है. भारत सरकार के नियम के अनुसार विदेशों से मेडिकल की पढ़ाई कर आने वाले उन्हीं छात्र-छात्राओं का मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया रजिस्टर करता है, जो एफएमजीई परीक्षा उत्तीर्ण कर लेते हैं. एफएमजीई परीक्षा उत्तीर्ण नहीं करने वाले छात्रों को देश में मेडिकल प्रैक्टिस या आगे की पढ़ाई करने का मौका नहीं दिया जाता है. जो छात्र एफएमजीई परीक्षा उत्तीर्ण कर लेते हैं, उन्हें ही भारतीय कानून के मुताबिक डॉक्टर माना जाता है. गौरतलब है कि एफएमजीई का आयोजन राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड की ओर से एक साल में दो बार आयोजित की जाती है. यह परीक्षा जून और दिसंबर महीने में आयोजित होती है. परीक्षा में सफल होने के लिए छात्रों के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक हासिल करना जरूरी है. हालांकि, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, यूनाइटेड किंगडम और अमेरिका से पढ़ने वाले छात्रों को एफएमजीई परीक्षा पास करने की जरूरत नहीं है.

इन देशों से एमबीबीएस करना बेहतर विकल्प

▪ यूनाइटेड किंगडम

यूनाइटेड किंगडम में विश्वविद्यालयों की एक लिस्ट है, जो एमबीबीएस का कोर्स करवाती है. यूके के विश्वविद्यालयों ने एमबीबीएस के विशेष कोर्स प्रदान करने में क्यूएस, टाइम्स हायर एजुकेशन रैंकिंग में अपना 100वीं सूची में नाम भी दर्ज कराया है. एमबीबीएस का कोर्स चार से छह साल तक का होता है. कोर्स के सफल समापन के बाद एक सर्टिफिकेट ऑफ कंप्लीशन ट्रेनिंग (सीसीटी) दी जाती है.

▪ यूएसए

संयुक्त राज्य अमेरिका में आइवी लीग कॉलेज और अन्य शीर्ष-रेटेड चिकित्सा संस्थान दुनिया भर के कुछ बेहतरीन लोगों को आकर्षित करते हैं. इसके अलावा, विश्व स्तरीय अस्पताल सुविधाओं और फार्मास्युटिकल कंपनियों की निकटता में उपस्थिति व्यक्तियों के लिए यूएसए में एमबीबीएस करना काफी आसान बनाती है. विश्वविद्यालयों और थिंक टैंकों में अनुसंधान के अनगिनत रास्ते जो चिकित्सा को अन्य क्षेत्रों जैसे कि प्रौद्योगिकी, राजनीति, संचार, सार्वजनिक नीति आदि के साथ जोड़ते हैं और सभी क्षेत्रों में अधिक अवसर खोलते हैं.

▪ जर्मनी

जब हम बात करते हैं कि एमबीबीएस के लिए कौन सा देश सबसे अच्छा है, तो अंतरराष्ट्रीय छात्रों को पता होना चाहिए कि जर्मनी में चिकित्सा विश्वविद्यालय चिकित्सा शिक्षा में 5% आरक्षण देता हैं. इसके साथ ही, जर्मनी में मुफ्त विश्वविद्यालयों, अत्याधुनिक सुविधाओं और जर्मनी में एमबीबीएस करने वाले अनुभवी प्रोफेसरों के कारण अध्ययन की सस्ती लागत आपको एक संपूर्ण कॅरियर के लिए तैयार करती है. छह साल के पाठ्यक्रम में दो साल के 'प्रीक्लिनिकल स्टडीज', तीन साल के 'क्लिनिकल स्टडीज' और अंत में, प्रैक्टिकल शामिल हैं. छात्रों को कुछ मामलों में जर्मन भाषा प्रवीणता का प्रमाण देने की भी आवश्यकता हो सकती है.

▪ रूस

एक व्यापक कोर्स प्रदान करने के अलावा, रूस में चिकित्सा विश्वविद्यालय अंग्रेजी और रूसी दोनों भाषाओं में एमबीबीएस कोर्स भी प्रदान करते हैं और छात्रों को एमसीआई स्क्रीनिंग टेस्ट के लिए प्रशिक्षित करते हैं. इसके अलावा, अन्य देशों की तरह, रूस में एमबीबीएस का अध्ययन करने के लिए एक व्यक्ति को एनईईटी परीक्षा उत्तीर्ण करने की आवश्यकता होती है. करीब 4,000 अमरीकी डालर या 2,88,860 प्रति वर्ष की औसत लागत के साथ, एशियाई राष्ट्र तेजी से सीढ़ियां चढ़ रहा है और विदेश में सबसे पसंदीदा अध्ययन चिकित्सा स्थलों में से एक बन गया है.

▪ चीन

चीन में मेडिकल कॉलेज मुख्य औषधीय विज्ञान के साथ-साथ बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, सार्वजनिक स्वास्थ्य, दंत विज्ञान, फार्मेसी आदि के क्षेत्रों से अन्य योग्यताएं प्रदान करते हैं. इसके अलावा, चीन में एमबीबीएस करने के लिए, उम्मीदवारों के पास कम से कम 60% अंक होना आवश्यक है, साथ ही 12वीं में जीव विज्ञान, भौतिकी और रसायन विज्ञान से किया होना चाहिए.

▪ फिलीपींस

जब यह तय करने की बात आती है कि कौनसा देश एमबीबीएस के लिए सबसे अच्छा है, तो इस मामले में फिलीपींस सबसे आगे है. यह न केवल मध्य पूर्व में बल्कि पश्चिमी देशों में भी चिकित्सा का एक प्रसिद्ध अध्ययन स्थल है. उम्मीदवारों को प्रदान की जाने वाली शिक्षा शीर्ष पायदान पर है. प्रमुख विशेषताओं में से एक यह है कि शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी है, इस प्रकार, उम्मीदवारों को कोई अतिरिक्त भाषा सीखने की आवश्यकता नहीं है. फिलीपींस में कम लागत में बेहतर शिक्षा मिलती है, लेकिन यहां नामांकन पाना कठिन है. बाकी की सीट प्राइवेट कॉलेजों में हैं, जिनकी फीस काफी अधिक है. कई कॉलेजों में तो फीस 15 लाख प्रति वर्ष तक है.

▪ किर्गिस्तान

किर्गिस्तान में एमबीबीएस भी भारतीय छात्रों के लिए सर्वश्रेष्ठ एमबीबीएस विकल्पों में से एक है क्योंकि मध्य पूर्व में चिकित्सा शिक्षा प्रदान करने के लिए देश की एक उत्कृष्ट प्रतिष्ठा है. यह कोर्स 6 साल लंबा है, जिसमें 5 साल का शैक्षणिक अध्ययन और राज्य द्वारा वित्त पोषित या स्वामित्व वाले अस्पतालों, क्लीनिकों और प्रयोगशालाओं में एक पूर्ण वर्ष का प्रशिक्षण है. उम्मीदवारों को यहां सही एक्सपोजर मिलता है और वह उन्नत तकनीक सीखते हैं.

देशी विश्वविद्यालय के लिए आवेदन प्रक्रिया

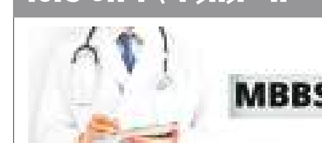

- सभी दस्तावेजों जैसे एसओपी, निबंध, सर्टिफिकेट्स और एलओआर और आवश्यक टेस्ट स्कोर जैसे आईईएलटीएस , टॉफिल, एसएटी, एसीटीआदि को इकट्ठा करना और सुव्यवस्थित करना है.
- यदि आपने अभी तक अपनी आईईएलटीएस,टॉफिल , पीटीई, जीएमएटी, जीआरई आदि परीक्षा के लिए तैयारी नहीं की है, जो निश्चित रूप से विदेश में अध्ययन करने का एक महत्वपूर्ण कारक है, तो आप लेवेरेज लाइव कक्षाओं में शामिल हो सकते हैं.
- आपका एप्लीकेशन और सभी आवश्यक दस्तावेज जमा करने के बाद, एक्सपर्ट्स आवास, छात्र वीजा और छात्रवृत्ति / छात्र लोन के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू करें.
- अपने प्रस्ताव पत्र की प्रतीक्षा करें , जिसमें लगभग 4-6 सप्ताह या उससे अधिक समय लग सकता है. ऑफर लेटर आने के बाद उसे स्वीकार करके आवश्यक सेमेस्टर शुल्क का भुगतान करना आपकी आवेदन प्रक्रिया का अंतिम चरण है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)